दैनिक
सांध्य प्रकाश
भोपाल की धड़कन

वर्ष 54/ अंक 157/ पृष्ठ 8 / मूल्य ₹ 2.10 संस्थापक- स्व. सुरेंद्र पटेल ▪आर.एन.आई 22296/71 ▪डाक पंजीयन मप्र/भोपाल/125/12-14

भोपाल, गुरुवार 2 जनवरी 2025 भोपाल से प्रकाशित dainiksandhyaprakash.in

आज सोने-चांदी के दाम में तेजी:सोना 186 रुपए बढ़कर 76,769 रुपए पर पहुंचा, चांदी 86,907 रुपए प्रति किलोग्राम बिक रही

सांध्यप्रकाश विशेष

वीर सावरकर के नाम पर हो सकता है डीयू का नया कॉलेज, पीएम मोदी के आधारशिला रखने की संभावना

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 3 जनवरी को पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में दिल्ली विश्वविद्यालय (डीयू) के दो नए परिसरों और वीर सावरकर के नाम पर एक कॉलेज की आधारशिला रखने की संभावना है। विश्वविद्यालय के सूत्रों ने यह जानकारी दी। डीयू की कार्यकारी परिषद की ओर से 2021 में अनुमोदित सावरकर कॉलेज नजफगढ़ में 140 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से बनाया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री को निमंत्रण दिया है और प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) से इस संबंध में पुष्टि मिलने की प्रतीक्षा की जा रही है।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 3 जनवरी को दिल्ली विश्वविद्यालय (ष्ठ) के दो नए कैंपस का उद्घाटन कर सकते हैं। ये कैंपस पूर्वी और पश्चिमी दिल्ली में होंगे। इसके साथ ही, वीर सावरकर के नाम पर एक नए कॉलेज की नींव भी रखी जाएगी। यह कॉलेज नजफगढ़ में बनेगा। इसकी लागत लगभग 140 करोड़ रुपये होगी। ष्ठ ने 2021 में इस कॉलेज को मंजूरी दी थी। विश्वविद्यालय ने प्रधानमंत्री को न्योता भेजा है। प्रधानमंत्री कार्यालय से पुष्टि का इंतजार है।

सूरजमल विहार में प्रस्तावित पूर्वी परिसर की स्थापना 373 करोड़ रुपये की अनुमानित लागत से की जाएगी जबकि द्वारका में पश्चिमी परिसर की स्थापना पर 107 करोड़ रुपये की लागत आने का अनुमान है।

केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली में किसानों की स्थिति पर जताई चिंता, दिल्ली की सीएम आतिशी को पत्र लिखा

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने दिल्ली की सीएम आतिशी को पत्र लिखकर दिल्ली में किसानों की स्थिति पर चिंता जताई है। शिवराज ने कहा कि

दिल्ली में आप की सरकार किसानों के प्रति बेहद उदासीन है। किसानों के लिए आम आदमी पार्टी की दिल्ली सरकार में कोई संवेदना नहीं है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि दिल्ली में केजरीवाल और आतिशी ने कभी किसानों के हित में उचित निर्णय नहीं लिए। केजरीवाल ने हमेशा चुनावों से पहले बड़ी बड़ी घोषणाएँ कर राजनैतिक लाभ लिया है। केजरीवाल ने सरकार में आते ही जनहितैषी निर्णयों को लेने के स्थान पर अपना रोना रोया है। शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि 10 वर्षो से दिल्ली में आप की सरकार है, लेकिन पूर्व सीएम केजरीवाल ने हमेशा किसानों के साथ केवल धोखा किया है। केंद्र सरकार की किसान हितैषी योजनाओं को आम आदमी पार्टी की सरकार ने दिल्ली में लागू नहीं किया। दिल्ली के किसान केंद्र की कल्याणकारी योजनाओं के लाभ से वंचित हो रहे हैं। दिल्ली में आप सरकार का किसानो के प्रति गैर जिम्मेदाराना रवैया है।

केंद्रीय कृषि मंत्री ने कहा कि एकीकृत बागवानी मिशन, राष्ट्रीय कृषि विकास योजना, बीज ग्राम कार्यक्रम सहित अनेक योजनाओं का लाभ किसान नहीं ले पा रहे हैं। दिल्ली में केंद्र की कृषि योजनाएं लागू नहीं होने से किसान भाई-बहन नर्सरी और टिशू कल्चर की स्थापना, रोपण सामग्री की आपूर्ति, फसल उपरांत प्रबंधन के इंफ्रास्ट्रक्चर के निर्माण, नए बाग़, पाली हाउस एवं कोल्ड चैन की सब्सिडी सहित अनेक योजनाओं के लाभ नहीं ले पा रहे हैं।

केंद्र ने सीबीआई को जम्मू-कश्मीर के राजस्व सचिव आईएएस कुमार राजीव रंजन पर मुकदमा चलाने की अनुमति दी

नई दिल्ली। केंद्र ने जम्मू-कश्मीर में कथित हथियार लाइसेंस घोटाले के मामले में जम्मू-कश्मीर के राजस्व सचिव कुमार राजीव रंजन के खिलाफ मुकदमा चलाने के लिए केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) को मंजूरी दे दी है।

भारतीय प्रशासनिक सेवा में 2010 बैच के आईएएस अधिकारी कुमार राजीव रंजन उस समय जम्मू के डिप्टी कमिश्नर थे। उन नौ आईएएस अधिकारियों में से एक, जिन पर गैर-योग्य आवेदकों को पैसे देकर हथियार लाइसेंस जारी करने का आरोप था। कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग ने बताया कि कुमार राजीव रंजन के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी दे दी गई है। इस मामले पर जम्मू-कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय में सुनवाई चल रही है। बता दे कि 25 नवंबर, 2024 को जम्मू- कश्मीर और लद्दाख उच्च न्यायालय ने इस घोटाले में नौकरशाहों के खिलाफ अभियोजन की मंजूरी देने में पिक एंड चूज नीति पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय प्रभु की जमानत याचिका खारिज

बांग्लादेश में हिंदू संत चिन्मय प्रभु दास की जमानत याचिका आज दूसरी बार खारिज हो गई। न्यूज एजेंसी डेली स्टार के मुताबिक चटगांव सेशन कोर्ट के जज सैफुल इस्लाम ने दोनों पक्षों की दलील पढ़ने के बाद ये फैसला दिया। इस मामले में करीब आधे घंटे तक सुनवाई चली। चिन्मय दास पर बांग्लादेश के राष्ट्रीय ध्वज के अपमान का आरोप है। इस मामले में राजद्रोह का केस दर्ज कर उन्हें 25 नवंबर 2024 को गिरफ्तार किया गया था। फैसले के बाद चिन्मय प्रभु के वकील अपूर्व भट्टाचार्य ने कहा कि वे जमानत को

लेकर हाईकोर्ट में अपील करने की तैयारी कर रहे हैं। सुबह 10.15 बजे सुप्रीम कोर्ट के 11 वकीलों की टीम चटगांव कोर्ट पहुंची। इसके बाद करीब 11 बजे मामले की सुनवाई शुरू हुई। वहीं, सुनवाई के दौरान चिन्मय प्रभु को कोर्ट में पेश नहीं किया गया। इससे पहले 3 दिसंबर 2024 को उनकी जमानत याचिका खारिज कर दी गई थी।

मोदी से मिले दिलजीत दोसांझ

गाने पर पीएम ने टेबल बजाई, कहा- नाम की तरह लोगों को जीत लेते हो

लुधियाना। पंजाबी सिंगर दिलजीत दोसांझ ने नए साल के पहले दिन पीएम नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। दिलजीत ने पीएम मोदी को देखते ही उन्हें सैल्यूट किया। पीएम ने भी सत श्री अकाल कहकर दोसांझ का स्वागत किया। इस दौरान दिलजीत ने जब गुरु नानक पर गाना गाया तब पीएम मोदी टेबल पर थाप देते नजर आए। उन्होंने दिलजीत की पीठ भी थपथपाई। दोसांझ ने पीएम मोदी से मुलाकात की कुछ तस्वीरें और वीडियो भी एक्स पर शेयर कीं। उन्होंने इस मुलाकात को यादगार बताया। दिलजीत के साथ उनकी टीम भी मौजूद रही।

दिलजीत दोसांझ ने अपने दिल लुमिनाटी टूर का लास्ट शो लुधियाना में किया था।

पीएम बोले- बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं दिलजीत

वहीं पीएम मोदी ने एक्स पर दिलजीत दोसांझ के पोस्ट को रीपोस्ट करके लिखा- दिलजीत दोसांझ के साथ शानदार बातचीत। वह वास्तव में बहुमुखी प्रतिभा के धनी हैं। उनमें प्रतिभा और परंपरा का मिश्रण है। हम संगीत, संस्कृति और बहुत सारे माध्यम से जुड़े हैं।

सिंगर ने लिखा- 2025 की शानदार शुरुआत

दिलजीत दोसांझ ने सोशल मीडिया पर पीएम से मुलाकात के फोटो शेयर किए। पोस्ट में उन्होंने लिखा- यह 2025 की शानदार शुरुआत है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक बहुत ही यादगार मुलाकात रही। हमने संगीत सहित कई चीजों पर बात की।

40 साल से कचरे के साथ जी रहे थे भोपाल के लोग, वैज्ञानिक इसे नष्ट कर रहे : मुख्यमंत्री

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने पीथमपुर में यूनियन कार्बाइड का जहरीला कचरा जलाए जाने को लेकर मीडियो से बात की। उन्होंने कहा कि रासायनिक कचरे का निष्पादन वैज्ञानियों से ही कराया जा रहा है। इसमें सभी मानकों का पालन हो रहा है।

जनप्रतिनिधियों के साथ आज तीन बजे प्रभारी मंत्री कैलाश विजयवर्गीय बैठक करेंगे और सभी शंकाओं का समाधान करेंगे। कचरा जलाने से ना तो पर्यावरण कोई कोई नुकसान होगा और ना ही भूजल प्रभावित होगा। समस्त अध्ययन के बाद ही कार्रवाई की जा रही है।

यह राजनीति का विषय नहीं

कांग्रेस द्वारा उठाई जा रही आपत्तियों पर सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि पीथमपुर को लेकर आवाज उठा रहे हैं और भोपाल को लेकर अभी तक कोई बात नहीं की। दोमुही कांग्रेसी करते हैं। यह राजनीति का विषय नहीं है। भोपालवासी 40 वर्ष से इस कचरे के साथ जी रहे थे। हम सुप्रीम कोर्ट के आदेश का पालन कर रहे हैं।

सीएम डॉ. मोहन यादव ने कहा कि जिस कचरे को हम पीथमपुर में जलाने जा रहे है उसका पहले भी ड्राई रन कर चुके है। इसकी रिपोर्ट सुप्रीम कोर्ट में जमा की थी, उसी रिपोर्ट के आधार पर सुप्रीम कोर्ट ने इस कचरे को नष्ट करने के निर्देश हमें दिए थे। इसमें यह साफ कर दिया गया था कि इस कचरे के जलने से पर्यावरण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

उन्होंने कहा कि अगस्त 2015 में यूनियन कार्बाइड का कचरा जलाने का ट्रायल रन किया गया था। परीक्षण में जो रिपोर्ट आई है उसके मुताबिक कचरा जलाने से वातावरण में किसी तरह का कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा। इस रिपोर्ट के बाद हाईकोर्ट ने हमें कचरा जलाने के लिए निर्देशित किया है।

ई-ऑफिस प्रणाली का शुभारंभ

पूरे प्रदेश में तीन चरणों में लागू होगा सिस्टम

भोपाल। मध्य प्रदेश में नए साल के मौके पर ई-ऑफिस क्रियान्वयन प्रणाली का शुभारंभ हो गया है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज सीएम हाउस स्थित समत्व भवन से इस प्रक्रिया का बटन दबाकर शुभारंभ किया। इस प्रक्रिया के लागू होने से मुख्यमंत्री कार्यालय, मुख्य सचिव कार्यालय सहित सभी विभागों में ई-ऑफिस प्रणाली से कागजी नोटशीट के बजाए ऑनलाइन फाइलें मूव की जाएंगी। इसके लिए विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों को प्रशिक्षित भी किया गया है। आगे अब ई-ऑफिस सिस्टम तीन चरणों में पूरे प्रदेश में लागू किया जाएगा।

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने ई ऑफिस प्रणाली का मध्य प्रदेश में शुभारंभ कर लागू करने के बाद कहा कि कई जन हितैषी कार्यक्रमों, गरीब, महिला, किसान और युवा वर्ग के कल्याण को फोकस करते हुए मध्यप्रदेश सरकार डिजिटिलाइजेशन के जरिए आगे बढ़ना चाहती है। मुख्यमंत्री कार्यालय सहित मुख्य सचिव अनुराग जैन ने भी मुख्य सचिव कार्यालय में ई-ऑफिस प्रणाली से काम शुरू कर दिया है। सीएम डॉ मोहन यादव ने कहा कि, ई-ऑफिस से आम जनता को राहत मिलेगी। सभी विभागों द्वारा ई-ऑफिस सिस्टम से काम किया जाए। इसके लिए विभाग प्रक्रिया पूरी करेंगे। आपको बता दें कि ई-ऑफिस सिस्टम तीन चरणों में पूरे प्रदेश में लागू होगा। पहला चरण में आज 1 जनवरी से यह मंत्रालय में पूरी तरह लागू किया गया है। अब मंत्रालय में सभी फाइलों का मूवमेंट सिर्फ इलेक्ट्रॉनिक मोड (ई-फाइल) में ही हो सकेगा और पूरी कार्यवाही पेपरलेस हो जाएगी।

दूसरे चरण में सभी विभाग प्रमुखों के कार्यालय और तीसरे चरण में सभी जिला स्तर के कार्यालयों को ई-ऑफिस प्रणाली में लाया जाएगा। दूसरे और तीसरे चरण की तारीखें अभी तय नहीं हैं। गौरतलब है कि वर्तमान में मंत्रालय में हाईब्रिड मोड में काम किया जा रहा है, यानी कुछ काम ई-फाइल के जरिए हो रहे हैं, जबकि कुछ काम पी-फाइल (पेपर फाइल) के जरिए ही होते आ रहे हैं।

सुप्रीम कोर्ट का किसानों से सीधे बात करने से इनकार, कहा- हमने अनशन तोड़ने का नहीं बोला

नई दिल्ली। हरियाणा-पंजाब के खनौरी बॉर्डर पर 38 दिन से आमरण अनशन पर बैठे किसान नेता जगजीत

डल्लेवाल को लेकर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई हुई। इसमें कोर्ट ने फिर पंजाब सरकार पर सख्त रुख दिखाया।

कोर्ट ने कहा कि जानबूझकर हालात बिगाड़ने की कोशिश हो रही है। हमने कभी अनशन तोड़ने को नहीं कहा। कोर्ट ने पंजाब सरकार को फटकार लगाते हुए कहा कि आपका रवैया ही सुलह करवाने का नहीं है। कुछ तथाकथित किसान नेता गैर-जिम्मेदाराना बयानबाजी कर रहे हैं।

डल्लेवाल ने भी इस केस में एडवोकेट गुनिंदर कौर गिल के जरिए केस में पार्टी बनने की याचिका दायर की थी। इस पर जस्टिस सूर्यकांत ने कहा कि इसे टकराव न मानें। हमने पूर्व जजों की कमेटी बनाई है, जो वहां मौजूद है, इसलिए हम किसानों से सीधे बात नहीं कर सकते।

कोर्ट ने यह भी कहा कि हमें डल्लेवाल को अस्पताल में भर्ती कराने के आदेश की कंप्लायंस रिपोर्ट चाहिए। सुनवाई के दौरान पंजाब के डीजीपी और चीफ सेक्रेटरी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए मौजूद रहे। अब 6 जनवरी (सोमवार) को डल्लेवाल मामले और हरियाणा सरकार की शंभू बॉर्डर खोलने के खिलाफ दायर पिटीशन पर भी सुनवाई होगी।

सीएम नीतीश कुमार के लिए खुले हैं दरवाजे, लालू प्रसाद के इस बयान से सियासी गलियारे में हलचल तेज

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में रहेंगे या महागठबंधन शामिल होंगे? इन दिनों यह सवाल सभी लोग पूछ रहे हैं। इसी सवाल को लेकर राष्ट्रीय जनता दल के सुपीमो

लालू प्रसाद यादव ने जो बयान दिया है, वह चौंकाने वाला है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहा है कि सीएम नीतीश कुमार के लिए दरवाजे खुले हुए हैं। वह साथ में आएं और काम करें। वह अगर महागठबंधन के साथ आना चाहते हैं तो आ जायें। इस बयान ने सियासी गलियारे में हलचल तेज कर दी। साथ ही एनडीए खेमे की बेचैनी भी बढ़ा दी है।

दरअसल, एक जनवरी को राजद सुप्रीमो की पत्नी और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी का जन्मदिन था। राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान जन्मदिन को लेकर आयोजित किए गये समारोह में शामिल हुए थे।

यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो के बार में फायरिंग, 10 की मौत

नई दिल्ली। यूरोपीय देश मोंटेनेग्रो में नए साल के मौके पर एक शख्स ने बार में फायरिंग कर अपने ही परिवार के सदस्यों समेत

10 लोगों की हत्या कर दी। मरने वालों में परिवार के अलावा बार के मालिक और उसके 2 बच्चे भी शामिल हैं। वहीं 4 लोग घायल भी हुए हैं। आरोपी हमलावर की पहचान 45 साल के आको मार्टिनोविक के रूप में हुई है, जो हमले के बाद मौके से फरार हो गया था। पुलिस ने उसे पकड़ने के लिए इलाके की सभी सड़कों को बंद कर दिया और उसकी तलाश में जुट गई।

आगरा कोर्ट में कंगना रनोट केस की सुनवाई आज

आगरा। बॉलीवुड एक्ट्रेस और हिमाचल प्रदेश की मंडी से बीजेपी सांसद कंगना रनोट के खिलाफ गुरुवार

को आगरा कोर्ट में सुनवाई है। किसानों और राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के प्रति अभद्र टिप्पणी के मामले में उन पर राष्ट्रद्रोह का केस लगाने की मांग की गई है। राजीव गांधी बार एसोसिएशन के अध्यक्ष एडवोकेट रमा शंकर शर्मा ने कंगना के खिलाफ आगरा की स्पेशल एमपीएमएलए कोर्ट में 11 सितंबर 2024 को वाद दायर किया था।

मप्र: संविदा कर्मचारियों को बड़ी राहत, सीधी भर्ती में मिलेगा 50 प्रतिशत आरक्षण

भोपाल। नए साल में मध्य प्रदेश की मोहन सरकार ने संविदा कर्मचारियों को राहतभरी खबर दी है। पंचायत एवं ग्रामीण विकास विभाग ने सीधी भर्ती में 1.25 लाख संविदा कर्मचारियों को 50 प्रतिशत आरक्षण देने का नोटिफिकेशन जारी कर दिया है। इस पहल का उद्देश्य संविदा कर्मचारियों को स्थायित्व और समान अवसर प्रदान करना है। यह घोषणा पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने संविदा कर्मचारियों के सम्मेलन में की थी।

22 जुलाई 2023 को सामान्य प्रशासन विभाग ने नीति निर्देश जारी किए थे, जिसके बाद यह कदम उठाया गया। इन निर्देशों में नियमित कर्मचारियों की तरह संविदा कर्मचारियों को वेतन, अनुकंपा नियुक्ति, ग्रेच्युटी, अवकाश और स्वास्थ्य बीमा जैसी सुविधाएं देने का प्रावधान किया गया। विभाग के अपर मुख्य सचिव संजय दुबे ने स्पष्ट किया कि 50 प्रतिशत आरक्षण का प्रावधान सभी विभागों में लागू होगा।

पिछले वर्षों में संविदा कर्मचारियों की समस्याएं- पिछले साल कई संविदा कर्मचारियों ने ग्रेड पे कटौती और वेतन से जुड़ी समस्याओं के कारण अदालत का रुख किया। लगभग 8,000 कर्मचारी इन मुद्दों को लेकर न्यायालय पहुंचे थे। संविदा नीतियों के पालन में भी खामियां देखी गईं, जिनमें कुक्कुट विकास निगम और मैप आईटी जैसे उपक्रम शामिल हैं।

शिक्षकों के लिए भी खुशखबरी- क्रमोन्नत वेतन में वृद्धि

प्राथमिक, माध्यमिक और उच्च माध्यमिक शिक्षकों के लिए भी नए साल में राहत की खबर है। दो लाख शिक्षकों का वेतन 6,000 रुपए तक बढ़ाया जाएगा। 12 और 24 साल की सेवा पूरी करने पर क्रमोन्नत वेतन मिलेगा। लंबे समय से लंबित फाइलों को मंजूरी मिलने से यह संभव हुआ है।

किस स्तर पर कितना बढ़ा वेतन?

- प्राथमिक शिक्षक- 2,000 रुपए तक बढ़ोतरी
- माध्यमिक शिक्षक- 3,000-5,000 रुपए तक बढ़ोतरी
- उच्च माध्यमिक शिक्षक- 4,000-6,000 रुपए तक बढ़ोतरी

सूखा मैदान हरितिमा की चादर ओढ़ हुआ गुलज़ार, पक्षी भी आ रहे विहार करने

सेंट जेवियर स्कूल के पीछे सूखे मैदान पर निगम द्वारा लगाए पौधे अब वृक्ष का ले रहे आकार

सांध्य प्रकाश दाता ● भ

झीलों, तालाबों, शैल, शिखिरों की नगरी भोपाल नैसर्गिक सुंदरता से ओत-प्रोत है और हरियाली इसकी सुंदरता में वृद्धि करती है। नगर निगम, भोपाल द्वारा शहर में हरितिमा बढ़ाने हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के आव्हान पर पूरे देश में संचालित ''एक पेड़ माँ के नाम'' अभियान के तहत नगर निगम भोपाल ने शहर के लगभग 300 स्थानों के साथ ही जम्बूरी मैदान के पास सेंट जेवियर स्कूल के पीछे सूखे मैदान पर विभिन्न प्रजातियों के 26 हजार से अधिक पौधे लगाए है और निरंतर सिंचाई व देखभाल से अब यह वृक्षों का आकार लेने लगे है। नगर निगम के प्रयासों से जम्बूरी मैदान के पास सेंट जेवियर स्कूल के पीछे सूखे मैदान ने हरितिमा की चादर ओढ़ ली है और अब यहां पक्षी भी विहार करने आने लगे है और उनकी चहचहाहट से आसपास का वातावरण भी गुंजायमान होता है। ''एक पेड़ माँ के

नाम'' अभियान के तहत गत 06 जुलाई 2024 को प्रदेश के मुख्यमंत्री ने आवले का पौधा रोपकर पौधरोपण का शुभारंभ किया और उपस्थित जनसमुदाय ने पूरे मैदान पर 26 हजार से अधिक पौधे रोपे जिनमें आवला, आम, जामुन, कंजी, शीशम, पीपल, अमरूद, कुसुम, चिरोल, बरगद, बादाम, बेलपत्र आदि प्रजाति के पौधे शामिल है। यह पौधे अब वृक्षों का आकार लेने लगे है और उनकी ऊंचाई 03 फिट से लेकर 05 फिट तक हो गई है और मैदान के चारों ओर हरियाली नजर आने लगी है और अब यहां बड़ी संख्या में पक्षियों की चहचहाहट सुनाई देने लगी है। नगर निगम, भोपाल द्वारा सेंट जेवियर स्कूल के पीछे वाले मैदान पर रोपित पौधों के थालों को व्यवस्थित रखते हुए सिंचाई हेतु व्यापक प्रबंध किए है और प्रतिदिन टैंकरों से सिंचाई की जा रही है साथ ही 02 नवीन नलकूलों को खनन कर पाईप लाईन के माध्यम से सिंचाई की व्यवस्था की गई है और निरंतर देखभाल करते हुए कचरा, खरपतवार हटाने के कार्य के साथ ही आवश्यकतानुसार खाद व अन्य रसायनों का उपयोग भी किया जा रहा है। निगम आयुक्त श्री हरेन्द्र नारायन द्वारा शहर के सभी वृक्षारोपण स्थलों के साथ ही उक्त स्थल की भी निरंतर मॉनीटरिंग कर रहे है और पौधों की देखभाल व उनकी ग्रोथ के लिए निरंतर दिशा निर्देश भी दे रहे है। निगम के प्रयासों से कल के पौधे शीघ्र ही बड़े वृक्ष नजर आने लगेंगे। नगर निगम, भोपाल द्वारा प्रदूषण नियंत्रण और पर्यावरण की स्वच्छता हेतु निरंतर कार्य किए जा रहे है जिनमें रिक्त स्थानों पर वृहद पैमाने पर पौधरोपण, पौधों की देखभाल, पर्याप्त सिंचाई, सड़कों पर रोड स्वीपिंग मशीनों व सफाई मित्रों के माध्यम से घूल-मिट्टी की सफाई एवं वाटर फागर से निरंतर पानी का छिड़काव भी कराया जा रहा है जिससे वायु गुणवत्ता में भी निरंतर सुधार हो रहा है।

138 साथियों ने श्रीकृष्ण प्रणामी मंदिर में किया रक्तदान

भोपाल। सेवा की भावना के साथ 138 सकारात्मक साथियों ने श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में किया रक्तदान । नव वर्ष का प्रारंभ और जन सेवा की पवित्र भावना को लेकर श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में पूज्य माँ सुषमा शर्मा जी की स्मृति में 1 जनवरी 2025 बुधवार को जरूरतमन्दों के हितार्थ, हमीदिया ब्लड बैंक के लिए डॉ पुनीत टंडन के निर्देशन में तुम सेवा से पाओगे पार विचार मंच और श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर के बैनर तले रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। जिसमे शहरवासियों और समाजजन के सहयोग से कुल 138 यूनिट ब्लड कलेक्ट हुआ । इस शिविर में पहली बार रक्तदान करने वाले युवाओं में अंशिका सिंह बेस, शुचि अग्रवाल, शिवांश अग्रवाल, सक्षम शर्मा, संदीप श्रेष्ठ, अक्षरा शर्मा, नैंसी, सर्वेश, ओम और मोहिल शर्मा ने इस सकारात्मक पहल की सराहना की। वही दीपा चतुर्वेदी ने पति अंकित, ऊषा शर्मा ने दिलीप राज,रजनीश त्रिपाठी, डॉ लालिमा शर्मा, साहिल जैन,अमित चौधरी,राकेश शर्मा, ब्रजेश नामदेव, कैलाश सूर्यवंशी, चेतन विश्वकर्मा, वीरेंद्र मिश्रा, विनायक शर्मा, नवनी शर्मा, दीपक चौहान, हेमंत शर्मा, हार्दिक,के साथ ब्लड डोनेट किया । कैम्प समन्वयक मम्तेश शर्मा ने बताया कि आयोजन के दौरान मंदिर के महंत प.रूपराज शर्मा, संस्थापक सदस्य प.भीखराज त्रिपाठी, मंदिर अध्यक्ष विनोद परनामी, अरुण चौधरी, रविकांत शर्मा, नरेंद्र मोहन शर्मा, प्रवीण शर्मा, तन्मय जैन, सतीश राव,बसंत शर्मा ने सभी डोनर को गिफ्ट देकर सम्मानित किया । इस जनहितकारी सेवा कार्य में डॉ पूजा-प्रशांत त्रिपाठी और उनकी पूरी डेनिसिया डेंटल टीम, अशोक सोनी,अर्पित गोयल,मनोहर हरवानी, शशि नैयर,अतुल जैन, आदित्य शर्मा,अशोक हिंदुस्तानी और गिरिराज बाहेती का सराहनीय योगदान रहा । कैम्प में आए सभी रक्तदाताओं का मंदिर अध्यक्ष विनोद परनामी,रजनीश त्रिपाठी,कैम्प समन्वयक मम्तेश शर्मा ने आभार व्यक्त किया ।

माता-पिता की सेवा में ही सभी तीर्थों का पुण्य लाभ है: चेतन्य स्वरूप महाराज

सीटीओ स्थित बाल शिव मंदिर पर चल रही संगीतमय शिव महापुराण कथा

संत हिरदाराम नगर। सीटीओ अयप्पा मंदिर के पास बाल शिव मंदिर पर चल रही संगीतमय श्री शिव महापुराण कथा के छठवें दिन उज्जैन से पधारे कथा व्यास चेतन्य स्वरूप महाराज ने 12 ज्योतिर्लिंग का वर्णन किया। इस अवसर पर मंदिर के पुजारी हरि नारायण शर्मा नुक्कड़ वाली माता मंदिर के पुजारी पंडित रवि पटेरिया, यजमान सोनू शुक्ला, गुल्ला भैया, पंडित मुदित दुबे ने व्यासपीठ का पूजन किया। कथा में चेतन्य स्वरूप महाराज ने भगवान गणेश जी की उत्पत्ति का प्रसंग सुनाते हुए कहा कि जब गणेश जी के कटे मस्तक को जोडने के लिए एक हथिनी पीठ करकर सोती मिली जिसके बच्चे का मस्तक गणेश जी को लगाया गया और वो गजानंद कहलाये। भगवान गणेश जी का प्रथम पूजन और उनका नाम लेने से सभी विघ्न दूर होते हैं इसलिए उन्हें विघ्नहर्ता भी कहा जाता है। आगे उन्होंने कहा कि माता-

पिता ही प्रथम तीर्थ होते हैं और जो व्यक्ति अपने माता-पिता की सेवा करता है तो उसे बिना जाए ही सभी तीर्थों के दर्शन एवं सभी नदियों के स्नान का पुण्यलाभ मिलता है। जैसे भगवान गणेश ने तीनों लोकों की परिक्रमा के स्थान पर अपने माता-पिता शिव पार्वती की परिक्रमा की तो वो प्रथम पूजा के अधिकारी बने।

जैविक खेती है वरदानः जैन

भोपाल। पर्यावरण संस्कृति संरक्षण एवं मानव कल्याण ट्रस्ट के अध्यक्ष सुशील कुमार जैन ने बताया कि जैसा कि हमारे प्रधानमंत्री, मुख्यमंत्री जैविक खेती ओर मोटा अनाज को लेकर अपने विचार जन जन तक विभिन्न माध्यमों से संप्रेषित करते हैं, उसही श्रृंखला में भोपाल के पास ग्राम सालीखेड़ा में हमारे कृषि विज्ञान केंद्र से संदीप तोतवाल,अग्रणी किसान किसान प्रहलाद सिंह,पठान सिंह ,अभय बरेला व समर्थन संस्था नारायण परमार,दिव्या परमार द्वारा जैविक खेती को बढ़ावा देने हेतु अथक प्रयास किया जा रहा हैं, इस बाबत सभी ने किसान सभा आयोजित कर अपने विचार व्यक्त किये।उक्त क्रम में कृषि विज्ञान केंद्र सेवनिया से संदीप तोतवाल द्वारा मृदा संरक्षण के बारे में बताया गया और किस प्रकार प्राकृतिक खेती में मृदा के तत्वों की आवश्यकता होती है और उनको हम किस प्रकार जीवामृत,घन जीवामृत के माध्यम से पूरा कर सकते हैं और खेती को उपजाऊ बना सकते हैं। उक्त क्रम में आठ गांवों के लगभग 90 किसानों द्वारा जैविक खेती के मॉडल को दिखाया और पठान सिंह और अभय बारेला से जैविक खेती में किया जा रहे।

मेर समाज ने गरीब निर्धनों को शॉल वितरण कर मनाई बापू मालदेव राणा की पुण्यतिथि

भोपाल। मेर समाज सामाजिक उत्थान समिति मप्र द्वारा मेर शिरोमणि पूज्य बापू मालदेव राणा जी की पुण्य तिथि कार्यक्रम मेर समाज मंदिर नारियल खेड़ा पर बापू जी के चित्त पर माल्यार्पण, दीप प्रज्वलित कर पुष्पांजलि अर्पित की गई, इसके पश्चात मेर समाज बंधुओ द्वारा गरीब निर्धनों को ठंड से बचने के लिए शॉल वितरण कर पुण्य तिथि मनाई गई। इस अवसर पर मेर समाज प्रदेश अध्यक्ष हेमराज सिंह मेर, भाजपा बरिष्ठ नेता उत्तर विधानसभा प्रभारी पंकज चौकसे जी मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। कार्यक्रम में रायसेन मेर समाज जिला अध्यक्ष गोपाल सिंह मेर, प्रदेश सचिव मुकेश मेर, प्रदेश मीडिया प्रभारी पुष्पेंद्र मेर, वरिष्ठ समाज सेवी खेमचंद्र पटेल, वी.पी. मेर, एच आर मेर, फ़िल्म कलाकार दयाराम मेर, जिला सचिव दिनेश मेर, मंत्री योगेंद्र भदौरिया, राजमल मेर, बाबूलाल मेर, मनीष मेर, योगेंद्र मेर, संजय मेर, सतेंद्र प्यारे सिंह, दिनेश मेर, राकेश मेर, जगदीश मेर,उमराव सिंह एवं अन्य समाज उपस्थित रहे।

शहर में पड़ रही भीषणतम सर्दी में सेवा भारती ने 450 बच्चों को जैकेट स्वेटर पहनाए

भोपाल। सेवा भारती महानगर अंतर्गत साकेत मंडल की सेवा बस्तियों में 450 जरूरतमंद बच्चों को भीषण सर्दी मैं राहत देने के उद्देश्य से सेवा भारती महानगर अध्यक्ष ओर पूर्व जिला न्यायाधीश शिवमंगल सिंह द्वारा गर्म जैकेट, स्वेटर सहयोगियों के साथ पहनाए गए अपने उद्बोधन में शिवमंगल सिंह ने कहा कि अभी तक 1100 बच्चो को गर्म स्वेटर दे चुके हैं और यह क्रम आगे भी जारी रहेगा सेवा भारती महानगर के मीडिया प्रभारी भगवानदास ढालिया ने बताया कि सेवा भारती झुग्गी बस्तियों में जरूरतमंदो हेतु शिक्षा,स्वास्थ्य स्वावलंबन, और समरसता, जैसे उद्देश्य को लेकर प्राथमिकता से सेवा कार्य करती है. इस अवसर पर सेवा भारती महानगर उपाध्यक्ष अजीत माधवानी, सचिव प्रद्युम्न गुप्ता, संयोजक करण कौशिक, साकेत मण्डल अध्यक्ष देवमन हेडाऊ, श्रीकांत मिश्रा, मनोज पांडे, गीतांजलि शुक्ला, रूपाली सक्सेना, निवेदिता संयोजिकाये, शिक्षिकाएं आदि उपस्थित थी।

राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नववर्ष के उपलक्ष में हुआ कार्यक्रम

भोपाल । राजीव गांधी प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में नववर्ष के उपलक्ष में कुलपति प्रोफेसर राजीव त्रिपाठी सभी शिक्षकों एवं अधिकारियों एवं कर्मचारियों से नव वर्ष के कार्यक्रम में मिले । अपने उद्बोधन में सभी से कहा कि हम सभी अपनी जिम्मेदारी एवं ईमानदारी से विश्वविद्यालय की प्रगति की ओर अग्रसर होंगे एवं विश्वविद्यालय को नए आयाम तक पहुंचाएंगे। हम सब की जिम्मेदारी है कि हम अपनी जिम्मेदारी अच्छे से निर्वाह करें एवं हर एक व्यक्ति अपने हिस्से की ईमानदारी से कार्यों करें तो निश्चित ही विश्वविद्यालय विश्व स्तर पर अपना नाम रोशन करेगा। उन्होंने अधिकारी, शिक्षक एवं कर्मचारियों से आवाहन किया कि वह अपने कार्यों को पूरी निष्ठा के साथ करे एवं नई चुनौतियों को सामना करते हुए विश्वविद्यालय को आगे बढ़ाएं।

आशा वैष्णव ने सुमधुर भजनों से गुंजा भोजपाल

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

राजधानी के भेल दशहरा मैदान पर चल रहे भोजपाल महोत्सव मेले में नए साल के उपलक्ष्य में बुधवार को राजस्थान की सुप्रसिद्ध भजन गायिका आशा वैष्णव नें सुमधुर गीतों की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम की शुरुआत राम आएंगे तो अंगना सजाऊंगी से की इसके बाद नगर में जोगी आया, मेरा भोला है भंडारी करे नंदी की सवारी जैसे सुमधुर भजनों की प्रस्तुति देकर लोगों को झूमने पर मजबूर कर दिया। इस मौके पर कड़कड़ाती ठंड के बीच मेला मंच के सामने हजारों की संख्या में लोग मौजूद रहे। बुधवार को नए साल के मौके पर लाखों की संख्या में शहरवासी मेला देखने पहुंचे।

मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्जवलित कर कार्यक्रम की शुरुआत की। इस मौके पर मेला अध्यक्ष सुनील यादव, संयोजक विकास विरानी, महामंत्री हरीश कुमार राम सहित अन्य पदाधिकारी मौजूद रहे। मेला देखने भारी भीड़ पहुंच रही है। मेला

अध्यक्ष सुनील यादव ने कहा कि यह शहरवासियों को प्यार और आशीर्वाद है, जो भरपूर मिल रहा है। भोजपाल महोत्सव मेला शहरवासियों को जोडने और एक दूसरे से मेल-मिलाप कराने का काम कर रहा है। अध्यक्ष ने बताया कि मेला 5 जनवरी तक चलेगा। इससे शहरवासियों को 5 दिन और घूमने फिरने, खरीदारी व मनोरंजन करने का मौका मिलेगा।

द ग्रेट जैमिनी सर्कस

मेले में चल रहा द ग्रेट जैमिनी सर्कस देखने बड़ी संख्या में परिवार के साथ शहरवासी पहुंच रहे हैं। तीन शो में चल रहे सर्कस में रशियन और अफ्रीकन कलाकार एक से बढ़कर एक हैरत अंगेज करतब दिखा रहे हैं।

इनकी रात- दिन की मेहनत से होता है आयोजन

भोजपाल महोत्सव मेले में भेल जनसेवा समिति के पदाधिकारियों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। महामंत्री हरीश कुमार राम, उपाध्यक्ष वीरेंद्र तिवारी, सुनील साह, महेंद्र नामदेव, ज़ाहिद खान, दीपक बैरागी, देवेंद्र चौकसे, शैलेंद्र सिंह जाट, चन्दन वर्मा, विनय सिंह, अखिलेश नागर, केश कुमार शाह, आफताब सिद्दिकी, मधु भवनानी, दीपक शर्मा, गोपाल शर्मा, सुनील वैष्णव, वाहिद खान, गौरव जैन, सुभाष दरवई, आदि शामिल हैं।

40 साल बाद यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे से आजाद हुई राजधानी

ग्रीन कॉरिडोर बनाकर पीथमपुर भेजा

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

भोपाल की यूनियन कार्बाइड फैक्टरी से 40 साल बाद, वहां फैले खतरनाक कचरे को साफ किया गया है। इस जहरीले कचरे की वजह से हजारों मौतें हो चुकी हैं और अब इसे आठ घंटे में 250 किलोमीटर की यात्रा कर पीथमपुर तक पहुंचाया गया। भोपाल की यूनियन कार्बाइड (यूका) फैक्टरी से 40 साल बाद, वहां फैले खतरनाक कचरे को साफ किया गया है। इस जहरीले कचरे की वजह से हजारों मौतें हो चुकी हैं और अब इसे आठ घंटे में 250 किलोमीटर की यात्रा कर पीथमपुर तक पहुंचाया गया। इस सफर को कोहरे ने और भी चुनौतीपूर्ण बना दिया था।

पुलिस की कड़ी सुरक्षा में कचरा कंटेनरों का सफर: वाहनों की गति 40 से 50 किलोमीटर प्रति घंटा की तय की गई थी ताकि कचरा सुरक्षित रूप से पीथमपुर पहुंचे। रात 2-40 बजे 12 कंटेनर इंदौर बायपास से गुजरते हुए सुबह 5 बजे तक पीथमपुर स्थित आशापुरा गांव की फैक्टरी में पहुंचे। इस पूरी यात्रा के दौरान पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था मुस्तैद रही। कंटेनरों के आगे पुलिस के वाहन रास्ता साफ करते हुए चल रहे थे और पूरे सड़क पर पुलिस जवान तैनात थे।

कंटेनरों की सुरक्षा और स्वास्थ्य प्रोटोकॉल: कचरे से भरे कंटेनरों में कर्मचारी पीपीई किट पहनकर बैठें थे, और इन कंटेनरों में खतरनाक अपशिष्ट का संकेत दिया गया था। तीन दिन की मेहनत के बाद 337 टन कचरे को विशेष बैगों में भरकर इन कंटेनरों में लोड किया गया था। यह कचरा चार किलोमीटर तक के हिस्से में पूरी सुरक्षा के साथ परिवहन किया गया।

12 कंटेनर में पांच अलग-अलग तरह का कचरा: यूका परिसर में बिखरे हुए कचरे को इकट्ठा करने के साथ उस समय परिसर की मिट्टी को भी इकट्ठा किया गया। यूका में बनने वाले कीटनाशक के लिए एक रिएक्टर था। रिएक्टर में बचे केमिकल को भी एकत्रित किया गया है। यूका जिस कीटनाशक का उत्पादन करता था। उसका नाम सीवन था। यह बचा हुआ कीटनाशक भी कचरे में मौजूद है। जिस एमआईसी गैस के प्लांट से रिसाव हुआ था, वह नेफ्थॉल से बनाई जाती थी। परिसर में बड़ी मात्रा में यह नेफ्थाल भी था। कीटनाशक बनाने की प्रक्रिया रुकने के कारण प्रोसेस के बीच में बचा हुआ केमिकल भी कचरे के साथ ले जाया गया है। पीथमपुर के लिए यह रास्ता पकड़ाहर कंटेनर का एक यूनिक नंबर बनाया गया है। ये ट्रक कंटेनर जिस रूट से निकले उसकी सूचना जिला प्रशासन और पुलिस को दी गई।

ट्रैफिक रोकने की जिम्मेदारी: ट्रैफिक रोकने की जिम्मेदारीभोपाल और इंदौर के पुलिस कमिश्नर को सौंपी गई थी। करोंद मंडी होते हुए बेस्ट प्राइज तिराहा, करोंद चौराहा, गांधी नगर, मुबारकपुर, सीहोर नाका होते हुए इंदौर भेजे गए। यह रूट इसलिए चुना गया है, क्योंकि रात के समय इस रूट पर ट्रैफिक का दबाव कम रहता है।

कोहरे का असर और कंटेनर पहुंचने में देरी: बुधवार को देवास से इंदौर तक घना कोहरा छाया, जिससे कंटेनरों की गति 40 किलोमीटर प्रति घंटा रखी गई। कचरे से भरे कंटेनर देर रात एक बजे तक इंदौर पहुंचे। कोहरे के कारण यात्रा में डेढ़ घंटे की देरी हुई, जबकि कंटेनर भोपाल से रात 9 बजे रवाना हुए थे।

50 किमी प्रति घंटे की स्पीड से चले: कचरा ले जाने वाले विशेष कंटेनर लगभग 50 किमी प्रति घंटा की स्पीड तय की गई थी। एक कंटेनर में दो-दो ड्राइवर को रखा गया था। इसके अलावा कंटेनर्स के साथ पुलिस सुरक्षा बल, एम्बुलेंस, फायर ब्रिगेड और क्विक रिस्पांस टीम भी थी।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव शुरु करेंगे जनदर्शन, 4 मिशन भी होंगे शुरु

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव नये साल में छह जनवरी से सीएम हाउस में जनदर्शन की शुरुआत करेंगे। वहीं राज्य सरकार के चारों मिशन युवा, महिला, किसान और गरीब कल्याण पर भी राज्य सरकार इसी महीने से काम शुरु कर देगी। प्रदेश के सभी विधायकों से सरकार तीन प्राथमिताएं पूछ कर उन्हें इसी बजट में स्वीकृति देगी और इनके लिए सरकार बीस करोड़ रुपए तक की राशि देगी। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इसके लिए सभी अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारियों को खुद बात करने के लिए कहा है। मध्यप्रदेश में पूर्व मुख्यमंत्री उमा भारती आम जनता से सीएम हाउस में हर मंगलवार को मिला करती थी। इसके बाद पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने भी आम जनता से मुलाकातों का सिलसिला शुरु किया था। लेकिन कांग्रेस सरकार में कमलनाथ के मुख्यमंत्री बनने के बाद यह सिलसिला थम गया था। अब मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव छह जनवरी से फिर एक बार जनदर्शन की शुरुआत करने जा रहे है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव छह जनवरी को मुख्यमंत्री निवास में आम जनता के साथ मिलेंगे। यहां आने के लिए सभी को अनुमति होगी। आमजन अपनी ऐसी समस्याओं को लेकर यहां आ सकेंगे जो जिला स्तर पर पूरी नहीं हो रही है या जिनकी सुनवाई सरकारी विभागों के अफसर नहीं कर रहे है। मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव जनदर्शन में न केवल आमजनता से मुलाकात कर उनकी समस्याओं के आवेदन लेंगे

बल्कि आर्थिक अभाव में उच्च शिक्षा से वंचित, इलाज नहीं करा पाने वाले बीमारों के परिजन और गंभीर बीमारी से जूझ रहे आम नागरिकों को सीएम स्वेच्छानुदान से मदद के लिए आवेदन भी यहां लिए जाएंगे। इसके लिए सीएम एक समय निर्धारित करेंगे जिसमें वे जनदर्शन करेंगे।

यूपी के सीएम योगी आदित्यनराथ लगाते है जनता दरबार: इस समय उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जनता दरबार लगाते है। यहां आने वाले आम नागरिकों की समस्याओं का निराकरण किया जाता है। इसी तर्ज पर मध्यप्रदेश में भी मुख्यमंत्री आमजनता से मेल मुलाकात का दिन फिक्स करने जा रहे है।

सीएम सचिवालय कर रहा तैयारियां: मुख्यमंत्री सचिवालय सीएम के जनदर्शन के लिए तैयारियां करने लगा है। इसके लिए अधिकारियों की एक विशेष टीम तैनात की जाएगी। सीएम खुद आमजन से उनकी समस्याओं के आवेदन लेंगे। इन आवेदनों को देखने और संबंधित अधिकारियों से इस संबंध में जवाब मांगने और समस्याओं के निराकरण के लिए अधिकारियों की टीम तैनात की जाएगी। एक पोर्टल पर भी इसे डाला जाएगा और जनदर्शन में आने वाले आवेदनों में समस्या के निराकरण होने तक उसकी पूरी मानीटरिंग होगी। यहां आने वाले आवेदन बिना जनसंतुष्टि के क्लोज नहीं हो सकेंगे। समस्या के निराकरण में समस्या के लिए आवेदन देने वाले का मत भी दर्ज किया जाएगा। यदि कोई समस्या तकनीकी कारणों से हल होना मुश्किल हो तो अफसरों को इसके लिए पूरे तथ्यों के साथ ब्यौरा देना होगा। उसके विकल्प भी बताने होंगे। राष्ट्रीय शिक्षा नीति स्कूल में भी लागू की जाएगी। छटवी से ही व्यावसायिक शिक्षा देने के लिए प्रयास किया जाएगा। कृषि पर भी फोकस होगा। इसकी शिक्षा देने के लिए विवि में नये महाविद्यालय शुरु किए जाएंगे। गुना और खरगौन में इसके लिए काम होना है। प्रदेश में दूध उत्पादन बढ़ाकर किसानों को और आर्थिक रुप से मजबूत किया जाएगा।प्रशासनिक इकाई पुनर्गठन आयोग की सिफारिशों पर सीमाओं का युक्तियुक्त करण होगा। नये साल में सभी संभाग, जिला और तहसील मुख्यालयों को परिवहन सेवा से जोड़ने की शुरुआत भी होगी।

विधानसभा में विधायकों की तीन प्राथमिकताएं बजट में होंगी पूरी

प्रदेश के सभी विधानसभा क्षेत्रों में विधायकों की अपनी विधानसभा के लिए क्या तीन प्रमुख प्राथमिकताएं है यह अपर मुख्य सचिव स्तर के अधिकारी विधायकों से पूछेंगे और उन्हें इस साल के बजट में शामिल किया जाएगा।मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सभी अपर मुख्य सचिवों को कहा है कि वे सभी विधायकों से जिलों में बात करें और उनकी तीन प्राथमिकताओं को बजट में शामिल करवाएं। इससे हर विधानसभा में तीन बड़े काम अनिवार्यत: पूरे हो सकेंगे।

चारों मिशन पूरे करने मिशन मोड पर चलेगी सरकार

मुख्यमंत्री की प्राथमिकता में शामिल युवा, महिला, किसान और गरीब कल्याण के लिए शुरु किए जा रहे चारों मिशन पर अब विभाग मिशन मोड पर काम करेंगे। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने इन्प्रूवमेंट किया जाएगा। प्रदेश में पांच सौ करोड़ रुपए युवाओं के लिए खर्च किए जाएंगे। उन्हें उच्च शिक्षा के लिए तीन विवि को सौ सौ करोड़ रुपए और पांच विवि को बीस बीस करोड़ रुपए दिए जाएंगे। युवाओं की ट्रेनिंग का नया मॉडयूल तय कर उस पर काम किया जाएगा।

मुख्यमंत्री करेंगे 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव 31वीं राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का शुभारंभ करेंगे। रवीन्द्र भवन भोपाल में 3 से 6 जनवरी 2025 के बीच 4 दिवसीय राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों में वैज्ञानिक सोच को प्रोत्साहित करना और उन्हें विज्ञान, नवाचार और तकनीकी क्षेत्र में योगदान करने के लिए प्रेरित करना है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि यह आयोजन बच्चों में विज्ञान के प्रति रुचि बढ़ाने और नवाचार के क्षेत्र में नई पीढ़ी को प्रेरित करने का एक महत्वपूर्ण मंच है। मध्यप्रदेश को इस राष्ट्रीय स्तर के आयोजन की मेजबानी करते हुए गर्व हो रहा है। राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस में देश के 700 से अधिक विद्यार्थी, उनके शिक्षक और मेंटर भाग लेंगे। साथ ही बहरीन, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत, ओमान और सऊदी अरब जैसे खाड़ी देशों के छात्र भी शामिल होंगे। इस वर्ष राष्ट्रीय बाल विज्ञान कांग्रेस का मुख्य विषय स्वास्थ्य और कल्याण के लिए पारिस्थितिकी तंत्र को समझना है।

मंत्रालय स्थिति सरदार वल्लभ भाई पटेल पार्क में आज राष्ट्र-गान और राष्ट्र गीत का सामूहिक गायन हुआ। उक्त आयोजन में मध्य प्रदेश शासन के सामाजिक न्याय, निशक्तजन सशक्तिकरण एवं उद्यानिकी तथा खाद्य प्र-संस्करण मंत्री श्री नारायन सिंह कुशवाहा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर प्रशासनिक अधिकारी एवं कर्मचारीगण भी सम्मिलित हुए।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पचमढ़ी में प्राकृतिक रेशमी वस्त्रों की प्रदर्शनी देखी

भोपाल। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने बुधवार को नर्मदापुरम जिले में स्थित पर्यटन केंद्र पचमढ़ी में प्राकृतिक रेशमी वस्त्रों की विस्तृत श्रृंखला प्रदर्शनी प्राकृत- द गिफ्ट ऑफ नेच्यूरल का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने वस्त्रों के निर्माण,विक्रय व्यवस्था आदि की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश में पचमढ़ी न केवल अप्रतिम सुंदरता और पर्यटन के लिए प्रसिद्ध है, बल्कि प्रदेश के वस्त्र शिल्पियों के बनाए कलात्मक वस्त्रों के विक्रय की दृष्टि से भी देशी-विदेशी पर्यटकों के लिए आकर्षण का केंद्र है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अनूठी प्रदर्शनी के लिए एमपी सिल्क फेडरेशन के समस्त टीम सदस्यों को बधाई और शुभकामनाएँ दीं। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पचमढ़ी प्रवास में स्थानीय जनप्रतिनिधियों और नागरिकों से भी भेंट की।

स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को होगा सामूहिक सूर्य-नमस्कार

भोपाल। प्रदेश में स्वामी विवेकानंद के जन्म-दिवस 12 जनवरी को प्रतिवर्ष युवा दिवस के रूप में मनाया जाता है। युवा दिवस के मौके पर विद्यालयों, महाविद्यालयों और शिक्षण संस्थाओं में सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन किया जाता है। सामूहिक सूर्य-नमस्कार के साथ स्वामी विवेकानंद पर केन्द्रित प्रेरणादायी शैक्षिक और सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जाते हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने आयुक्त लोक शिक्षण को सामूहिक सूर्य-नमस्कार और इससे जुड़े कार्यक्रमों में स्वयंसेवी संगठनों और आम लोगों की भागीदारी भी सुनिश्चित करने के लिये कहा है। विभाग द्वारा जारी निर्देशों में कहा गया है कि प्रदेश की समस्त विद्यालयीन संस्थाओं में 12 जनवरी को प्रात- 9 से प्रात- 10-30 बजे तक सामूहिक सूर्य-नमस्कार का आयोजन हो। कार्यक्रम में राष्ट्रीय गीत वंदे-मातरम और मध्यप्रदेश गान का सामूहिक गायन होगा। इसी दौरान मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का रेडियो पर संदेश प्रसारित होगा। सामूहिक सूर्य-नमस्कार समस्त शिक्षण संस्थाओं में एक साथ, एक संकेत पर किया जायेगा। कार्यक्रम के आयोजन के संबंध में जिला कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति का गठन किये जाने के निर्देश दिये गये हैं। शिक्षण संस्थाओं में होने वाले सामूहिक सूर्य-नमस्कार में मंत्रीगण, सांसद, महापौर, अध्यक्ष जिला पंचायत, विधायक, अध्यक्ष नगरपालिका एवं स्थानीय जन-प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में कक्षा-6वीं से 12वीं तक के विद्यार्थी शामिल होंगे। सामूहिक सूर्य-नमस्कार में शामिल विद्यार्थियों को योग और स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने के महत्व के बारे में भी बताया जायेगा।

आयुष्मान भारत योजना अंतर्गत हितग्राहियों के लिए आवश्यक निर्देश

भोपाल। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष्मान भारत योजना डॉ. योगेश भरसट ने आयुष्मान भारत योजना में हितग्राहियों को निशुल्क उपचार प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं और निर्देशों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं और निर्देशों का पालन करके हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत नि:शुल्क उपचार का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकते हैं। हितग्राही अस्पताल पहुँचने के बाद सबसे पहले आयुष्मान योजना के लिए पंजीकृत कियोस्क का पता करें और अपने दस्तावेज़, जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, संबल कार्ड को आयुष्मान मित्र को दिखाएं। पात्रता सत्यापन के दौरान आयुष्मान मित्र आपके आयुष्मान कार्ड और आधार/समग्र आईडी का मिलान करेगा और उपचार के लिए अस्पताल की पात्रता सुनिश्चित करेगा। सत्यापन के बाद, आयुष्मान मित्र आपको नि:शुल्क उपचार की प्रक्रिया समझाएगा और चिकित्सीय परामर्श तथा उपचार की प्रक्रिया शुरू होगी।

उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी उपकरण, दवा या सेवा के लिए अस्पताल द्वारा अतिरिक्त राशि चार्ज की जाती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर इसकी जानकारी देनी चाहिए। उपचार पूरा होने के बाद डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करना सुनिश्चित करें और अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

हितग्राही से अपेक्षा की जाती है कि वे उपचार के बाद फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें और हस्ताक्षर करें। यदि किसी स्तर पर अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है या किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो हितग्राही को तुरंत ह॥ हेल्पलाइन नंबर 14555 या स्॥ मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर शिकायत दर्ज करायें। हितग्राही को चाहिए कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे आयुष्मान कार्ड, पात्रता पर्ची, आधार कार्ड, राशन कार्ड और समग्र आईडी अपने साथ रखें। अस्पताल पहुँचते ही आयुष्मान कियोस्क पर जाएं और आयुष्मान मित्र से अपनी पात्रता की पुष्टि करवाएं। यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल आपकी बीमारी से संबंधित स्पेशलिटी के लिए पैनल में शामिल है। पात्रता की पुष्टि होने के बाद नि:शुल्क उपचार प्रक्रिया को समझें और उसका पालन करें। डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करें और फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें।

एमपी ऑनलाइन से भी कर सकेंगे नए बिजली कनेक्शन का आवेदन

भोपाल। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को नए वर्ष में यह सौगात दी है कि वे अब एम.पी. ऑनलाइन से भी ऑनलाइन आवेदन कर नया बिजली कनेक्शन ले सकेंगे। इसके लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने एम.पी.ऑनलाइन से अनुबंध किया है।

बिजली उपभोक्ताओं को यह सुविधा जनवरी के अंतिम सप्ताह से मिलना शुरू हो जाएगी। मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल एवं निदेषक (वाणिज्य) सुधीर कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) श्रीमती स्वाति सिंह एवं एम.पी.ऑनलाइन के बिजनेस हेड संदीप राजपाल द्वारा कंपनी मुख्यालय में अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया। इसके अनुसार अब एम.पी.ऑनलाइन के माध्यम से भी आवेदन करने पर नया बिजली कनेक्शन मिलने के साथ ही गैर कृषि उपभोक्ताओं का ईकेवाईसी, पीएम-सीएम किसान सम्मान निधि लाभार्थी का सत्यापन तथा पूर्व से विद्यमान कनेक्शन में भार वृद्धि, नाम परिवर्तन इत्यादि की सुविधा भी इसके माध्यम से मिलने लगेगी।

59 औद्योगिक इकाइयों का हुआ भूमिपूजन एवं लोकार्पण

सांध्य प्रकाश संवाददाता ● भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में वर्ष 2024 में मध्यप्रदेश के संतुलित औद्योगिक निवेश का स्वर्णिम अध्याय लिखा गया। इस दौरान प्रदेश के 6 शहरों में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव (आर.आई.सी) आयोजित की गई, जिनमें 259 औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण किया गया। अधिकांश निवेशकों को कॉन्क्लेव के दौरान ही भूमि आवंटित कर दी गई। इन कॉन्क्लेव्स के परिणामस्वरूप प्रदेश में 18 हजार 197 करोड़ रूपये का निवेश आएगा और 32 हजार 905 लोगों को रोजगार मिलेगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा है कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव, प्रदेश के सभी क्षेत्रों में समान औद्योगिक विकास को समर्पित एक ऐतिहासिक नवाचार है। इन आयोजनों के माध्यम से सरकार ने न केवल निवेश आकर्षित किया है, बल्कि औद्योगिक विकास के जरिये सामाजिक और आर्थिक प्रगति का मार्ग भी प्रशस्त किया है। इस वर्ष उज्जैन, जबलपुर, ग्वालियर, सागर, रीवा और नर्मदापुरम में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव आयोजित किए गए। नई औद्योगिक इकाइयों से प्रदेश में रोजगार, विकास और समृद्धि का रास्ता खुलेगा और जीवन स्तर में सुधार आएगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि मध्यप्रदेश का हर शहर और हर गांव विकास यात्रा का मूक-दर्शक नहीं, बल्कि सक्रिय भागीदार बनेगा। इससे आत्मनिर्भर भारत के सपने को साकार करने में प्रदेश की महत्वपूर्ण भागीदारी सुनिश्चित हो सकेगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव से न केवल बड़े शहरों में अपितु कस्बों और गांवों तक औद्योगिक निवेश का लाभ पहुँचेगा। उज्जैन, नर्मदापुरम, जबलपुर, ग्वालियर, रीवा और सागर जैसे क्षेत्रों में हुए निवेश से क्षेत्रीय असंतुलन को कम करने और विकास के विकेंद्रीकरण की दिशा में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। आर.आई.सी. में आए निवेशों से छोटे और मध्यम उद्योगों (स्स्स्थ) को बढ़ावा मिलेगा। कृषि प्रसंस्करण, कपड़ा, खाद्य उद्योग, और नवकरणीय ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में निवेश से न केवल औद्योगिक उत्पादन बढ़ेगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर कारीगरों, किसानों और उद्यमियों को भी सशक्त बनाया जाएगा। औद्योगिक इकाइयों के स्थापित होने से बुनियादी ढांचे का विकास होगा। बिजली, पानी, सड़कों और लॉजिस्टिक नेटवर्क का विस्तार होगा, जो स्थानीय निवासियों और व्यवसायियों के लिए लाभकारी होगा।

उज्जैन आरआईसी में 61 औद्योगिक इकाइयों का भूमि-पूजन एवं लोकार्पण हुआ, इनसे 10 हजार 59 करोड़ रुपये का निवेश आएगा और 16 हजार 968 रोजगार सृजित होंगे।

बुरादा जलाने वाले पर निगम अमले ने गोविंदपुरा थाने में किया 10 हजार का स्पॉट फाईन

भोपाल। नगर निगम द्वारा प्रदूषण फैलाने व वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध कार्यवाही निरंतर की जा रही है। इसी तारतम्य में निगम के अमले ने भेल बरखेड़ा क्षेत्र में लकड़ी का बुरादा सार्वजनिक खुले स्थान पर जलाने वाले के विरूद्ध कार्यवाही करते हुए 10 हजार रूपये की राशि वसूल की साथ ही सीएंडडी वेस्ट, भवन निर्माण सामग्री सड़कों पर फैलाने तथा निर्माणाधीन भवनों पर ग्रीन नेट न लगाकर वायु गुणवत्ता एवं शहर की स्वच्छता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत अन्य 05 प्रकरणों में 02 हजार 300 रूपये स्पॉट फाईन के रूप में वसूल किये। निगम अमले ने कुल 203 प्रकरणों में 42 हजार 550 रुपये की राशि स्पॉट फाईन/जुर्माने के रूप में वसूल की। निगम प्रशासन ने भवन निर्माताओं से अपील की है कि वह भवन निर्माण के समय ग्रीन नेट का पूरी तरह उपयोग करें और शहर के वायु गुणवत्ता में सुधार हेतु सहयोग करें अन्यथा निगम प्रशासन द्वारा निरंतर सख्त कार्यवाही की जायेगी। निगम आयुक्त हरेन्द्र नारायन द्वारा शहर की स्वच्छता एवं वायु गुणवत्ता को प्रभावित करने वालों के विरूद्ध अभियान चलाकर कार्यवाही करने के निर्देशों के परिपालन में निगम के जोन क्रमांक 14 के स्वास्थ्य विभाग के अमले ने वार्ड क्रमांक 56 के अंतर्गत बरखेड़ा भेल क्षेत्र में सार्वजनिक खुले स्थान पर लकड़ी के फर्नीचर का बुरादा डालकर जलाने वाले मनोज विश्वकर्मा के विरूद्ध कार्यवाही की।

स म्पा द की य

रोजमर्रा खर्च के लिए कर्ज

एक तरफ हम देश को दुनिया की पांचवीं अर्थव्यवस्था कहकर गौरवान्वित हो रहे हैं, दूसरी ओर एक बड़ा वर्ग देश में ऐसा भी है, जो रोजमर्रा के खर्च के लिए भी कर्ज लेने के लिए विवश है। यह खुलासा किसी निजी सर्वे कंपनी या संस्था का नहीं, अपितु भारतीय रिजर्व बैंक ने ही किया है। ऐसे में यह मामला बहुत गंभीर हो जाता है। यह बात और है कि हम इस पक्ष को नजरअंदाज कर दें।

रिजर्व बैंक ने खुलासा किया है कि छोटे कर्जदार जहां रोजमर्रा के खर्च चलाने के लिए कर्ज ले रहे हैं, जबकि बड़े उधारकर्ता ऋण लेकर संपत्तियां बना रहे हैं। खासकर मकान के लिए बड़े कर्जदाता उधारी ले रहे हैं। ऐसे लोगों का क्रेडिट स्कोर 720 से ऊपर होता है, जबकि छोटे कर्जदारों का स्कोर 720 से नीचे होता है। बैंक की वित्तीय स्थिरता रिपोर्ट में कहा गया है कि पिछले तीन वर्षों में भारतीय परिवारों के कर्ज में वृद्धि दर्ज की गई है। इसकी प्रमुख वजह कर्ज लेने वालों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी है। जून, 2024 में मौजूदा बाजार मूल्यों पर जीडीपी का 42.9 प्रतिशत कर्ज भारतीय परिवारों पर

था। यह अन्य उभरते देशों की तुलना में काफी कम है।

रिपोर्ट कहती है कि मुख्य रूप से जो व्यक्तिगत कर्ज भारत में लिए जा रहे हैं, वे पर्सनल लोन, क्रेडिट कार्ड, कंज्यूमर ड्यूरेबल, वाहन, दोपहिया, शिक्षा, कृषि और मॉर्गेज लोन हैं। उच्च श्रेणी के उधारकर्ताओं के बीच प्रति व्यक्ति कर्ज में वृद्धि और परिसंपत्ति निर्माण के लिए ऋण का उपयोग वित्तीय स्थिरता बढ़ाने वाला है। यहां खास बात यह है कि अगर आपने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड का बिल नहीं चुकाया, तो आपके होम लोन या कार लोन पर भी मुसीबत आ सकती है। आरबीआई की रिपोर्ट के मुताबिक, अगर आप छोटे कर्ज पर डिफॉल्ट करते हैं, तो बैंक आपके सभी कर्ज को एनपीए मान सकते हैं।

एक तथ्य यह भी है कि सबसे ज्यादा डिफॉल्ट पर्सनल लोन और क्रेडिट कार्ड जैसे बिना गारंटी वाले कर्ज में होते हैं। ऐसे लोग, जिन्होंने इन छोटे कर्जों के साथ घर या गाड़ी के लिए बड़े कर्ज भी लिए हैं, उनके लिए खतरा ज्यादा बढ़ जाता है।

इस बीच वैश्विक स्तर की बात करें तो विश्व स्तर पर सार्वजनिक ऋण 2024 के अंत तक जीडीपी का 93 फीसदी पहुंच जाएगा। यानि 100 लाख करोड़ डॉलर पार कर जाएगा। 30 जून तक चीन का कर्ज उसकी जीडीपी के अनुपात में 140 फीसदी था, जबकि जापान का 120 फीसदी था। उभरते बाजारों और यूरो जोन का कर्ज जीडीपी का 100-100 फीसदी, विकसित देशों का 90 फीसदी, अमेरिका का 85 फीसदी, ब्रिटेन का 70 फीसदी और भारत का 43 फीसदी रहा है।

यह चिंता की बात है कि क्रेडिट कार्ड व पर्सनल लोन लेने वाले करीब आधे उधारकर्ताओं के पास एक या अधिक रिटेल लोन पहले से ही है। इस तरह के कर्ज अक्सर ज्यादा रकम वाले होते हैं, जो हाउसिंग या वाहन या दोनों होते हैं। इन बड़े और सुरक्षित ऋणों की तुलना में छोटे पर्सनल लोन में एनपीए का ज्यादा खतरा होता है। सबसे ज्यादा डिफॉल्ट अधिकतर असुरक्षित लोन में होता है। चूक का जोखिम उन उधारकर्ताओं में ज्यादा है, जिन्होंने पर्सनल लोन या क्रेडिट कार्ड बकाया के अलावा अन्य खुदरा ऋण लिया है।

आरबीआई ने किसी भी तरह के जोखिम से निपटने के लिए हाल में असुरक्षित ऋण जैसे कुछ खुदरा कर्जों पर बैंकों और एनबीएफसी के लिए उच्च जोखिम भार लगाया है। कर्ज का लगभग दो तिहाई हिस्सा बेहतर क्रेडिट क्वालिटी वाला है। 50,000 रुपये से कम पर्सनल लोन लेने वाले 11 फीसदी उधारकर्ताओं में से 60 प्रतिशत से अधिक ने 2024-25 में तीन से अधिक बार कर्ज लिया है।

यह रिपोर्ट साफ तौर पर यह संकेत देती है कि भारतीय बाजारों में भले ही रौनक दिखाई दे रही है, लेकिन यह रौनक कहीं न कहीं खोखली है। जिस देश में लोग दो जून की रोटी के लिए कर्ज ले रहे हों, वहां हम कैसे कह सकते हैं कि विकसित अर्थव्यवस्था है। या उस तरफ हम जा रहे हैं। विकसित का मतलब क्या कर्ज में डूबे लोग और कर्ज में डूबी राज्य सरकारों से होता है? क्या घर के खर्च के लिए कर्ज लेने की स्थिति को हम सामान्य कह सकते हैं? ऐसे बहुत सारे सवाल हैं।

और सबसे बड़ा सवाल यह है कि छोटे कर्जदारों की सिबिल बहुत कम कर्ज में ही खराब हो जाती है, लेकिन बड़े कर्जदारों के लिए सीमा करोड़ों तक पहुंच जाती है। जबकि छोटे कर्ज तो पटा दिये जाते हैं, बड़े कर्जदार खुद को दिवालिया तक घोषित करके बच निकलते हैं। ऐसे घोटाले भी बहुत हो रहे हैं। लेकिन छोटे कर्जदारों को बैंक कर्ज नहीं देतीं। और जब औसत आय निकाली जाती है तो इन छोटे कर्जदारों की आय भी लाखों में दिखती है।

एक तरफ हजारों में सिमटे लोग और बढ़ते करोड़पतियों की आय को मिलाकर जब औसत आय निकाली जाती है, तो यह बड़ा आंकड़ा आ जाता है। इस आधार पर हम दुनिया के सामने गर्व से कह देते हैं कि पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था है। इसका दूसरा पक्ष आखिर कब देखा जाएगा? कहीं हम एक बार फिर से अर्थ आधारित वर्ग संघर्ष की स्थिति की तरफ तो नहीं जा रहे?

नई लकीर खींचने की कोशिश में जुटे मोहन यादव

उमेश चतुर्वेदी

मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे।

विधानसभा चुनाव में अभूतपूर्व जीत के बाद मध्य प्रदेश में बीजेपी ने तकरीबन अपरिचित चेहरे को राज्य की कमान सौंपने का फैसला लिया, तो राजनीतिक हलकों में हैरत जताई गई थी। उन्हीं मोहन यादव ने बतौर मुख्यमंत्री सालभर की यात्रा पूरी कर ली है। मंत्री के तौर पर मोहन यादव मध्य प्रदेश शासन का हिस्से रहे, लेकिन मुख्यमंत्री बनने के बाद उन्हें समझ आया कि एक या दो विभाग संभालना अलग बात है और पूरे राज्य की कमान के साथ राजनीतिक संतुलन बनाए रखना कठिन चुनौती है। लेकिन मोहन यादव ने इस चुनौती को ना सिर्फ संभाल लिया है, बल्कि नवाचार के साथ शासन और प्रशासन को बखूबी संभाल रहे हैं। शासन की पहली वर्षगांठ के अवसर पर विशेष भेंट में मोहन यादव ने अपनी चुनौतियों के साथ ही अपने सपनों को जिस सहज अंदाज में साझा किया, वह उनकी राजनीति और चरित्र को समझने का सूत्र है।

बड़ा राजनीतिक दल हो या संभ्रांत परिवार, हर नए नेतृत्व के सामने अक्सर अतीत और पूर्वज से तुलना का सवाल उठ खड़ा होता है। अगर अतीत का नेतृत्व विराट रहा हो तो नए नेतृत्व के हर कदम को पुराने की कसौटी पर कसा जाना स्वाभाविक है। मोहन यादव को बखूबी पता है। वे खुद भी स्वीकार करते हैं कि उनके मुख्यमंत्री बनने से पहले करीब साढ़े अठारह साल तक राज्य में बीजेपी की सत्ता रही। उसकी कमान जिन हाथों में रही, वे प्रभावशाली रहे। मोहन यादव स्वीकार करते हैं कि उनके नेताओं ने जो वायदे किए, जिस जैसा शासन चलाया, उन्हें पूरा करना और उस परिपाटी को बरकरार रखना उनका पाथेय है। मोहन यादव को पता है कि उन्हें अपनी भी एक नई लकीर खींचनी होगी। वे खुलकर इसे स्वीकार नहीं करते, बल्कि खुद को विनम्र कार्यकर्ता बताते हैं। मध्य प्रदेश को लेकर उनके भी अपने कुछ सपने हैं। सपना यह कि समृद्ध और वैविध्यपूर्ण प्राकृतिक संपदा वाला उनका राज्य समृद्ध बने, आर्थिक रूप से समृद्ध हो, कृषि विकास की मौजूदा दर बनी रहे और किसान लगातार समृद्ध होते रहें।

सांस्कृतिक रूप से संपन्न राज्य की भारत ही नहीं, वैश्विक मानचित्र पर गहन पहचान भी बने। इन सपनों को हकीकत बनाने के लिए वे अहर्निश

जुटे हैं। उनका कहना है कि सोते-जागते हर वक्त उन्हें एक ही चिंता रहती है, यह कि मध्य प्रदेश समृद्ध हो, संपन्न हो और अपनी सांस्कृतिक धरोहरों के साथ आगे बढ़ता रहे।

मोहन यादव महाकाल की नगरी उज्जैन के निवासी है। उज्जैन में ही भगवान कृष्ण ने संदीपनी ऋषि के आश्रम में शिक्षा ली थी। मोहन यादव कहते हैं कि कंस-वध के बाद कान्हा जी चाहते तो खुद सिंहासन पर बैठ सकते थे। लेकिन उन्होंने कुर्सी की बजाय शिक्षा को चुना और उज्जैन चले आए। जहां सुदामा से उनकी ऐसी मित्रता हुई, जिससे दुनिया आज भी सीख लेती है। मोहन यादव ने कान्हा की याद में 'श्रीकृष्ण पाथेय' परियोजना की कल्पना की है। मोहन यादव कहते हैं कि कंस वध के बाद मथुरा से चलकर कृष्ण उज्जैन आए। यहां उन्होंने शिक्षा ली। 'श्रीकृष्ण पाथेय' के तहत उज्जैन को मथुरा से जोड़ने की योजना है। इस पथ पर तीन राज्य हैं। कृष्ण उत्तर प्रदेश के मथुरा से राजस्थान होते हुए मध्य प्रदेश के उज्जैन पहुंचे थे। श्रीकृष्ण पाथेय करीब साढ़े छह सौ किलोमीटर का होगा। इस पाथेय के लिए राजस्थान के मुख्यमंत्री भजनलाल से मोहन यादव की बात हो चुकी है। यह संयोग ही है कि भजनलाल और मोहन यादव ने तकरीबन साथ-साथ अपने-अपने राज्यों में कमान संभाली थी। मोहन यादव की योजना है कि इस पाथेय को गुजरात के द्वारका तक बढ़ाया जाए। इस सिलसिले में गुजरात सरकार से भी मध्य प्रदेश की बातचीत चल रही है। श्रीकृष्ण पाथेय सही मायने में सांस्कृतिक पथ होगा। मोहन यादव कहते हैं कि लोकजागरण भी उनकी जिम्मेदारी है। इस पाथेय के जरिए दुनिया को दो संदेश देने की कोशिश होगी, पहला शिक्षा का संदेश और दूसरा अमीर-गरीब की मित्रता का संदेश। समाज को जोड़ने में शिक्षा और मित्रता का योगदान अनमोल है। इस पाथेय पर श्रीकृष्ण जहां-जहां रूके, उन-उन जगहों, तीर्थों को विकसित करने और पाथेय पर हस्तशिल्प कलस्टर को बनाने की तैयारी है। इससे जहां पर्यटन बढ़ेगा, बल्कि लोगों को रोजगार भी मिलेगा।

मध्य प्रदेश सरकार साल 2024 में लाड़ली बहना योजना पर 9 हजार 455 करोड़ रूपये से अधिक की राशि खर्च की है। जिसका फायदा राज्य की एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मिला है। बेशक ऐसी योजनाएं सरकारों के लिए फायदेमंद साबित हुई हैं, लेकिन एक वर्ग के निशाने पर भी ये योजनाएं हैं। मोहन यादव को भी पता है कि ऐसी कल्याणकारी योजनाओं को लंबे समय तक चलाना तभी संभव होगा, जब राज्य की आर्थिक सेहत अच्छी हो। इसलिए राज्य में इन्वेस्टर समिट किए जा गए। राज्य स्तर पर सातवां निवेशक सम्मेलन फरवरी 2025 में होना है। ये सम्मेलन संभागीय स्तर पर भी आयोजित किए जाते रहे। इन सम्मेलनों से अब तक राज्य को चार लाख करोड़ का निवेश प्रस्ताव मिल चुका है। जिसे और बढ़ाने की तैयारी है।

पर्यावरण संकट झेल रही दुनिया में भारत के कई राज्यों पर कार्बन रेटिंग ठीक करने का दबाव है। लेकिन उनके पास जंगल लायक जमीन नहीं है। मोहन यादव उन राज्यों के लिए कैप्टिव योजना लाने जा रहे हैं। जिसे कान्हा वन, वृंदावन योजना नाम दिया गया है। इसके तहत कार्बन रेटिंग ठीक करने की चाहत रखने वाला राज्य मध्य प्रदेश में लीज पर जमीन ले सकता है और यहां जंगल लगा सकता है। मुख्यमंत्री का कहना है कि इससे जहां दूसरे राज्यों की कार्बन रेटिंग सुधरेगी, वहीं मध्य प्रदेश का वन क्षेत्र बढ़ेगा। जिससे मध्य प्रदेश का पर्यावरण भी बेहतर होगा।

कृषि विकास दर के लिहाज से मध्य प्रदेश देश में पहले स्थान पर है। मोहन यादव ऐसी योजनाएं ला रहे हैं, जिससे किसानों की आय और बढ़े और राज्य की आर्थिक सेहत भी दुरूस्त हो। इस लिहाज से दुग्ध उत्पादन और बागवानी पर जोर दिया जा रहा है। देश के दुग्ध उत्पादन में मध्य प्रदेश की हिस्सेदारी नौ प्रतिशत है, योजना है कि इसे बढ़ाकर बीस प्रतिशत किया जाए। किसी भी राज्य के कृषि विकास में उस राज्य के कृषि विश्वविद्यालयों में हो रही पढ़ाई और शोध का बहुत योगदान होता है। मोहन यादव इसे समझते हैं, इसीलिए राज्य के सभी 16 विश्वविद्यालयों में कृषि विभाग शुरू किए गए हैं। राज्य में कपास का उत्पादन भी खूब होता है। मोहन यादव सरकार चाहती है कि मध्य प्रदेश की कपास से राज्य में ही कपड़े का उत्पादन हो, इसके लिए योजना लाई गई है। मध्य प्रदेश की कपड़ा मिलों में महिलाओं को नौकरी मिले, इसके लिए प्रति महिला पांच हजार रूपए महीने उत्पादक को सब्सिडी देने की तैयारी है। इसी तरह राज्य के प्रमुख शहरों, भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर और रीवां समेत सात जगहों पर आईटी पार्क स्थापित करने की तैयारी है। युवाओं को रोजगार योग्य बनाने के लिए राज्य में 55 पीएम एक्सीलेंस कॉलेज खोले जा रहे हैं।

शासन में फिजूलखर्ची रोकने की योजना भी बनाई गई है। इसके तहत स्वास्थ्य और चिकित्सा शिक्षा जैसे अलग विभागों को एकीकृत कर दिया गया है। राज्य के प्रशासन में जहां भी जरूरी होगा, उन्हें संतुलित करने, विभागों को एक साथ लाने की योजना पर काम चल रहा है। राज्य सरकार थानों का परिसीमन सफलतापूर्वक कर चुकी है, इसी तर्ज पर प्रशासनिक परिसीमन की भी तैयारी है। इसी तरह अफसर-कर्मचारी अनुपात को भी तर्कसंगत करने की तैयारी है। मोहन यादव कहते हैं कि सरकारी तंत्र पर खर्च होने वाला हर पैसा नागरिक का होता है और उसका दुरूपयोग नहीं होने दिया जाएगा। मोहन यादव सरकार एक और अनूठी योजना लेकर आई है। मध्य प्रदेश पहला राज्य बन गया है, जहां सरकारी स्तर पर एयर एंबुलेंस सेवा शुरू की गई है। आयुष्मान योजना के तहत आने वाले रोगियों को यह सुविधा जहां मुफ्त मिलेगी, वहीं सक्षम लोगों से इसके लिए फीस ली जाएगी। निजी और सरकारी सहयोग के आधार पर अस्पताल शुरू किए जा रहे हैं। बड़ी-बड़ी गोशालाएं बनाई जा रही हैं, जिन्हें नगर महापालिकाओं और नगर निगमों को दी गई है। केन - बेतवा नदी जोड़ परियोजना की शुरूआत प्रधानमंत्री मोदी के हाथों हो चुकी है।

मोहन यादव आज बीजेपी के नए नेतृत्व का चेहरा हैं। हालांकि खुद को वे पार्टी का विनम्र कार्यकर्ता ही बता रहे हैं। पार्टी का यह विनम्र कार्यकर्ता अपने ढंग से अपनी नई लकीर खींचने की कोशिश में जुट रहा है। लेकिन यह कोशिश तभी कामयाब मानी जाएगी, जब देश-दुनिया के नक्शे पर मध्य प्रदेश नई पहचान के साथ उभर पाएगा।

लोकतंत्र की विश्वसनीयता और सरकारी कदम

राकेश दुबे

ज़्यादा दिन नहीं गुजरे हैं,केंद्र सरकार ने चुनाव नियमों में बदलाव करते हुए सीसीटीवी कैमरा,वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे कतिपय इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों के सार्वजनिक निरीक्षण पर रोक लगा दी है। केंद्र सरकार का कहना है कि चुनाव आयोग की सिफारिश पर यह कदम उठाया गया।

चुनाव संचालन नियम 1961 के नियम 93 में यह संशोधन किया गया। दलील दी गई कि इलेक्ट्रानिक दस्तावेजों का दुरुपयोग रोकने के लिये यह कार्रवाई की गई। उल्लेखनीय है कि हरियाणा विधानसभा चुनाव संबंधी रिकॉर्ड को सार्वजनिक करने के लिये वकील महमूद प्राचा ने पंजाब व हरियाणा हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। जिसके बाद हाईकोर्ट ने चुनाव आयोग को हरियाणा विधानसभा चुनाव से संबंधित आवश्यक दस्तावेजों की प्रतियां याचिकाकर्ता को उपलब्ध कराने को कहा था।

दरअसल, प्राचा ने हरियाणा विधानसभा चुनाव के दौरान चुनाव संचालन से संबधित वीडियोग्राफी, सीसीटीवी कैमरा फुटेज और फॉर्म 17-सी की प्रतियों की मांग याचिका के जरिये की थी। हालांकि, चुनाव एजेंट की नियुक्ति, नामांकन फार्म, परिणाम व चुनाव खाता विवरण जैसे दस्तावेजों का उल्लेख चुनाव संचालन नियमों में किया गया है। मगर दूसरी ओर आदर्श आचार संहिता अवधि के दौरान सीसीटीवी कैमरा फुटेज, वेबकास्टिंग फुटेज और उम्मीदवारों की वीडियो रिकॉर्डिंग जैसे इलेक्ट्रानिक दस्तावेज इसके दायरे में नहीं आते। सरकार के द्वारा हालिया संशोधन इस बात की पुष्टि करता है कि केवल नियमों में उल्लेखित कागजात ही सार्वजनिक निरीक्षण के लिये उपलब्ध हो सकेंगे। वहीं दूसरी ओर कांग्रेस ने चुनाव आयोग पर पारदर्शिता की अवहेलना का आरोप लगाया है। साथ ही सरकार के फैसले को चुनौती देने की बात कही है।

इधर, चुनाव आयोग के अधिकारियों का कहना है कि मतदान केंद्रों के अंदर सीसीटीवी कैमरे की फुटेज के दुरुपयोग से मतदान की गोपनीयता प्रभावित हो सकती है। दलील दी गई है कि इस फुटेज का इस्तेमाल एआई का उपयोग करके फर्जी विमर्श गढ़ने के लिये किया जा सकता है। लेकिन सवाल यह है कि लोकतांत्रिक शुचिता के लिये पारदर्शिता को क्यों नजरअंदाज किया जाना चाहिए। दुनिया के सबसे बड़े लोकतंत्र की जीवंतता इसी बात में है कि नागरिकों के सूचना अधिकार का अतिक्रमण किसी भी तरह से न हो सके। निस्संदेह, इस चिंता से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता के जरिये तथ्यों से खिलवाड़ संभव है।

बहुत संभव है अपनी सुविधा के लिये कतिपय राजनीतिक दल नये विमर्श गढ़ सकें। इसके बावजूद आम नागरिकों को उस चुनावी प्रक्रिया को जानने का हक है जिसके जरिये सरकार बनती है। निस्संदेह, किसी भी लोकतंत्र की विश्वसनीयता उसकी पारदर्शी चुनावी प्रक्रिया पर निर्भर करती है। कतिपय सुरक्षा चिंताओं के नाम पर पारदर्शिता का अतिक्रमण नहीं किया जा सकता। वहीं दूसरी ओर विपक्ष की मांगों को भी नजरअंदाज नहीं किया जाना चाहिए। सजग-सतर्क विपक्ष लोकतंत्र की सफलता के लिये अनिवार्य शर्त भी है। ऐसे में एआई के खतरे के नाम पर हर सूचना के अधिकार पर पहरा नहीं बैठाया जा सकता। वहीं ऐसे निर्णयों में विपक्ष की भागीदारी जरूरी है ताकि सत्तारूढ़ दल पर निरंकुश व्यवहार का आरोप न लग सके।

भारत में तेज गति से बढ़ती बिलिनेयर की संख्या

प्रह्लाद सबनानी

विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं।

भारत में आर्थिक प्रगति की दर लगातार तेज होती दिखाई दे रही है। भारत के सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर भी अन्य देशों की तुलना में द्रुत गति से आगे बढ़ रही है। भारत आज विश्व की सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गया है एवं भारतीय अर्थव्यवस्था आज विश्व की पांचवीं अर्थव्यवस्था है तथा शीघ्र ही विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है। भारत का वैश्विक व्यापार भी द्रुत गति से आगे बढ़ रहा है। कुल मिलाकर, भारत आज अर्थ के क्षेत्र में पूरे विश्व में एक चमकते सितारे के रूप उभर रहा है। लगातार तेज तो रही आर्थिक प्रगति का प्रभाव अब भारत में नागरिकों की औसत आय में हो रही वृद्धि के रूप में भी दिखाई देने लगा है।

हाल ही में अमेरिका में जारी की गई यूबीएस बिल्यनेर ऐम्बिशन रिपोर्ट के अनुसार भारत में बिलिनेयर (अतिधनाडयों) की संख्या 185 तक पहुंच गई है और भारत विश्व में बिलिनेयर की संख्या की दृष्टि से तृतीय स्थान पर आ गया है। प्रथम स्थान पर अमेरिका है, जहां बिलिनेयर की संख्या 835 हैं एवं द्वितीय स्थान पर चीन है जहां बिलिनेयर की संख्या 427 है। इस वर्ष भारत और अमेरिका में जहां बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि हुई है वहीं चीन में बिलिनेयर की संख्या में कमी आई है। अमेरिका में इस वर्ष बिलिनेयर की सूची में 84 नए बिलिनेयर जुड़े हैं एवं भारत में 32 नए बिलिनेयर (21 प्रतिशत की वृद्धि के साथ) जुड़े हैं तो वहीं चीन में 93 बिलिनेयर कम हुए हैं। पूरे विश्व में आज बिलिनेयर की कुल संख्या 2682 तक पहुंच गई है जबकि वर्ष 2015 में पूरे विश्व में 1757 बिलिनेयर थे। भारत में वर्ष 2015 की तुलना में बिलिनेयर की संख्या में 123 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। बिलिनेयर अर्थात वह नागरिक जिसकी सम्पत्ति 100 करोड़ अमेरिकी डॉलर से अधिक हो गई है अर्थात भारतीय रुपए में लगभग 8,400 करोड़ रुपए की राशि से अधिक की सम्पत्ति।

पिछले एक वर्ष के दौरान भारत में उक्त वर्णित बिलिनेयर की सम्पत्ति 42 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 9,560 करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई हैं। जबकि अमेरिका में बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में 4 लाख 60 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से बढ़कर वर्ष 2024 में 5 लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। चीन में तो बिलिनेयर की सम्पत्ति वर्ष 2023 में एक लाख 80 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर से घटकर वर्ष 2024 में एक लाख 40 हजार करोड़ अमेरिकी डॉलर की हो गई है। पूरे विश्व में बिलिनेयर की सम्पत्ति बढ़कर 14 लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर के स्तर पर पहुंच गई है। उक्त प्रतिवेदन में यह सम्भावना भी व्यक्त की गई है कि आगे आने वाले 10 वर्षों में भारत में बिलिनेयर की संख्या में और तेज गति से वृद्धि होगी। भारत में 108 से अधिक पारिवारिक व्यवसाय में संलग्न परिवार भी हैं जो अपने व्यवसाय को भारतीय पारिवारिक परम्परा के अनुसार आगे बढ़ा रहे हैं और भारत में बिलिनेयर की संख्या में वृद्धि एवं भारतीय अर्थव्यवस्था में अपना योगदान दे रहे हैं।

भारतीय बिलिनेयर की संख्या केवल भारत में ही नहीं बढ़ रही है बल्कि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय भी बिलिनेयर की श्रेणी में शामिल हो रहे हैं एवं वे अपनी आय के कुछ हिस्से को भारत में भेजकर यहां निवेश कर रहे हैं और इस प्रकार अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीय मूल के नागरिक भी भारत के आर्थिक विकास में अपना योगदान दे रहे हैं। विशेष रूप से भारत के विदेशी मुद्रा भंडार को द्रुत गति से बढ़ाने में भारतीय मूल के इन नागरिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहता आया है। इस समय भारतीय मूल के एक करोड़ 80 लाख से अधिक नागरिक विभिन्न देशों में कार्य कर रहे हैं एवं प्रतिवर्ष वे अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा भारत में जमा के रूप से भेजते हैं। हाल ही में वर्ल्ड बैंक द्वारा जारी किए गए एक प्रतिवेदन में यह बताया गया है कि वर्ष 2024 में 12,900 करोड़ अमेरिकी डॉलर की भारी भरकम राशि अन्य देशों में रह रहे भारतीयों द्वारा भारत में भेजी गई है। भारत पिछले कई वर्षों से इस दृष्टि पूरे विश्व में प्रथम स्थान पर कायम है। वर्ष 2021 में 10,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2022 में 11,100 करोड़ अमेरिकी डॉलर, वर्ष 2023 में 12,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई थी। प्रतिवर्ष भारत में भेजी जाने वाली राशि की तुलना यदि अन्य देशों में भेजी जा रही राशि से करें तो ध्यान में आता है कि वर्ष 2024 में मेक्सिको में 6,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई थी, जिसे पूरे विश्व में इस दृष्टि से द्वितीय स्थान प्राप्त हुआ है। मेक्सिको में भेजी गई राशि भारत में भेजी गई राशि की तुलना में लगभग आधी है। चीन को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ है एवं चीन में 4,800 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भेजी गई है, फ़िलिपीन में 4,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं पाकिस्तान में 3,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि अन्य देशों में रह रहे इन देशों के नागरिकों द्वारा भेजी गई है।

भारत में भारतीय नागरिकों द्वारा अन्य देशों से भेजी जा रही राशि में उत्तरी अमेरिका, यूरोप, खाड़ी के देशों एवं एशिया के कुछ देशों यथा मलेशिया एवं सिंगापुर का प्रमुख योगदान है। जैसा कि विदित ही है कि प्रतिवर्ष भारत से लाखों युवा उच्च शिक्षा प्राप्त करने की दृष्टि से विकसित देशों की ओर जाते हैं। उच्च एवं तकनीकी शिक्षा प्राप्त करने के उपरांत भारतीय युवा इन देशों में ही रोजगार प्राप्त कर लेते हैं एवं अपनी बचत की राशि का बड़ा भाग भारत में भेज देते हैं। आज तक भारतीय मूल के इन नागरिकों द्वारा एक लाख करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि भारत में भेजी गई है। भारत के लिए विदेशी मुद्रा भंडार के संग्रहण में यह राशि बहुत बड़ी भूमिका निभा रही है। वर्ष 2024 में पूरे विश्व में 68,500 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि विभिन्न देशों के नागरिकों द्वारा अपने अपने देशों को भेजी गई है। यह राशि वर्ष 2023 में भेजी गई राशि से 5.8 प्रतिशत अधिक है। पूरे विश्व में विभिन्न देशों में निवास कर रहे नागरिकों द्वारा भेजी गई उक्त राशि में से 20 प्रतिशत से अधिक की राशि अन्य देशों में निवास कर रहे भारतीयों द्वारा ही अकेले भारत में भेजी गई है। इस प्रकार, भारतीय मूल के नागरिकों की सम्पत्ति न केवल भारत में बल्कि अन्य देशों में भी बहुत तेजी के साथ बढ़ रही है।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक भरत पटेल द्वारा इंडिपेंडेंट प्रेस 11, प्रेस काम्प्लेक्स, एमपी नगर, जोन-1, भोपाल से मुद्रित तथा 226, एमपी नगर जोन-2, भोपाल से प्रकाशित। संपादक — भरत पटेल, प्रबंध सलाहकार — भारती पटेल, संपादकीय सलाहकार — विष्णु कौशिक, सलाहकार संपादक - स्मिता पटेल, स्थानीय संपादक —संजय सक्सेना,
प्रकाशन से संबंधित समस्त समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। समस्त न्यायिक कार्यवाहियों के लिए क्षेत्राधिकार भोपाल न्यायालय का रहेगा। रजि. नं. भोपाल डिवी. 48 म.प्र.। ई-मेल : dspbpl67@gmail.com, वेबसाईट: dainiksandhyaprakash.in

गुरु गोविंदसिंह के प्रकाश पर्व की नगर प्रभात फेरी का किया गया भव्य स्वागत

ओबेदुल्लागंज (संवाददाता) गुरु गोबिंदसिंह साहिब जी के प्रकाश पर्व के पूर्व 25 दिसंबर से वार्ड नं 10 के संत संतोखसिंह भजनगढ गुरुद्वारा से प्रतिदिन नगर मे सुबह 5 बजे प्रभात फेरी रेली निकाली जा रही है,जिसका नगर में कई जगह पुष्पाहारों से स्वागत किया जा रहा है, वार्ड नं 11 मे ओवरवृज के पास निवासी बजरंग तंवर ने नव वर्ष 2025 के शुभ अवसर पर नगर प्रभात फेरी का भव्य स्वागत किया गया, जिसमे अन गिनित लोगो ने आकर भजन कीर्तन का लाभ लिया हर साल की तरह इस साल भी भारी ठंड होने के बाद भी भगत लोगो ने पूरी श्रधा के साथ एक होकर पुष्पवर्षा की ओर आगे सबका मनोबल बढ़या इस अवसर पर कई गणमान्य जन उपस्थित थे,, यहां बता दे बरिष्ठ कथाकार जगजीत सिंह (जीते भैया) ने बताया कि बजरंग तंवर नगर प्रभात फेरी का बिगत 15 वर्षो से स्वागत सत्कार करते आ रहें है,इस अवसर पर भजन कीर्तन नगर प्रभात फेरी रेली का स्वागत करने बालो मे मुख्य रूप शामिल थे पार्षद सुनील सेरिया, राजेंद्र साहू (गुडू भैया),पत्रकार सुरेश केवट, हरनामसिंह ठाकुर(मुन्ना भैया), रमेश वसवानी,, सुरजीतसिंह बिल्ले, पामेश यादव,, कवीर आश्रम से कैलाश साहिब, पुष्पा यादव, देवेन्द्र तंवर,,सुहानी, प्राची, हैप्प्प,, संजू श्यामा, रंजना तंवर,डब्बू ,ललित मालवीय,कोमल साहू,सुनील शर्मा,जगदीश लोधी,अंगद पिंटू, उमेश साहू,आदि शामिल थे !

सांसद फग्गन सिंह कुलस्ते की विकास निधि से छोटा रपटा पुल का हुआ कायाकल्प

मंडला–-मंडला सांसद श्री फग्गन सिंह कुलस्ते द्वारा जारी की गई सांसद विकास निधि से नर्मदा नदी पर स्थित पुराने छोटा रपटा पुल का कायाकल्प किया गया।मीडिया प्रभारी सुधीर कसार ने बताया कि रपटा पुल में पाथवे निर्माण हेतु वित्तीय वर्ष 2024=25 की सांसद विकास निधि से राशि अनुशंसित कर जिला कलेक्टर को पत्र प्रेषित किया गया ,जनहितैषी इस कार्य को कलेक्टर श्री मिश्रा ने तत्काल प्रभाव से गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य को संबंधित एजेंसी से कराया,इस कार्य की स्थानीय नागरिको ने प्रशंसा की है।गौरतलब है कि छोटे पुल में बड़े-बड़े गड्ढे हो गए थे जिसमें पैदल यात्रियों को आवागमन में काफी कठिनाई होती थी,मुख्य रूप से यहां इवनिंग व मॉर्निंग वॉक के लिए बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक, महिलाएं युवा सबसे ज्यादा आते हैं साथ ही इस पुल से स्कूली छात्र,मजदूर,तीर्थ यात्रियों का पैदल आवागमन बना रहता है।इन दिनों नर्मदा की पंच चौकी आरती में शामिल होने महाराजपुर से बड़ी संख्या में नागरिक इसी पुल से पैदल आना-जाना कर रहे हैं।छोटे रपटा एवं बड़े पुल में रंग-रोगन भी किया जा रहा है जिसके कारण नर्मदा तट की सुंदरता और अधिक बढ़ गई है।

मप्र शिक्षक संघ द्वारा नवनियुक्त एसी का आत्मिक स्वागत किया

मण्डला--राज्य शासन के आदेश द्वारा श्रीमती वंदना गुप्ता प्राचार्य शासकीय उच्चतर मध्यमिक विद्यालय नारायणगंज को प्रथम श्रेणी प्रचार्य के उच्च पद प्रभार पर पदोन्नत कर सहायक आयुक्त के पद पर जनजाति कार्य विभाग मंडला मे कार्य करने हेतू अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है,उक्त आदेश के परिपालन में श्रीमती गुप्ता ने आज मंडला आकर सहायक आयुक्त के पद पर अपनी उपस्थिति प्रदान की इस अवसर पर मध्य प्रदेश शिक्षक संघ मंडला के प्रतिनिधि मंडल जिसमें अध्यक्ष विवेक शुक्ला वरिष्ठ उपाध्यक्ष अखिलेश चंद्रोल,उपाध्यक्ष राजकुमार सिंगोर,सचिव योगेश चौरासिया, उपिध्यक्ष शैल दुबे,अनिल मरकाम,मदन कछवाहा इत्यादियों ने पुष्प बुके भेंट कर नवागंतुक सहायक आयुक्त को नूतन वर्ष की शुभकामनाएं देते हुए आत्मिक रूप से जोरदार स्वागत किया एवं उनके उज्जवल कार्यकाल की शुभकामनाएं दी गई।साथ ही शिक्षा के क्षेत्र में आने वाली चुनौतियों के संबंध में विस्तार से चर्चा किया इस पर मैडम के द्वारा समन्वय बनाकर कार्य करने की बात कही गई अंत में श्रीमती गुप्ता के द्वारा शिक्षक संघ के साथियों का आभार व्यक्त किया गया।

अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण करने पर 4 लाख से अधिक राशि की पेनाल्टी अधिरोपित की

छतरपुर। कलेक्टर छतरपुर पार्थ जैसवाल ने 11 अनावेदकों के खिलाफ अवैध रूप से उत्खनन, परिवहन व भंडारण करने पर खनिज विभाग में दर्ज प्रकरणों में प्रतिवेदन के आधार पर 30 दिसंबर 2024 को कुल 4 लाख 34 हजार 485 रुपए राशि की पेनाल्टी अधिरोपित कर सम्बन्धित को पेनाल्टी राशि जमा कराने के आदेश दिए गए। जिला खनिज अधिकारी अमित मिश्रा ने बताया कि खनिज उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन करते हुए पाए जाने पर सहा. खनि अधिकारी द्वारा सभी अनावेदक के वाहन ट्रैक्टर द्वारा अवैध उत्खनन, परिवहन व भंडारण परिवहन करते पाए जाने पर वाहन जब्त कर मध्यप्रदेश खनिज (अवैध खनन, परिवहन, तथा भण्डारण का निवारण) नियम 2022 के नियम 18 (2) के उप-नियम (1) के प्रावधानों के अंतर्गत निराकरण के लिए प्रतिवेदन प्राप्त हुआ था। उक्त सम्बंधित पर प्रकरण दर्ज कर संबंधित को कारण बताओ नोटिस जारी किए गए थे। जिसके जवाब अनावेदक वाहन चालकों ने उपस्थित होकर दिए और बगैर ईटीपी खनिज उत्खनन, परिवहन व भंडारण के अपराध को स्वीकार किया। उपरोक्त प्रकरणों में कलेक्टर श्री जैसवाल द्वारा संबंधित के विरुद्ध पेनाल्टी राशि अधिरोपित कर अनावेदक वाहन चालकों द्वारा अर्थशास्ति व प्रशनन की राशि का भुगतान कर देने के उपरांत प्रकरण का प्रशमन कर वाहन मुक्त करने का खनिज विभाग को निर्देश दिया है।

कांग्रेस का 15 लाख घरों तक पहुंचने का टारगेट, हर बूथ पर 25 सदस्य बनाने की तय हो रही रूपरेखा

भोपाल. प्रदेश कांग्रेस आने वाले दिनों में बड़ा टारगेट अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं को देने वाली है। जिसमें प्रदेश के 15 लाख से ज्यादा घरों तक पार्टी के नेता और कार्यकर्ता न सिर्फ पहुंचेंगे, बल्कि पार्टी को उस घर के कम से कम एक सदस्य को जोड़ने का प्रयास करेंगे। यह अभियान पूरे साल भर तक चल सकता है। इसके लिए प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने व्यापक रूपरेखा तैयार की है।

इस अभियान के तहत प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी से लेकर प्रदेश कांग्रेस की पूरी कार्यकारिणी अगले 6 महीने तक मैदान में रहेगी। जिसमें हर बूथ से कम से कम 25 घरो से सदस्य बनाएं हैं। इसमें घरों की संख्या का टारगेट दिया गया है। हर घर से कम से कम एक सदस्य बनाया जाने का भी इसमें लक्ष्य है। इस अभियान के लिए विधानसभा प्रभारी बनाएं जा रहे हैं। जो पहले चरण में ग्राम पंचायत समिति और मोहल्ला समितियों का गठन करवाएंगे। इन समितियों के गठन के बादकांग्रेस अपने बड़े लक्ष्य की ओर बढ़ेगी। जिसके तहत प्रदेश के 15 लाख 75 हजार घरों तक उसे पहुंचना है।

प्रदेश में 63 हजार के लगभग पोलिंग बूथ है, कांग्रेस हर बूथ पर 25 घरों तक पहुंच कर हर घर से एक व्यक्ति को अपना सदस्य बनाएगी। यानि जितने घर तक वह पहुंचेगी उतने ही सदस्य बनाए जाने का लक्ष्य है। इस अभियान को अगले 6 महीने में पूरा किया जाएगा। इस अभियान में पार्टी के सभी पदाधिकारी भी जुटेंगे।

सिरोंज को जिला बनाने के समर्थन में वर्तन व्यापार संघ ने अपने प्रतिष्ठान रखे बंद, सौंपा ज्ञापन

बुधवार को बर्तन व्यापार संघ ने सिरोंज जिला बनाने के समर्थन में अपने प्रतिष्ठान बंद रखकर मुख्यमंत्री के नाम संबोधित ज्ञापन तहसीलदार संजय चौरसिया को सौंपा। इस दौरान ज्ञापन का वाचन करते हुए व्यापार महासंघ के अध्यक्ष पदम कुमार ताम्रकार ने कहा कि भौगोलिक परिस्थिति के हिसाब से द्यभी सिरोंज जिला बने अभी वर्तमान में विदिशा की दूरी नगर से ही 90 किलोमीटर है। बाकी अन्य गांवों की दूरी 150 कलोमीटर से अधिक होने से आम आदमी अपनी फरियाद लेकर जिले में पहुंच ही नहीं पता है। टोंक रियासत के समय सिरोंज जिला था उसको उसका पुराना वैभव वापस दिया जाना चाहिए। वर्तमान में सभी परिस्थितियां सिरोंज को जिला बनाने के अनुरूप है। देश का सेंटर पॉइंट भी सिरोंज में स्थित है इस के अलावा सभी विभागों के कार्यालय बनाने के लिए पर्याप्त जगह है। सिरोंज को उसका पुराना वैभव वापस करते हुए सिरोंज को जिला बनाने का कार्य किया जाए। इसका फायदा सभी को होगा व्यापार भी बढ़ेगा, आम आदमी को फायदा मिलेगा। नितिन सोनी, शंभू दयाल, मनोज गोयल सहित बड़ी संख्या बर्तन व्यापार संघ के लोग मौजूद रहे।

भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी पर 10-10 हजार रुपए का इनाम, मामला वेयर हाउस मैनेजर आत्महत्या का

रतलाम। मध्य प्रदेश के रतलाम जिले के आलोट में 14 अगस्त 24 को मध्य प्रदेश वेयर हाउस कार्पोरेशन के आलोट शाखा प्रबंधक आरडी शर्मा ने सल्फास खाकर आत्महत्या कर ली थी। उनके कमरे में मिले सुसाइड नोट के आधार पर आलोट थाना पुलिस ने ताल निवासी भाजपा नेता एवं वेयर हाउस संचालक मनोज काला और राजेश परमार के खिलाफ आत्महत्या करने उकसाने का केस दर्ज किया था।

मामले में ?लगातार हो रहें खुलासे के बाद अब पुलिस भी आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर सख्त हो गई है। एसपी अमित कुमार ने दोनों भाजपा नेताओं की गिरफ्तारी के लिए 10-10 हजार रुपए का इनाम घोषित किया हैं। वहीं बुधवार को एक आरोपी के भाई ताल नगर परिषद अध्यक्ष मुकेश परमार ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सुसाइड नोट और कॉर्पोरेशन की जांच गलत ठहराया और सवाल खड़े किए।

परमार ने प्रेस कांफ्रेंस में कहा कि मृतक वेयर हाउस मैनेजर आरडी शर्मा और मेरे भाई राजेश परमार के बीच मधुर संबंध थे। किसी षड्यंत्रपूर्वक मेरे भाई को फंसाने की साजिश रची गई हैं। जो सुसाइड नोट बरामद किया गया उस पर शर्मा के हस्ताक्षर अलग है तथा उन्होंने पूर्व में मेरे भाई को सूचनापत्र जारी किए थे उसमें हस्ताक्षर अलग है। इसलिए सुसाइड नोट की उच्च स्तरीय जांच करवाई जाए। हमे किसी गहरी साजिश का अंदेशा है। परिषद अध्यक्ष परमार ने हाल ही में रतलाम आए सीएम डॉ मोहन यादव से मुलाकात करते हुए मामले की निष्पक्ष जांच की जांच करवाने की मांग की थी।

क्या कहते हैं थाना प्रभारी!

मैनेजर के कमरे से मिले सुसाइड नोट को जांच के लिए हैंडराइटिंग एक्सपर्ट भोपाल भेजा गया है। रिपोर्ट आने के बाद स्थिति क्लियर होगी। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस जुटी हुई हैं।

शंकर सिंह चौहान थाना प्रभारी आलोट!

उप मुख्यमंत्री शुक्ल ने बाबा विश्वनाथ का किया अभिषेक

भोपाल। उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने वाराणसी में काशी विश्वनाथ महादेव के दर्शन किये। उन्होंने विधि-विधान से बाबा विश्वनाथ का सपरिवार पूजन एवं अभिषेक किया और प्रदेशवासियों की सुख समृद्धि की प्रार्थना की। वाराणसी कैंट विधानसभा क्षेत्र के विधायक श्री सौरभ श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे।

कलेक्टर ने सोलो साइक्लिस्ट की छतरपुर पहुंचने पर प्रशंसा की आशा ने कारगिल विजय दिवस से कन्याकुमारी से शुरू की थी अपनी यात्रा

छतरपुर। 25वें कारगिल विजय दिवस के अवसर पर भारतीय सेना के सैनिकों की वीरता, शौर्य एवं अदम्य साहस का जश्न मनाने एवं युवाओं और महिलाओं को महिला सशक्तिकरण एवं सुरक्षा का संदेश देने ग्राम नाटाराम जिला राजगढ़ निवासी सोलो साइक्लिस्ट एवं एथलीट आशा मालवीय ने कारगिल विजय दिवस के अवसर पर कन्याकुमारी से दिल्ली तक की एकल महिला साइकिल यात्रा की शुरुआत की थी। यात्रा के दौरान छतरपुर पहुंचने पर कलेक्टर पार्थ जैसवाल ने सुश्री मालवीय को प्रशंसा पत्र सौंपते हुए आगे की सफल यात्रा की शुभकामनाएं दी और उनके कार्य की सराहना की।

सुश्री मालवीय ने बताया कि लगभग 26 हजार कि.मी. की कन्याकुमारी से कारगिल-सियाचिन होते हुए दिल्ली की साइकिल से यात्रा पर है और 16 हजार कि.मी. की यात्रा पूरी कर 1 जनवरी 2025 को छतरपुर पहुंची है। इसके बाद पन्ना जिले के लिए प्रस्थान करेंगी।

नए साल में नई सौगात देने विधायक ललिता यादव ने देखीं जमीनें

पत्रकार भवन की घोषणा को अमलीजामा पहनाने किया जमीन का निरीक्षण

छतरपुर। छतरपुर शहर के विकास को गति देने के लिए और नए साल में लोगों को नई सौगाते देने के लिए छतरपुर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने मंगलवार को विभिन्न विकासकार्य कराने हेतु उनके लिए शासकीय जमीनों का मौके पर जाकर निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश दिए। इस अवसर पर उनके साथ एसडीएम अखिल राठौर, तहसीलदार संदीप तिवारी, नगर पालिका सीएमओ माधुरी शर्मा, सब इंजीनियर सहित राजस्व और नगर पालिका का अमला था।

हनुमान टौरिया के पीछे के रहवासियों को छत्रसाल चौक की ओर आने के लिए हो रही दिक्कतों के मद्देनजर विधायक श्रीमती ललिता यादव ने हनुमान टौरिया के पीछे बने पॉवर हाउस के पास पहाड़ी को काटकर सागर रोड से जोडऩे के लिए स्थल निरीक्षण किया। विधायक श्रीमती ललिता यादव ने 25 लाख रुपए से पत्रकार भवन बनाए जाने की घोषणा को अमल में लाने के लिए महोबा रोड पर जमीन का निरीक्षण किया। उन्होंने सेंट्रल स्कूल के पीछे नया बस स्टैंड बनाए जाने और उसे हाईवे से जोडऩे के लिए भी मौके पर जाकर सड़क निर्माण के लिए जमीन की लोकेशन देखकर अवश्यक दिशा-निर्देश दिए। विधायक ने महोबा रोड पर बस स्टैंड के पास एक नया विशाल ऑडोटेरियम बनाए जाने के लिए भी मौका मुआयना किया। महोबा रोड पर ही यादव समाज की धर्मशाला के निर्माण के लिए जमीन भी उन्होंने देखी। पनौठा हार में स्थित स्टेडियम के लिए बनी सड़क को चौड़ा करने के लिए विधायक श्रीमती ललिता यादव ने मौका मुआयना किया। उन्होंने शहर में एक बड़ा स्टेडियम बनाए जाने के लिए भी फोरलेन के पास नवनिर्मित तहसील भवन के आसपास शासकीय जमीन का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने महोबा रोड पर सौरा तिराहा के पास बन रही व्यायाम शाला के निर्माण कार्य का निरीक्षण कर गुणवत्तापूर्ण कार्य करने के निर्देश दिए।

इस दौरान विधायक श्रीमती ललिता यादव ने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि शहर विकास के लिए विभिन्न निर्माणकार्य कराने शीघ्र ही समुचित जमीन को चिंन्हित कर उनमें आने वाली बाधाओं को दूर करे ताकि वर्ष 2025 में शहर को विकास की ये सौगाते प्राप्त हो सके और लोग उनसे लाभान्वित हो।

सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद नगर निगम ने राजेंद्र नगर में 50 से ज्यादा अतिक्रमण हटाए

इंदौर। आज सुबह राजेंद्र नगर थाना क्षेत्र स्थित रेलवे क्रॉसिंग के समीप नगर निगम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 50 से ज्यादा दुकानों को ध्वस्त कर दिया। यह कार्रवाई इंदौर विकास प्राधिकरण (आईडीए) की योजना क्रमांक 97/4 के अंतर्गत की गई। इस पर सुप्रीम कोर्ट ने आदेश जारी किया था। कोर्ट के फैसले के बाद नगर निगम ने ठोस कदम उठाते हुए यह अभियान प्रारंभ किया। इस कार्रवाई में इंदौर विकास प्राधिकरण द्वारा चिन्हित लगभग 40 स्थाई दुकानें, 15 अस्थाई दुकानें, 5 घर और 3 ढाबों को हटाया गया। कार्रवाई के दौरान भारी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया था, ताकि किसी भी प्रकार की अव्यवस्था न हो। 6 जेसीबी और 2 पोकलेन मशीनों की सहायता से यह अतिक्रमण हटाने का कार्य तेजी से पूरा किया गया। यह अभियान अवैध निर्माणों के खिलाफ निगम की सख्ती को दर्शाता है, जिससे शहर में विकास योजनाओं का मार्ग प्रशस्त हो सके।

सिरोंज में आज नवाब मंसूरी के निवास पर जिला अध्यक्ष सोहेल अहमद की सहमति से वक्फ कमेटी के जिला अध्यक्ष अय्यूब कुरैशी कुरैशी जी के नेतृत्व में ऑल इंडिया मुस्लिम त्यौहार कमेटी के ब्लॉक अध्यक्ष इरफान कुरैशी उर्फ बाबू भाई ठेकेदार द्वारा अब्दुल वाहिद गोरी को नगर अध्यक्ष नियुक्त किया।

पंजाबी महिला विकास समीति ने अस्पताल में नवजात शिशुओं एवं उनकी माता को गर्म कपड़े किए वितरित

दमोह :-सेवा जीवन का धर्म है ÷इन्हीं पंक्तियों को चरित्रार्थ करते हुए नव वर्ष पर पंजाबी महिला विकास समिति दमोह की महिलाओं ने दमोह शहर के जिला अस्पताल में जाकर 101 नवजात शिशुओं एवं उनकी माता को गर्म कपड़े, शॉल, स्वेटर ,मोजे इत्यादि प्रदान किये। इस कार्य में सहयोग हेतु क्लब की चेयर पर्सन डॉक्टर रितु दुआ, अध्यक्ष सोनिया अरोरा ,सचिव शुचि अरोरा ,मनमीत अजमानी, श्वेता सरीन एवं शिल्पा के साथ अन्य सदस्यों की भी सराहनीय उपस्थित रही। इस कार्य हेतु जिला अस्पताल के डॉक्टर एवं उनकी टीम का सहयोग रहा।

बोनी कपूर ने यूजेनिक्स हेयर साइंसेजइवेंट में अपने प्रेरणादायक हेयर रिस्टोरेशन यात्रा का किया खुलासा

मुंबई, एजेंसी। भारत के प्रमुख हेयर रिस्टोरेशन क्लिनिक, यूजेनिक्स हेयर साइंसेज ने जेडब्ल्यू मैरियट, जुहू में एक विशेष इवेंट का आयोजन किया, जिसमें बॉलीवुड के दिग्गज बोनी कपूर, डॉ. प्रदीप सेठी, और डॉ. अरिका बंसल ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। इस भव्य अवसर पर उन्नत हेयर रिस्टोरेशन तकनीकों की परिवर्तनकारी शक्ति का उत्सव मनाया गया, और बोनी कपूर ने अपनी अद्वितीय हेयर ट्रांसप्लांट यात्रा साझा की।

एक व्यक्तिगत और दिलचस्प सत्र में, बोनी कपूर ने यूजेनिक्स के साथ अपने अनुभव के बारे में खुलकर कहा, स्वयं की देखभाल और आत्मविश्वास अनमोल हैं। इस हेयर ट्रांसप्लांट ने मेरी उपस्थिति को नया जीवन दिया और मेरे आत्मविश्वास को पुनः जागृत किया। अब मैं खुद को ज्यादा जवान और आत्मविश्वासी महसूस करता हूं, और यह हर किसी के लिए एक उपहार है। उनके प्रेरणादायक शब्दों ने श्रोताओं पर गहरा असर छोड़ा और हेयर रिस्टोरेशन के मानसिक और शारीरिक प्रभाव को उजागर किया। इस चर्चा में डॉ. प्रदीप सेठी, यूजेनिक्स× के सह-संस्थापक, ने क्लिनिक की उत्कृष्टता के प्रति प्रतिबद्धता को व्यक्त किया। उन्होंने कहा, हमारा लक्ष्य हेयर रिस्टोरेशन में वैश्विक मानकों को नया रूप देना है। लगातार हमारी तकनीकों को विकसित कर, हम हजारों लोगों को उनका आत्मविश्वास वापस दिलाने में मदद कर चुके हैं और अद्वितीय परिवर्तन हासिल करने में सफल रहे हैं।इस इवेंट में एक सरप्राइज उपस्थिति ने कार्यक्रम को और भी रोमांचक बना दिया, जब फिल्म निर्माता अनीस बज्मी ने यह खुलासा किया कि उन्होंने हाल ही में यूजेनिक्स में हेयर ट्रांसप्लांट कराया है। अनीस ने कहा, बोनी की परिवर्तनशीलता ने मुझे भी इस कदम को उठाने के लिए प्रेरित किया। मैं परिणामों को देखकर खुश हूं।

अमेजन फ्रेश के 'सुपर वैल्यू डेज' में 7 तक अविश्वसनीय बचत के साथ करें नए साल की शुरुआत

बेंगलुरु, एजेंसी। नया साल नएपन और जश्न की भावना अपने साथ लेकर आता है और यह अपने त्योहारों और सर्दियों के लिए जरूरी सामान खरीदने का बिल्कुल सही समय है। अमेजन फ्रेश के सुपर वैल्यू डेज में 1 जनवरी से 7 जनवरी तक स्नैक्स, पेय पदार्थ, पर्सनल केयर, बेबी केयर और पेंट्री स्टेपल सहित कई तरह के उत्पादों पर 50 प्रतिशत तक की छूट का आनंद लें। आपके पसंदीदा समय पर स्लॉटेड डोरस्टेप डिलीवरी की सुविधा के साथ डोव, आशीर्वाद, फॉर्च्यून, हिमालय, और नेस्ले जैसे विश्वसनीय ब्रांड्स को आजमाएं और अपने घर को इस मौसम के लिए अच्छी तरह तैयार रखें। चाहे आप नए ग्राहक हों या पुराने, हर कोई बेहतरीन डील और वैल्यू ऑफ़र का आनंद ले सकता है, जिससे आने वाले सीज़न के लिए बड़ी बचत सुनिश्चित होगी। प्राइम ग्राहक 45 प्रतिशत तक की छूट के साथ-साथ फ्लैट 400 रु. कैशबैक और वीकेंड पर फलों और सब्जियों पर अतिरिक्त 50 रु. कैशबैक का आनंद ले सकते हैं, साथ ही मुफ्त डिलीवरी भी पा सकते हैं। सभी नए ग्राहक 45 प्रतिशत तक की छूट, 400 रु. का फ्लैट कैशबैक और मीट, सीफूड और अंडों पर 60 रु. का अतिरिक्त कैशबैक पा सकते हैं। सुपर सेवर्स पर 50 प्रतिशत तक की छूट के साथ सर्दियों में आरामदायक गर्मी का आनंद लें, जो आपके सर्दियों के मौसम को और भी खास बना देगा।

32 रुपये से 220 रुपये के पार नवरत्न कंपनी के शेयर

नई दिल्ली, एजेंसी। नवरत्न कंपनी इरेडा के शेयरों में नए साल के पहले ही दिन तूफानी तेजी आई है। इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड (इरेडा) के शेयर बुधवार को बीएसई में 5 पर्सेंट से अधिक के उछाल के साथ 227.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। इरेडा के शेयरों में यह तेज उछाल दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के बाद आया है। इरेडा के शेयर पिछले 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार जा पहुंचे हैं। इरेडा के शेयरों का 52 हफ्ते का हाई लेवल 310 रुपये है। वहीं, कंपनी के शेयरों का 52 हफ्ते का लो लेवल 100.40 रुपये है।

इरेडा के दिसंबर 2024 तिमाही के बिजनेस अपडेट के मुताबिक, स्वीकृत किए गए लोन सालाना आधार पर 129 पर्सेंट बढ़कर 31,087 करोड़ रुपये रहे हैं। पिछले साल की समान अवधि में कंपनी ने 13,558 करोड़ रुपये के लोन स्वीकृत किए थे। चालू वित्त वर्ष की दिसंबर तिमाही में कंपनी का लोन डिस्बर्समेंट सालाना आधार पर 41 पर्सेंट बढ़कर 17,236 करोड़ रुपये रहा है, जो कि एक साल पहले की समान अवधि में 12,220 करोड़ रुपये था। दिसंबर 2024 तक आउटस्टैंडिंग लोन बुक 69000 करोड़ रुपये थी।इंडियन रिन्यूएबल एनर्जी डिवेलपमेंट एजेंसी लिमिटेड के शेयर 13 महीने में ही 32 रुपये से बढ़कर 220 रुपये के पार पहुंच गए हैं। इरेडा का आईपीओ 21 नवंबर 2023 को खुला था और यह 23 नवंबर तक ओपन रहा। इरेडा के आईपीओ में कंपनी के शेयर का दाम 32 रुपये था। कंपनी के शेयर 1 जनवरी 2025 को 227.70 रुपये पर पहुंच गए हैं। पिछले एक साल में इरेडा के शेयरों में 115 पर्सेंट से ज्यादा का उछाल आया है।

4 महीने की ऊंचाई पर कोर सेक्टर

नईदिल्ली, एजेंसी। नए साल के मौके पर देश को इकोनॉमी के मोर्चे पर राहत की खबर मिली है। वास्तव में कोर सेक्टर नवंबर 2024 में 4 महीने की ऊंचाई पर पहुंच गया है। नवंबर के महीने कोर सेक्टर का आंकड़ा 4.3 फीसदी देखने को मिला है जबकि अक्टूबर के महीने में कोर सेक्टर 4 फीसदी से नीचे देखने को मिले थे। वहीं पिछले साल की समान अवधि में ये आंकड़ा 8 फीसदी के आसपास था। आइए आपको भी बताते हैं कि सरकार की ओर से कोर सेक्टर के आंकड़े किस तरह के पेश किए हैं। आठ प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों का उत्पादन नवंबर 2024 में 4.3 फीसदी देखने को मिला। खास बात तो ये है कि अक्टूबर के महीने में यह आंकड़ा 3.7 फीसदी देखने को मिला था। मासिक आधार पर नवंबर में इन

क्षेत्रों का उत्पादन वृद्धि चार महीने के उच्च स्तर पर पहुंच गई। वहीं दूसरी ओर एक साल पहले इसी माह में यह 7.9 प्रतिशत था। इसका मतलब है कि सालाना आधार पर कोर सेक्टर में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। नवंबर 2024 में कच्चे तेल और प्राकृतिक गैस के उत्पादन में कमी आई। कोयला, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात और बिजली उत्पादन वृद्धि क्रमशः 7.5 प्रतिशत, 2.9 प्रतिशत, दो प्रतिशत, 4.8 प्रतिशत और 3.8 प्रतिशत रही। पिछले साल नवंबर में कोयला की उत्पादन वृद्धि 10.9 प्रतिशत, रिफाइनरी उत्पाद की 12.4 प्रतिशत, उर्वरक की 3.3 प्रतिशत, इस्पात की 9.7 प्रतिशत और बिजली की 5.8 प्रतिशत थी। समीक्षाधीन महीने में सीमेंट का उत्पादन बढ़ने की रफ्तार बढ़कर 13 प्रतिशत हो गई। चालू वित्त वर्ष में अप्रैल-नवंबर के दौरान प्रमुख बुनियादी ढांचा क्षेत्रों की वृद्धि दर 4.2 प्रतिशत रही। पिछले वित्त वर्ष की समान अवधि में यह 8.7 प्रतिशत थी। आठ प्रमुख बुनियादी उद्योगों में कोयला, कच्चा तेल, प्राकृतिक गैस, रिफाइनरी उत्पाद, उर्वरक, इस्पात, सीमेंट और बिजली शामिल हैं। औद्योगिक उत्पादन सूचकांक (आईआईपी) में इसकी 40.27 प्रतिशत हिस्सेदारी है। आंकड़ों पर टिप्पणी करते हुए इक्रा लिमिटेड के चीफ इकोनॉमिस्ट अदिति नायर ने कहा कि कोर सेक्टर के प्रदर्शन में क्रमिक वृद्धि विशेष रूप से सीमेंट उत्पादन में तेज वृद्धि के चलते थी।

नए साल पर प्रधानमंत्री मोदी का करोड़ों किसानों को तोहफा, इन प्रस्तावों पर केंद्र सरकार ने लगाई मुहर

गौरतलब है कि भारत अपनी डीएपी उर्वरक की बड़ी मांग को चीन, सऊदी अरब और मोरक्को जैसे देशों से आयात करता है। अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे माल की कीमतों में बढ़ोतरी के कारण डीएपी की लागत बढ़ रही है। ऐसे में सरकार ने किसानों को राहत देने के लिए सब्सिडी के साथ अतिरिक्त सहायता देने का निर्णय लिया है। बैठक में डीएपी खाद बनाने वाली कंपनियों को स्पेशल पैकेज देने का फैसला किया गया है। इस पैकेज के तहत सरकार कंपनियों को मिलने वाली सब्सिडी के साथ अतिरिक्त वित्तीय सहायता भी प्रदान करेगी। यह योजना 31 दिसंबर 2025 तक प्रभावी रहेगी। इस पहल का उद्देश्य डीएपी की कीमतों को नियंत्रित करना और किसानों को उचित मूल्य पर खाद उपलब्ध कराना है।

फसल बीमा योजना होगी सरल और किफायती: बैठक में फसल बीमा योजना को किसानों के लिए और आकर्षक बनाने के प्रस्ताव को भी हरी झंडी दी गई। इसके तहत बीमा के नियम और प्रक्रियाओं को आसान बनाया जाएगा, ताकि किसान सस्ती दरों पर अपनी फसलों का बीमा करवा सकें और प्राकृतिक आपदाओं से होने वाले नुकसान से बच सकें।

छत्तीसगढ़ के चावल निर्यातकों को मंडी शुल्क में छूट, गैर-बासमती चावल निर्यात को मिलेगा बढ़ावा

रायपुर। छत्तीसगढ़ सरकार ने राज्य के चावल उद्योग को बढ़ावा देने और गैर-बासमती चावल के निर्यात को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से चावल निर्यातकों को मंडी शुल्क और कृषक कल्याण शुल्क से पूरी तरह छूट देने का निर्णय लिया है। यह छूट उन निर्यातकों को दी जाएगी जो राज्य के राइस मिलर्स और मंडियों से खरीदे गए धान से तैयार गैर-बासमती चावल का निर्यात करेंगे। सरकार का यह कदम राज्य के किसानों और राइस मिलर्स को अधिक लाभ प्रदान करने के साथ-साथ छत्तीसगढ़ के चावल उद्योग को राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय बाजारों में प्रतिस्पर्धी बनाने में मदद करेगा।

इस संबंध में छत्तीसगढ़ सरकार द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, यह छूट अधिसूचना की प्रकाशन तिथि से एक वर्ष तक मान्य होगी। निर्यातकों को यह सुनिश्चित करना होगा कि उनके शिपिंग बिल में चावल के कार्गो का मूल स्थान छत्तीसगढ़ लिखा हो। साथ ही, उन्हें जीएसटी विवरण, लदान बिल, और बैंक री-कॉन्सिलेशन स्टेटमेंट की प्रतियां संबंधित मंडी में प्रस्तुत करनी होंगी। इसके अलावा, पंजीकृत चावल निर्यातकों और राइस मिलर्स को एक घोषणा पत्र देना होगा, जिसमें यह प्रमाणित हो कि चावल छत्तीसगढ़ में खरीदे गए धान से तैयार किया गया है। राइस मिलर्स को मंडी अधिनियम के तहत निर्यातकों को परमिट भी जारी करना होगा।

नहीं सुनी पिता की बात, टीचिंग छोड़ किया कुछ अलग, अब करोड़ों का कारोबार

नई दिल्ली, एजेंसी। हरियाणा के जगपाल सिंह फोगाट ने अपने परिवार के विरोध के बावजूद मधुमक्खी पालन शुरू किया। पहले वह स्कूल टीचर थे। अपनी मेहनत, लगन और सूझबूझ से जगपाल सिंह फोगाट ने 2 करोड़ रुपये का कारोबार खड़ा किया। उन्होंने 500 से ज्यादा किसानों को भी यह फायदे वाला व्यवसाय सिखाया। यह सब 2001 में तब शुरू हुआ जब मधुमक्खी पालन उनके गांव में एक अनजान अवधारणा थी। शुरुआती असफलताओं के बावजूद जगपाल ने एक महीने के भीतर ही 25 टिन शहद से भर दिए। इससे उनके परिवार को इस व्यवसाय की क्षमता का एहसास हुआ। 2007 में उन्होंने पूरी तरह से मधुमक्खी पालन को अपना लिया। अब वह अलग-अलग उत्पाद बेचकर अच्छा मुनाफा कमा रहे हैं।

विरोध के बावजूद की शुरुआत : शुरुआत में जगपाल सिंह फोगाट एक स्कूल टीचर थे। हरियाणा में झज्जर जिले के एक गांव में उन्होंने 2001 में मधुमक्खी पालन शुरू किया। उस समय राज्य में यह काम ज्यादा नहीं होता था। उनके परिवार, खासकर जगपाल सिंह के पिता ने मधुमक्खी पालन के उनके फैसले का विरोध किया था। पिता ने मजाक-मजाक में कहा था, अरे मास्टर, गाय पाल ले, भैंस पाल ले, बकरी पाल ले, मुर्गी पाल ले, मक्खी के पालि उड़ जावेगी।

रिजल्ट देख बदल गई राय : दरअसल, साल 2001 में जगपाल सिंह फोगाट के गांव में मधुमक्खी पालन एक नया विचार था। कई लोगों ने जगपाल को पागल समझा। लेकिन, जब उन्होंने अद्भुत परिणाम देखे तो उनकी राय बदल गई। एक रिश्तेदार को देखकर जगपाल को यह आइडिया आया था। पहले ही महीने में 25 टिन शहद बेचकर उन्हें अच्छी कमाई हुई। हर टिन 2,000 रुपये में बिका। यह उनके परिवार की गेहूं की खेती से होने वाली कमाई से

काफी ज्यादा थी। इस सफलता ने उन्हें मधुमक्खी पालन में आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया।

2007 में छोड़ दी टीचिंग : 2007 में जगपाल ने पूरी तरह से मधुमक्खी पालन में लगने के लिए शिक्षण छोड़ दिया। एक कृषि पृष्ठभूमि से आने वाले जगपाल ने महसूस किया कि मधुमक्खी पालन पारंपरिक खेती के तरीकों की तुलना में कहीं अधिक लाभ प्रदान करता है। जगपाल ने मधुमक्खी पालन के बारे में अधिक जानने के लिए लुधियाना (पंजाब) में मधुमक्खी पालकों से मिलना शुरू किया। उन्होंने दिल्ली के एक किसान से 2,000 रुपये प्रति बॉक्स के हिसाब से 60,000 रुपये का निवेश करके 30 मधुमक्खी के बक्से खरीदे। बिना किसी औपचारिक प्रशिक्षण के उन्होंने अन्य किसानों से सीखने और अपने खुद के व्यावहारिक अनुभव पर भरोसा किया।

बड़े ब्रांड किए तैयार: जगपाल ने धीरे-धीरे अपना व्यवसाय बढ़ाया। 2016 में उन्होंने एक प्रोसेसिंग यूनिट भी लगाई। इस यूनिट में मोमबत्तियां, साबुन, पराग और रॉयल जेली जैसे कई उत्पाद बनाए जाते हैं। वह अपने उत्पाद नेचर फ्रेश और बी बज ब्रांड के तहत बेचते हैं। इन्हें प्रमोट करने के लिए जगपाल ने कई प्रदर्शनियों में हिस्सा लिया।

टैक्स फाइलिंग की अंतिम तारीख बढ़ी !

नई दिल्ली, एजेंसी। इनकम टैक्सपेयर्स के लिए खुशखबरी है। केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड ने वित्तीय वर्ष 2023-24 (आकलन वर्ष 2024-25) के लिए बिलेटेड और रिवाइज्ड इनकम टैक्स रिटर्न दाखिल करने की आखिरी तारीख बढ़ा दी है। पहले यह तारीख 31 दिसंबर 2024 थी। इसे अब बढ़ाकर 15 जनवरी 2025 कर दिया गया है। यह राहत सिर्फ रेजिडेंट इंडिजिवजुअल इनकम टैक्सपयर्स के लिए है। इसका मतलब है कि जो लोग 31 जुलाई 2024 की समयसीमा चूक गए हैं या अपने रिटर्न में कुछ सुधार करना चाहते हैं, उनके पास अब अतिरिक्त दो हफ्ते हैं।

सीबीडीटी ने 31 दिसंबर 2024 को एक सर्कुलर (नंबर 21/2024) जारी कर इस फैसले की घोषणा की। इससे उन लोगों को बड़ी राहत मिलेगी जो किसी कारणवश समय पर रिटर्न दाखिल नहीं कर पाए थे। यह बढ़ी हुई समयसीमा धारा 139(4) के तहत बेलैटेड रिटर्न और धारा 139(5) के तहत रिवाइज्ड रिटर्न दोनों के लिए लागू होती है। यह एक सुनहरा मौका है उन लोगों के लिए जो जुर्माने से बचना चाहते हैं।

बिलेटेड रिटर्न वे रिटर्न होते हैं जो मूल समयसीमा यानी 31 जुलाई के बाद दाखिल किए जाते हैं। ऐसे रिटर्न दाखिल करने पर जुर्माना लगता है। इसमें धारा 234ए के तहत प्रति माह 1 प्रतिशत की दर से ब्याज शामिल है। साथ ही, 5 लाख रुपये से अधिक की आय वालों के लिए 5,000 रुपये और 5 लाख रुपये से कम आय वालों के लिए 1,000 रुपये का विलम्ब शुल्क भी देना होगा। इसलिए, समयसीमा बढ़ने से लोगों को जुर्माने से बचने का मौका मिल रहा है।

रिवाइज्ड रिटर्न आपको अपनी पहले दाखिल की गई रिटर्न में सुधार करने की अनुमति देता है। मान लीजिए आपने गलती से कोई आय छिपा दी या कोई कटौती जोड़ना भूल गए तो आप रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। इसमें कोई जुर्माना नहीं लगता है। रिवाइज्ड रिटर्न आपके मूल रिटर्न को पूरी तरह से बदल देता है। आप अनुमत समयसीमा के भीतर कई बार रिवाइज्ड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं। हालांकि, बार-बार सुधार करने से टैक्स अधिकारी आपकी रिटर्न की जांच कर सकते हैं, इसलिए सावधानी बरतें।

कैसे मिलेगी राहत

यह विस्तार विशेष रूप से उन रेजिडेंट व्यक्तियों पर लागू होता है जिन्होंने धारा 139(1) के तहत अपने मूल रिटर्न दाखिल किए थे। वे अब या तो बेलैटेड रिटर्न दाखिल कर सकते हैं या पहले दाखिल की गए रिटर्न में सुधार कर सकते हैं। ध्यान देने वाली बात यह है कि वित्तीय वर्ष 2023-24 के लिए बिलेटेड रिटर्न केवल नई टैक्स व्यवस्था के तहत ही दाखिल किए जा सकते हैं। जो लोग पुरानी टैक्स व्यवस्था का लाभ उठाना चाहते थे, उनके लिए यह विकल्प उपलब्ध नहीं है। सीबीडीटी का यह कदम करदाताओं के लिए एक बड़ी राहत है। अतिरिक्त दो हफ्ते मिलने से लोग बिना किसी तनाव के अपनी रिटर्न दाखिल कर सकेंगे। वे जुर्माने से बचते हुए अपने टैक्स दायित्वों को पूरा कर पाएंगे। समयसीमा का यह विस्तार करदाता-हितैषी कदम है। इससे लोगों को अपनी वित्तीय योजनाओं को व्यवस्थित करने और अपने टैक्स मामलों को सही ढंग से निपटाने का पर्याप्त समय मिलेगा।

स्टील सेक्टर में 17,581 करोड़ रुपये का निवेश, 79 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी। सरकार ने सोमवार को कहा कि कंपनियों ने अक्टूबर, 2024 तक विशेष इस्पात के लिए उत्पादन आधारित प्रोत्साहन (पीएलआई) योजना के तहत 17,581 करोड़ रुपये का निवेश किया है।

सरकार ने देश में 'विशेष इस्पात' के उत्पादन को प्रोत्साहित करने और पूंजी निवेश आकर्षित करके आयात कम करने के मकसद से इस क्षेत्र के लिए पीएलआई योजना शुरू की है।

इस्पात मंत्रालय ने बयान में कहा, ''कंपनियां अक्टूबर, 2024 तक 17,581 करोड़ रुपये का निवेश कर चुकी हैं। इससे 8,660 से अधिक रोजगार सृजित हुए हैं।'' योजना में भाग लेने वाली कंपनियों ने 27,106 करोड़ रुपये के निवेश, 14,760 के प्रत्यक्ष रोजगार और योजना में पहचाने गए 79 लाख टन 'विशेष इस्पात' के अनुमानित उत्पादन के लिए प्रतिबद्धता जताई है। मंत्रालय ने पहले कहा था कि इस्पात क्षेत्र में निवेश की अवधि लंबी होती है। यह विभिन्न उपकरणों की खरीद जैसे तत्वों पर निर्भर करता है। इनमें से कई उपकरण विदेशों से लिए जाते हैं।परियोजनाओं में अपरिहार्य परिस्थितियों के कारण होने वाली देरी में वैश्विक मुद्दे, अप्रत्याशित घटनाओं, प्राकृतिक आपदाओं और बदले हुए बाजार आदि के कारण आपूर्ति श्रृंखला में देरी शामिल है। मंत्रालय, अन्य संबंधित सरकारी विभागों के साथ, कंपनियों के सामने आने वाली समस्याओं को हल करने और उन्हें अपनी प्रतिबद्धताओं को पूरा करने में सुविधा प्रदान करने के लिए पीएलआई लाभार्थियों के साथ मिलकर काम कर रहा है।

परियोजनाओं के लिए मंजूरी में तेजी लाने, विशेषज्ञों के लिए भारतीय वीजा के लिए मानक संचालन प्रक्रिया जारी करने और संबंधित पक्षों के साथ निरंतर जुड़ाव के माध्यम से भाग लेने वाली कंपनियों की चिंताओं को दूर करने के उपाय किए गए हैं।

2025 ही नहीं आने वाले दस वर्षों तक भारतीय मीडिया की कमाई बढ़ती रहेगी

आलोक मेहता, वरिष्ठ पत्रकार ।।

भारतीय मीडिया के लिए आजादी से पहले और उसके बाद भी अनेक चुनौतियां रहीं हैं। हाथ से अक्षर जमाकर प्रिंटिंग के युग से कम्प्युटर क्रांति, रेडियो, दूरदर्शन से विडियो और निजी न्यूज चैनल या विदेशी चैनलों के बाद सोशल मीडिया आने पर भी प्रिंट, रेडियो, टीवी के दौर में भविष्य उज्जवल दिखता है। सूर्य का रथ और रोशनी का प्रवाह क्या कभी रुकता है? इसलिए सारी कठिनाइयों, चुनौतियों के बावजूद 2024 में भारतीय मीडिया का विस्तार होता रहा और आर्थिक हालत का बारीकी से अध्ययन करने वाले विशेषज्ञ या कंपनियों का आकलन है कि इस वर्ष आमदनी बढ़ी है और 2025 ही नहीं आने वाले दस वर्षों तक भारतीय मीडिया की कमाई बढ़ती रहेगी। यह बात अलग है कि जो संयम से नहीं चलते, उनके बंद होने, कानूनी संकट में फंसने के खतरे हमेशा रहेंगे।

आश्चर्य की बात यह है कि मीडिया से जुड़े कुछ वरिष्ठ नामी लोग ही भारतीय मीडिया को बिकाऊ, मजबूर और अविश्वसनीय बताने लिखने में व्यस्त हैं। इसमें शक नहीं कि देश के बहुत बड़े मीडिया का एक वर्ग कमजोर हो, कुछ संस्थान, संपादक भ्रष्ट हों, लेकिन विभिन्न प्रदेशों में काम करने वाले सैकड़ों पत्रकारों को भ्रष्ट कहना अन्याय है। पार्टियों के नेता मीडिया को अपने पक्ष विपक्ष के आधार पर गालियां देते हैं।लेकिन मठाधीश खुद करोड़ कमाकर सामान्य मीडियाकर्मियों को बदनाम कर विश्वसनीयता कम्म करने का अभियान सा चलाते रहे। बहरहाल, दिल्ली ही सम्पूर्ण भारत नहीं है, न ही अंग्रेजी की पत्रकारिता एकमात्र जनता तक पहुंचती है। हिंदी के साथ मलयालम, बांगला,

तमिल, तेलगु, गुजराती, असमिया, मराठी जैसी भाषाओँ के अनेक प्रकाशन, स्थानीय मीडिया चैनल, वेबसाइट, यू ट्यूबर निर्भीक ढंग से सरकारों या अन्य संस्थानों की कमियां गड़बड़ियां उजागर करते रहे और करते रहेंगे। असली भारतीय मीडिया वही है। महारथियों को वह रिकॉर्ड ध्यान रखना चाहिए, जब दिल्ली या प्रदेशों में दो तीन अखबार ही होते थे और वे केवल सत्ता के समर्थन में राग गाते बजाते और सलाह देते थे। टी वी का एक सरकारी चैनल होता था। अब तो भारत के भाषाई अखबार चैनल दुनिया भर में नेट के जरिये पहुंच रहे हैं।

हां, आज भी जिला और ग्रामीण स्तर पर स्वतंत्र मीडिया - अखबार, चैनल की आवश्यकता है। साक्षरता बढ़ रही है, कौशल विकास योजनाओं से सुदूर आदिवासी इलाकों में जागरूकता के लिए 2025 और आने वाले दशकों में मीडिया के महत्व और विस्तार की अच्छी संभावनाएं हैं। इस बात पर भी गौरव होना चाहिए कि बिहार में एक रिपोर्टर रहे पत्रकार उदय शंकर जियो स्टार जैसे विशाल मीडिया नेटवर्क में नीता अम्बानी के साथ वाईस प्रेजिडेंट के शीर्ष पद पर पहुंवे हैं। इसी तरह से कई पत्रकार अन्य संस्थानों के प्रबंधन में शीर्ष पदों पर हैं या उनके अपने चैनल स्थापित हो गए हैं। उदाहरण के लिए मध्य प्रदेश में कभी रिपोर्टर रहे राजेश सिरोठिया का अखबार या आनंद पांडे का यु ट्यूब वेब चैनल या छत्तीसगढ़ में फोटोग्राफर रिपोर्टर से अखबार के मालिक संपादक बनने के उदाहरण हर राज्य में मिल सकते हैं। यह नई आशा विश्वास जगाते हैं। संभव है कि केवल मोदी सरकार को निरंतर गालियां देने और हर सत्ता का विरोध करने वाले कुछ लोग देशी विदेशी फंडिंग से हर महीने लाखों कमा रहे हों, लेकिन सीमित साधनों से संतुलित, निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाले पत्रकार भी काम कर रहे हैं। रुदाली ब्रिगेड या सत्ता की जयकार से समाज को लाभ नहीं हो सकता है ।

एक महत्वपूर्ण उम्मीद 2025 से की जानी चाहिए। पिछले कुछ वर्षों से मीडिया के लिए सही आचार संहिता (कोड ऑफ कंडक्ट) पर सरकार और मीडिया संगठनों में गंभीर चर्चाएं हुई और प्रारुप बनते रहे। सुप्रीम कोर्ट भी इस बात पर जोर देता रहा, लेकिन कोई निर्णय अब तक नहीं हुआ। दुनिया में इतना बड़ा मीडिया नहीं है, विविधता है, कानून भी है, लेकिन उनका पर्याप्त पालन नहीं है। मेरी राय में स्वयं मीडियाकर्मियों को अपनी साख और भविष्य के लिए न्यूनतम कठोर आचार संहिता स्वीकारना चाहिए । सरकार, संसद और सुप्रीम कोर्ट एक अंतिम निर्णय करे। ताकि मीडिया के नाम पर झूठा, साम्प्रदायिक, हिंसक, अश्लील,अपमानजनक और समाज तथा भारत विरोधी प्रचार पर अंकुश लगे। मीडिया के विस्तार और सफलताओं की आशा के साथ शुभकामनाएं।

अनुविभाग चौरई के अंतर्गत 3 ग्राम पंचायतों में सीएम जनकल्याण शिविर

छिन्दवाड़ा। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की मंशा के अनुरूप प्रत्येक पात्र हितग्राही को शासकीय योजना से लाभान्वित करने के लिए 11 दिसंबर 2024 से मुख्यमंत्री जनकल्याण अभियान जिले में प्रारंभ हो गया है, जो 26 जनवरी 2025 तक चलेगा। अभियान के अन्तर्गत जिले के सभी अनुविभागों की ग्राम पंचायतों और नगरीय वार्डों में जिला प्रशासन द्वारा तैयार कैलेंडर के अनुसार निर्धारित अलग - अलग तिथियों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है, जो 11 दिसम्बर से प्रारंभ हो गया है। सीएम जनकल्याण शिविरों के माध्यम से विभिन्न विभागों की हितग्राही मूलक योजनाओं की जानकारी से आमजन को अवगत कराया जा रहा है और पात्र हितग्राहियों का चिन्हांकन कर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। इसी कड़ी में अभियान के अंतर्गत 02 जनवरी 2025 को जिले के चौरई अनुविभाग के अंतर्गत 03 ग्राम पंचायतों नीलकंठीखुर्द, निशानजानोजी और कपूरखेड़ा में मुख्यमंत्री जनकल्याण शिविर का आयोजन किया गया है। शिविरों की सुचारू व्यवस्था के लिए सेक्टर अधिकारी, सहायक सेक्टर अधिकारी और सर्वे दल प्रभारी की नियुक्ति भी की गई है। कलेक्टर श्री शीलेन्?द्र सिंह ने क्षेत्रवासियों से बड़ी संख्या में इन शिविरों में पहुंचकर लाभ प्राप्त करने की अपील की है।

शहरी आजीविका मिशन छिंदवाड़ा में सौ दिवसीय निक्षय शिविर के विषय पर हुई चर्चा

छिन्दवाड़ा। जिला चिकित्सालय छिंदवाड़ा की टीबीएचव्ही सुश्री आरती दुबे ने राष्ट्रीय शहरी आजीविका मिशन के सहयोग से संचालित अमूल्या स्व-सहायता समूह की महिलाओं के बीच डब्ल्यूसीएल कॉलोनी पवार डेयरी के पास गायत्री चौक वार्ड नंबर-38 छिंदवाड़ा में 100 दिवसीय निक्षय शिविर की जानकारी देते हुए क्षय रोग के लक्षण, जांच, उपचार, निदान, शासन की योजनाओं पर विस्तृत चर्चा की। स्व-सहायता समूह छिंदवाड़ा की महिलाओं द्वारा संपूर्ण जिले में लघु उद्योग जैसे पापड़, सिलाई, पार्लर एवं टिफिन सेंटर संचालित है। स्व-सहायता समूह छिंदवाड़ा की महिलाओं ने अपने साथियों को भी 100 दिवसीय शिविर की जानकारी देने के लिये एवं क्षय मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत छिंदवाड़ा जिले को क्षय मुक्त करने के लिये संकल्प लिया। अमूल्या स्व सहायता समूह छिंदवाड़ा की अध्यक्ष श्रीमती आरती हल्दिया के द्वारा छिंदवाड़ा जिले में संचालित लघु उद्योगियो को जानकारी प्रेषित कर जनभागीदारी करने के लिये आश्वासन दिया गया।

जरूरतमंदों को बांटे कम्बल, छिंदवाड़ा को सुंदर बनाने का लिया संकल्प

छिन्दवाड़ा – अखिल भारतीय जैन युवा फेडरेशन के साथ जीवताशा फाउंडेशन ने मध्य प्रदेश में सर्वोदय अहिंसा अभियान चलाकर वर्ष 2024 की विदाई एवं वर्ष 2025 का मंगलमय शुभारंभ कुछ अलग ही अंदाज में किया।इस अवसर पर छिंदवाड़ा में सर्वोदय अहिंसा के प्रदेश संयोजक एवं नगर पालिक निगम स्वच्छता ब्रांड एंबेसडर दीपक राज जैन ने अहिंसा प्रेमियों को एक पौधा मां लगाकर छिंदवाड़ा को स्वच्छ - स्वस्थ एवं सुंदर बनाने एवं प्लास्टिक रहित हो शहर अपना का संकल्प दिलाया।तो जीवताशा फाउंडेशन ने एक कंबल मेरा भी अभियान चलाकर संस्था के सचिव कार्तिक जैन, यमन जैन ने अपने साथियों के साथ जरूरतमंदों को सर्दी से बचने के लिए कंबल वितरित कर वर्ष 2025 के मंगलमय शुभारंभ की शुभकामनाएं दी।

इनकी रही उपस्थिति–इस अवसर की छिंदवाड़ा को स्वच्छ - स्वस्थ एवं सुंदर बनाने के लिए ब्रांड एंबेसडर दीपक राज जैन ने श्रीमती मंजू जिनेन्द्र जैन, ऊषा राजीव पाटनी, संगीता संजय जैन, प्रमिला नरेंद्र जैन, संध्या सुभाष जैन, संगीता दीपक राज जैन, तनु विक्की जैन, यशराज जैन, आर्या जैन, सेजल जैन, संस्कृति जैन सहित अन्य अहिंसा प्रेमियों को स्वच्छता का संकल्प दिलाकर वर्ष 2025 का आत्मीय अभिनंदन किया।

श्री भरता देव सेवा समिति द्वारा वृक्षरोपण किया

छिन्दवाड़ा- नव वर्ष 2025 के स्वागत में नगर के रमणीक पर्यटन स्थल में प्रति वर्षानुसार इस वर्ष भी मेला लगा। इस मेले में विभिन्न प्रकार की मिठाईयों की दुकानें लगाई गई। सभी वर्ग के लोगों ने इस मेले का भरपूर आनन्द लिया। इस अवसर पर श्री भरता देव सेवा समिति द्वारा वृक्षरोपण किया का कार्यक्रम आयोजित किया गया। श्री भरता देव सेवा समिति द्वारा विगत कुछ महिनों से समिति के सदस्यों द्वारा साफ-सफाई एवं पानी की व्यवस्था लगातार की जा रही है। आज के इस वृक्षारोपण कार्यक्रम में, सभी पौधों की उपलब्धता को वृक्षवीर कृपाशंकर यादव द्वारा कराई गई एवं सदैव सभी प्रकार के पौधों को उपलब्ध कराने की वचनवद्धता प्रगट की। वृक्षारोपण कार्यक्रम में समिती के सदस्यगणों ने प्रत्यक्ष-अप्रत्यक्ष रूप में सहयोग दिया जिसमें राजेश लोखंडे, मदन पाटनकर, उपासराव खंडागडे, पारस खंडागडे, प्रभात खलवाड़ी, मौसम खलवाड़ी, बबन बारसकर, अलकेश बारसकर, रमाकांत बारसकर, पंकज बारसकर, सत्यम बारसकर,दक्ष बारसकर, विजेन्द्र बारसकर, राजू सहारे, श्रीमति छाया सहारे, सूरज लोखंडे, लक्ष्मन राव दौड़के आदि की सहभागिता रही। बारस्कर इंटरप्राईजेस का भी सराहनीय योगदान रहा।

नववर्ष पर

जाम सांवली हनुमान मंदिर में दर्शनार्थियों की भारी भीड़

सौंसर । वर्ष के प्रथम दिन क्षेत्र के प्रसिद्ध चमत्कारिक हनुमान मंदिर जाम सावली में दर्शनार्थ भक्तों की भारी भीड़ बनी रही मंदिर को आकर्षक सजाया गया था प्रारंभ में श्री हनुमान जी के प्रतिमा का विद्वान पंडितो द्वारा मंत्रोच्चारण के साथ अभिषेक किया गया प्रश्चात दर्शनार्थ मंदिर के पट खोलें गएप्रातः से ही महिला पुरुषों की दर्शनार्थ भारी भीड बनी रही मंदिर में प्रदेश के साथ ही महाराष्ट्र के दुदराज क्षेत्र से बड़ी तादाद में भक्त दर्शनार्थ आते हैं भक्तों को मंदिर प्रतिमा के दर्शन की सुविधा के लिए प्रशासन द्वारा बैरिकेट्स लगाए गए थे इससे दर्शन सुविधाजनक हुए वाहनों की पार्किंग के लिए समुचित व्यवस्था होने से गाड़ी पार्किंग में असुविधा नहीं हुईजगह-जगह भंडारे चल रहे थे यहां पर भक्तों को महाप्रसाद वितरित किया जा रहा था मंदिर में भक्तों को असुविधा न हो इसके लिए पांढुर्णा जिला कलेक्टर अजय देव शर्मा के नेतृत्व में अनुविभागीय अधिकारी सिद्धार्थ पटेल तहसीलदार भावना मलकाम व्यवस्था पर नजर बनाए हुए थे शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था के लिए अतिरिक्त जिला पुलिस अधिकारी नीरज सोनी अनुविभागीय पुलिस अधिकारी डीवीएस नागर थाना प्रभारी मर्सकोले अपने पुलिस कर्मचारियों के साथ लगे हुए थे साथ ही राजस्व विभाग के कर्मचारी भी सहयोग प्रदान कर रहे थे सफाई एव जल व्यवस्था की ओर विशेष ध्यान दिया जा रहा था

नववर्ष पर पुलिस ने निकाली रैली

छिन्दवाड़ा। आज पुलिस प्रशासन के तत्वावधान में एक बुलेट बाइक रैली का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य समाज में सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, और साइबर सुरक्षा के प्रति जागरूकता बढ़ाना था।कार्यक्रम का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अजय पांडे जी द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर समस्त थाना प्रभारी, पुलिस बल, तथा गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे।

सड़क सुरक्षा-यातायात नियमों के पालन को बढ़ावा देना।दुर्घटनाओं को रोकने हेतु हेलमेट और सीट बेल्ट के उपयोग पर जोर देना।वाहन चालकों को अनुशासित और जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करना। 2. नशा मुक्ति-समाज को नशे के दुष्प्रभावों से अवगत कराना।युवाओं को नशा मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना।नशा मुक्ति अभियान को जन आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाना।3. साइबर सुरक्षा-डिजिटल युग में सुरक्षित इंटरनेट उपयोग के प्रति जागरूकता फैलाना।साइबर अपराधों से बचाव के लिए आवश्यक कदमों की जानकारी देना।डिजिटल धोखाधड़ी और ऑनलाइन अपराधों से बचने के उपायों पर प्रकाश डालना।4. सामाजिक जिम्मेदारी एवं पर्यावरण संरक्षण-समाज में अनुशासन, सद्भाव और कानून के प्रति सम्मान बढ़ाना।पर्यावरण संरक्षण और स्वच्छता के लिए जागरूकता फैलाना।सामूहिक जिम्मेदारी की भावना विकसित करना।रैली का संचालन -रैली का शुभारंभ पुलिस अधीक्षक अजय पांडे द्वारा हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस रैली में विशेष रूप से यातायात विभाग की उन्नत बाइक सबसे आगे रही, जिसे हाल ही में आधुनिक सुविधाओं से लैस किया गया है। यह बाइक अब यात्रा व्यवस्था और ट्रैफिक प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगी।यातायात बाइक के पीछे पुलिस वाहन ने सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत किया, और उसके बाद समस्त बुलेट बाइक रैली में शामिल रहीं। इन बुलेट बाइकों ने एकजुटता, अनुशासन और जागरूकता का संदेश दिया।प्रचार रथ और जनजागरूकता अभियान-रैली के साथ प्रचार रथ भी रवाना किया गया, जिसने विभिन्न प्रमुख मार्गों पर जाकर सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, और साइबर सुरक्षा के प्रति लोगों को जागरूक किया।नुक्कड़ सभाओं, पोस्टर-बैनर और पंपलेट्स के माध्यम से जन-जन तक यह संदेश पहुंचाया गया।सारांश-यह आयोजन न केवल सड़क सुरक्षा, नशा मुक्ति, और साइबर सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण संदेश लेकर आया, बल्कि समाज में जागरूकता और जिम्मेदारी की भावना को भी मजबूत किया।पुलिस प्रशासन इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग देने वाले सभी अधिकारियों, कर्मचारियों, और नागरिकों का धन्यवाद करता है।

एमपी ऑनलाइन से नये बिजली कनेक्शन के आवेदन

जनवरी माह के अंतिम सप्ताह से मिलने लगेगी सुविधा

छिन्दवाड़ा। ऊर्जा मंत्री प्रद्युम्न सिंह तोमर ने बताया है कि मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने कंपनी कार्यक्षेत्र के 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को नए वर्ष में यह सौगात दी है कि वे अब एम.पी. ऑनलाइन से भी ऑनलाइन आवेदन कर नया बिजली कनेक्शन ले सकेंगे। इसके लिए मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने एम.पी.ऑनलाइन से अनुबंध किया है। बिजली उपभोक्ताओं को यह सुविधा जनवरी के अंतिम सप्ताह से मिलना शुरू हो जाएगी।मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक श्री क्षितिज सिंघल एवं निदेषक (वाणिज्य) श्री सुधीर कुमार श्रीवास्तव की उपस्थिति में मुख्य महाप्रबंधक (वाणिज्य) श्रीमती स्वाति सिंह एवं एम.पी.ऑनलाइन के बिजनेस हेड श्री संदीप राजपाल द्वारा कंपनी मुख्यालय में अनुबंध हस्ताक्षरित किया गया। इसके अनुसार अब एम.पी.ऑनलाइन के माध्यम से भी आवेदन करने पर नया बिजली कनेक्शन मिलने के साथ ही गैर कृषि उपभोक्ताओं का ईकेवाईसी, पीएम-सीएम किसान सम्मान निधि लाभार्थी का सत्यापन तथा पूर्व से विद्यमान कनेक्शन में भार वृद्धि, नाम परिवर्तन इत्यादि की सुविधा भी इसके माध्यम से मिलने लगेगी।

पौधा भेंट कर नव वर्ष की शुभकामनाएं बधाई दी

छिंदवाड़ा। नव वर्ष 2025 के उपलक्ष्य में वृक्ष मित्र रवीन्द्र सिंह, जैव विविधता दूत मोहन साहू , बसंत दुबे , जैविक कृषि विषेषज्ञ महेंद्र यादव ने एक नया अभियान शुरू किया है लोग नव वर्ष पर माला और मिठाई लेकर जाते हैं आज नव वर्ष के शुभारंभ पर नव निर्वाचित जिले के सांसद बंटी विवेक साहू के पिता नरेंद्र साहू एवं छत्तीसगढ़ की राज्यपाल एवं मिजोरम की राज्यपाल राज्यसभा सांसद पूर्व मंत्री एवं वर्तमान में सेवा निवृत्त उनके निजी निवास पर जाकर के उन्हें पौधा भेंट किया उन्होंने अपना जो आवास बनाया है वह एक तरह से पर्यटन केंद्र के रूप में उन्होंने विकसित किया है सभी तरह के जैव विविधता के पौधे उन्होंने लगाए हैं सब्जी जैविक तरीके से तैयार कर रही हैं । सुश्री अनुसुइया उइके ने जिले वासियों को नव वर्ष शुभकामनाएं देते हुए कहा कि प्रकृति संरक्षण का कार्य शासन अकेले नहीं कर सकता इसमें हमारा एवं समाज का सहयोग आवश्यक है।

थाना उमरेठ पुलिस ने अवैध शराब परिवहन पर की बड़ी कार्रवाई

ग्राम बीजकवाड़ा में पुलिस नें एक मारुती वैगनार कार सहित 12 नग कार्टूनो में भरी 92 लीटर 325 एम.एल अंग्रेजी शराब कुल कीमती 5,05,515 रुपये किया जप्त

छिंदवाड़ा। पुलिस अधीक्षक छिंदवाड़ा अजय पांण्डे अति. पुलिस अधीक्षक श्री ए.पी. सिंह, के निर्देशन में नव वर्ष के दौरान अवैध शराब तस्करी एवं परिवहन करने वालो के विरुध्द प्रभावी कार्यवाही करने हेतु विशेष अभियान चलाया गया जिसके अन्तर्गत अनु. अधि.. पुलिस परासिया जितेन्द्र सिंह जाट के नेतृत्व में थाना प्रभारी उमरेठ द्वारा अपने स्टाफ के साथ दिनांक 01.01.2025 को नव वर्ष के दौरान सुरक्षा व्यवस्था एवं कस्बा पेट्रोलिंग के दौरान मारुती सुजकी वैगनार कार क्र. स्क्क36 ष्ट 3956 के चालक दको रोका गया जो चकमा देकर कचराम तरफ भागा जिसका पुलिस द्वारा थाना मोबाईल एवं डायल 100 के पीछा किया गया जो कार चालक ग्राम बीचकवाड़ा में माता मंदीर के सामने मौके अंधेरा का फायदा उठाकर भाग गया कार की तलासी के दौरान कार से 12 पेटी अंग्रेजी शराब बरामद की गई।

घटना का विवरण– दिनांक 01.01.2025 को थाना उमरेठ के थाना प्रभारी निरी विजय राव माहोरे अपने स्टाफ उनि. अनिल कुमार उइके, उनि. अंजना मरावी, सउनि. नितेश ठाकुर एवं अन्य थाना स्टाफ के साथ नव वर्ष आगमन में थाना क्षेत्र में सुरक्षा व्यवस्था एवं कस्बा पेट्रोलिंग कर रहे थे जो दौरान पेट्रोलिंग के महाराष्ट्र बैंक तिराहा में एक सफेद रंग की वैगनार कार क्र. स्क्क36 ष्ट 3956 आती दिखी जिसे पुलिस द्वारा हाथ देकर रोकने का प्रयास किया गया जो कार चालक पुलिस को चकमा देकर कार लेकर कचराम तरफ भागा जिसका पुलिस द्वारा पीछा किया गया जो जो कार चालक ग्राम बीचकवाड़ा में माता मंदीर के सामने मौके अंधेरा का फायदा उठाकर भाग गया पुलिस द्वारा मौके पर 02 गवाहो को तलब कर गवाहो के समक्ष कार की तलासी ली गई तलासी के दौरान वैगनार कार क्र. स्क्क36 ष्ट 3956 के डिग्गी में 08 नग खाकी रंग के कार्टुनो में भरी अंग्रेजी शराब तथा कार के बीच की सीट से 04 नग खाकी रंग के कार्टुनो में भरी अंग्रेजी शराब बरामद हुई जो पुलिस द्वारा तलासी पंचनामा तैयार कर कार्टुनो में भरी अंग्रेजी शराब की पृथक पृथक गिनती की गई जो कुल 12 नग खाकी रंग के कार्टुनो में कुल 92 लीटर 325 एम.एल. अंग्रेजी शराब बरामद हुई जिसे मौके पर मुताबिक जप्ती पत्रक के जप्त कर कब्जा पुलिस में लिया गया मारुती सुजकी वैगनार कार क्र. स्क्क36 ष्ट 3956 के चालक का कृत्य अपराध धारा 34(2) आबकारी अधिनियम का पाये जाने से आरोपी के बिरुध्द अप. क्र. 01/2025 धारा 34(2) आबकारी अधिनियम का पंजीबध्द कर विवेचना में लिया गया।

अंधे हत्याकांड का किया खुलासा आरोपी को किया गिरफ्तार

घटना का संक्षिप्त विवरण:– सूचनाकर्ता दीपक धुर्वे पिता सिनोद धुर्वे उम्र 19 साल निवासी ग्राम जमुनिया चौकी सिंगोडी थाना अमरवाडा के द्वारा अपनी माँ विनिता धुर्वे के दिनांक 26.12.24 के रात्री से गुम हो जाने की सूचना दिनांक 29.12.24 को रात्री में चौकी सिगोडी में की थी जिस पर थाना अमरवाडा में गुम इंसान क्रमाक 162/24 कायम कर जांच में लिया गया था जांच के दौरान दिनांक 30.12.24 दोपहर में ग्राम जमुनिया के बडकुहा के जंगल में एक महिला का करीबन 3-4 दिन पुराना शव मिला था जिसकी पहचान विनिता पति सिनोद धुर्वे उम्र 39 साल निवासी ग्राम जमुनिया थाना अमरवाड़ा के रूप में हुयी थी , जो प्रार्थी दीपक पिता सिनोद धुर्वे उम्र 19 साल निवासी ग्राम जमुनिया चौकी सिंगोडी थाना अमरवाडा की रिपोर्ट पर मर्ग कायम कर मृतिका के शव की जांच पंचनामा कार्यवाही की जाकर शव का पी.एम. कराया गया। मृतिका विनिता धुर्वे का शव संदिग्ध अवस्था में पाये जाने, मृतिका के सिर एवं शरीर में चोट के निशान पाये गये जो प्रथम दृष्ट्या किसी अज्ञात व्यक्ति द्वारा मृतिका की हत्या करना पाये जाने से अज्ञात आरोपी के विरूद्ध अपराध क्रमांक 862/24 धारा 103(1) भारतीय न्याय संहिता 2023 का कायम किया जाकर अज्ञात आरोपी की तलाश पतासाजी प्रारंभ की गई। पुलिस अधीक्षक अजय पांडे , अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक ए.पी. सिंह , द्वारा मृतिका की मृत्यु के सबंध में सघन जांच कर उक्त अंधे हत्याकांड का खुलासा करने के लिये निर्देशित किया गया।विवेचना के दौरान की गई कार्यवाही– * निर्देशों के पालन में अनुविभागीय अधिकारी (पुलिस) अमरवाडा श्री रवीन्द्र मिश्रा के नेतृत्व में टीम गठित की गई तथा मुखबिर तंत्र सक्रिय किया गया तथा सायबर सेल छिंदवाड़ा के माध्यम से लगातार साक्ष्य एकत्रित किये गये। विवेचना दौरान अंधे हत्याकांड के सबंध में सूक्ष्मता से कार्यवाही कर घटना की कड़ी से कड़ी जोड़कर साक्ष्य एकत्रित किये गये ।थाना प्रभारी अमरवाडा निरी. राजेन्द्र धुर्वे एवं पुलिस चौकी सिंगोडी की पुलिस टीम ने विवेचना पर पाया कि मृतिका विनिता धुर्वे का संदेही संतोष यादव निवासी निवासी ग्राम जमुनिया से मेल जोल था एवं अंतिम बार भी उसी के साथ देखी गयी थी संदेह के आधार पर संदेही को हिरासत में लेकर सघन पूछताछ की गयी तो आरोपी ने बताया कि उसके मृतिका से करीबन 5 साल से प्रेम संबंध थे मृतिका आरोपी पर साथ रहने के लिये दवाव बना रही थी इस कारण आरोपी ने दिनांक 26.12.24 को मृतिका को फोन करके गांव के बाहर जंगल में बुलाया और मृतिका के साथ लकडी से मारपीट कर हत्या कर मृतिका के शव को साडी से ढक कर मृतिका का मोबाइल साथ में लेकर वहाँ से भाग गया । आरोपी संतोष यादव पिता भैयालाल यादव उम्र 42 साल निवासी ग्राम जमुनिया चौकी सिंगोडी थाना अमरवाडा को पुलिस द्वारा गिरफ्तार कर लिया गया । आरोपी से घटना में प्रयुक्त लकडी एवं मृतिका की मोबाइल सिम जप्त की गयी है ।

रेत खनिज का अवैध परिवहन एवं उल्लंघन प्रमाणित होने पर सवा 61 हजार रूपए की शास्ति अधिरोपित

अवैध परिवहन में संलिप्त वाहन भी खनिज रेत सहित राजसात

छिन्दवाड़ा। कलेक्टर शीलेन्द्र सिंह द्वारा कलेक्टर न्यायालय में प्रस्तुत एक प्रकरण में वाहन मालिक अहबाब खान पिता मकलूब खान निवासी वार्ड नंबर 16 जुन्नारदेव तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा द्वारा म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अनुसार रेत खनिज का अवैध परिवहन करने और अवैध परिवहन का उल्लंघन प्रमाणित होने पर प्रावधान अनुसार अनावेदक वाहन मालिक अहबाब खान पिता मकलूब खान निवासी वार्ड नंबर 16 जुन्नारदेव तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा पर अर्थशास्ति और पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति की कुल शास्ति राशि की दुगुना राशि 61250 रुपए अधिरोपित की गई है। साथ ही अवैध परिवहन में संलिप्त लाल रंग का महिन्द्रा कंपनी का ट्रेक्टर 295 डी आई माडल रजिस्ट्रेशन नंबर स्क्क28, ष्ट 2475 चैचिस नंबर RGJY04651 इंजन नंबर RGJY04651 में लाल रंग की बिना नंबर की ट्राली जिसमें ह्क्र लिखा है को खनिज सहित राजसात किया गया है।

कलेक्टर श्री सिंह ने बताया कि खनिज अधिकारी छिंदवाड़ा के माध्यम से प्रस्तुत प्रकरण में अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जुन्नारदेव के प्रतिवेदन 14 जून 2024 में अनावेदक के विरूद्ध अर्थदण्ड अधिरोपित किये जाने की अनुशंसा की गई है। थाना प्रभारी जुन्नारदेव द्वारा प्रतिवेदन 22 अप्रैल 2024 के माध्यम से अवगत कराया गया कि 20 मार्च 2024 को अंबेडकर चौक की ओर से चिखलमउ तिराहे की ओर एक लाल रंग का ट्रेक्टर ट्राली आते हुये दिखा, ट्रेक्टर का चालक पुलिस को देखकर ट्रेक्टर ट्राली को नगरपालिका कार्यालय के पास तामिया रोड पर छोड़कर भाग गया। ट्रेक्टर ट्राली के पास जाकर देखने पर लाल रंग का महिन्द्रा कंपनी का ट्रेक्टर 295 डी आई मॉडल रजिस्ट्रेशन नंबर MP28 AC 2475 चैचिस नंबर RGJY04651 इंजन नंबर RGJY04651 में लाल रंग की बिना नंबर की ट्राली जिसमें ह्क्र लिखा है में उपर तक रेत भरी पाई गई । ट्रेक्टर मय ट्राली को मय रेत के थाना परिसर लाकर खड़ा कराया गया। वाहन मालिक अहबाब खान पिता मकलूब खान निवासी वार्ड नंबर 16 जुन्नारदेव तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा द्वारा घटना दिनांक के पूर्व से इस ट्रेक्टर ट्रॉली को प्रतीक संकत पिता अजय संकत निवासी वार्ड नंबर 12 जुन्नारदेव को किराये पर देना बताया गया। इसमें खनि निरीक्षक द्वारा प्रस्तुत प्रतिवेदन एवं अनावेदक द्वारा प्रस्तुत जवाब एवं संलग्न दस्तावेजों का सूक्ष्मता से परिशीलन एवं अवलोकन करने के उपरांत म.प्र.खनिज (अवैध खनन, परिवहन तथा भंडारण का निवारण) नियम 2022 के अध्याय 5 नियम 19 के अनुसार अनावेदक वाहन मालिक अहबाब खान पिता मकलूब खान निवासी वार्ड नंबर 16 जुन्नारदेव तहसील जुन्नारदेव जिला छिन्दवाड़ा के लाल रंग का महिन्द्रा कंपनी का ट्रेक्टर 295 डी आई मॉडल रजिस्ट्रेशन नंबर MPw} AC 2475 चैचिस नंबर RGJY04651 इंजन नंबर RGJY04651 में लाल रंग की बिना नंबर की ट्राली जिसमें ह्क्र लिखा है द्वारा 3 घनमीटर रेत खनिज का अवैध परिवहन पाये जाने पर नियमानुसार 5625 रुपए की अर्थशास्ति, 25000 रुपए की पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति, 1000 रुपए की प्रशमन राशि को मिलाकर कुल शास्ति मय प्रशमन शुल्क 31625 रूपये अधिरोपित करने के लिये प्रस्तावित किया गया। लेकिन अनावेदक द्वारा प्रशमन स्वीकार नहीं किए जाने के कारण नियम के प्रावधान अनुसार अर्थशास्ति एवं पर्यावरणीय क्षतिपूर्ति के कुल योग 30625 रुपए की दुगुना राशि 61250 रूपए की शास्ति अधिरोपित की गई है। साथ ही नियम के अध्याय 5 नियम 19 (5) के प्रावधानों के अनुसार लाल रंग का महिन्द्रा कंपनी का ट्रेक्टर 295 डी आई मॉडल रजिस्ट्रेशन नंबर एमपी28 AC 2475 चैचिस नंबर RGJY04651 इंजन नंबर RGJY04651 में लाल रंग की बिना नंबर की ट्राली जिसमें ह्क्र लिखा है को शासन के हित में खनिज सहित राजसात करने के आदेश भी पारित किये गये हैं । उन्होंने खनि अधिकारी को निर्धारित प्रावधानों के अनुसार वाहन का पंजीयन निरस्त करने, शास्ति की राशि निर्धारित मद में शासन के पक्ष में जमा कराई जाने की अग्रिम कार्यवाही करने और आरोपित शास्ति की राशि की प्रविष्टि अर्थदण्ड पंजी में कराये जाने के निर्देश दिये हैं।

आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत हितग्राहियों के लिए मानक प्रक्रिया एवं आवश्यक निर्देश

छिन्दवाड़ा। मुख्य कार्यपालन अधिकारी आयुष्मान भारत योजना डॉ. योगेश भरसट ने आयुष्मान भारत योजना में हितग्राहियों को निशुल्क उपचार प्रदान करने के लिए प्रक्रियाओं और निर्देशों की जानकारी दी है। उन्होंने कहा कि इन प्रक्रियाओं और निर्देशों का पालन करके हितग्राही आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत निःशुल्क उपचार का लाभ सहजता से प्राप्त कर सकते हैं।हितग्राही अस्पताल पहुँचने के बाद सबसे पहले आयुष्मान योजना के लिए पंजीकृत कियोस्क का पता करें और अपने दस्तावेज़, जैसे आयुष्मान कार्ड, आधार कार्ड, राशन कार्ड, समग्र आईडी, पात्रता पर्ची, संबल कार्ड या कार्ड को आयुष्मान मित्र को दिखाएं। पात्रता सत्यापन के दौरान आयुष्मान मित्र आपके आयुष्मान कार्ड और आधार/समग्र आईडी का मिलान करेगा और उपचार के लिए अस्पताल की पात्रता सुनिश्चित करेगा। सत्यापन के बाद, आयुष्मान मित्र आपको निःशुल्क उपचार की प्रक्रिया समझाएगा और चिकित्सीय परामर्श तथा उपचार की प्रक्रिया शुरू होगी।

उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार भुगतान करने की आवश्यकता नहीं

उपचार के दौरान हितग्राही को किसी भी प्रकार की राशि का भुगतान करने की आवश्यकता नहीं है। यदि किसी उपकरण, दवा या सेवा के लिए अस्पताल द्वारा अतिरिक्त राशि चार्ज की जाती है, तो हितग्राही को तुरंत हेल्पलाइन नंबर पर इसकी जानकारी देनी चाहिए। उपचार पूरा होने के बाद डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करना सुनिश्चित करें और अस्पताल से मंगलकामना पत्र लेना न भूलें।

एनएचए हेल्पलाइन नंबर 14555, एसएचए मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर पर कर सकते हैं शिकायत

हितग्राही से अपेक्षा की जाती है कि वे उपचार के बाद फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें और हस्ताक्षर करें। यदि किसी स्तर पर अतिरिक्त राशि की मांग की जाती है या किसी प्रकार की असुविधा होती है, तो हितग्राही को तुरंत ह्य हेल्पलाइन नंबर 14555 या स्ना मध्यप्रदेश हेल्पलाइन नंबर 18002332085 पर शिकायत दर्ज करायें।

हितग्राही को क्या करना है

हितग्राही को चाहिए कि वे अपने आवश्यक दस्तावेज जैसे आयुष्मान कार्ड, पात्रता पर्ची, आधार कार्ड, राशन कार्ड और समग्र आईडी अपने साथ रखें। अस्पताल पहुँचते ही आयुष्मान कियोस्क पर जाएं और आयुष्मान मित्र से अपनी पात्रता की पुष्टि करवाएं। यह सुनिश्चित करें कि अस्पताल आपकी बीमारी से संबंधित स्पेशलिटी के लिए पैनल में शामिल है। पात्रता की पुष्टि होने के बाद निःशुल्क उपचार प्रक्रिया को समझें और उसका पालन करें। डिस्चार्ज के समय निल (शून्य बकाया) राशि का बिल प्राप्त करें और फीडबैक फॉर्म को सही जानकारी के साथ भरें।

भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस स्वाभिमान का प्रतीक:लोखंडे

भारतीय बौद्ध महासभा द्वारा भीमा कोरेगांव दिवस समारोह का आयोजन

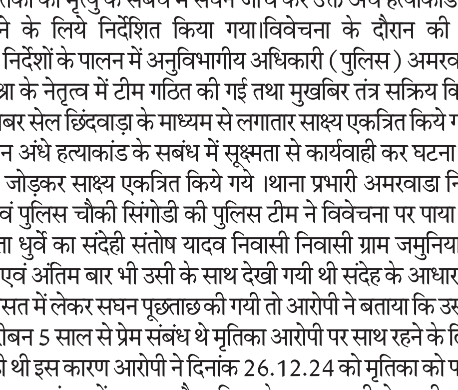

छिन्दवाड़ा। संविधान निर्माता डॉ. आम्बेडकर द्वारा पंजीकृत संगठन भारतीय बौद्ध महासभा के तत्वाधान में भीमा कोरेगांव शौर्य दिवस समारोह का आयोजन छिन्दवाड़ा के डॉ. आम्बेडकर तिराहे पर महासभा के ट्रस्टी चेयरमेन डॉ.चन्द्रबोधी पाटिल के निर्देशानुसार किया गया इस अवसर पर सर्वप्रथम संविधान निर्माता डा.बाबा साहब आम्बेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण भारतीय बौद्ध महासभा प्रदेश उपाध्यक्ष एड.रमेश लोखंडे, जिला उपाध्यक्ष एड.राजेश सांगोडे,संगठक वसंता सोमकुंवर, एड.प्रशांत गजभिये, भीमराव सोमकुंवर, वंदना सोमकुंवर, जयश्री सोमकुंवर, ओमकार चौहान सहित कई उपासक उपासिका एवं भीम सैनिकों द्वारा किया गया तदुउपरांत प्रदेश उपाध्यक्ष एड.लोखंडे द्वारा पंचशील ध्वजारोहण कर सुजाता महिला संघ द्वारा सामूहिक बुद्ध वंदना की गयी ,इस अवसर पर इलेक्ट्रॉनिक मीडिया एवं प्रिंट मीडिया एवं भारतीय बौद्ध महासभा के पदाधिकारियो को संबोधित करते हुये ,प्रदेश उपाध्यक्ष एड.रमेश लोखंडे द्वारा कहा कि 1 जनवरी 1818 को विश्व भूषण डॉ. बाबा साहब आम्बेडकर की स्वाभिमानी कोम महार कम्युनिटी द्वारा लड़ा गया। भीमा कोरेगांव संग्राम बहुजन विचारधारा विरोधियों द्वारा अस्पृश्यों के साथ किये जा रहे उत्पीड़न से तंग आकर उनसे छुटकारा पाने के लिये क्रांतिकारी कदम था। 11 मार्च 1689 को तत्कालीन कटरपंथी लोगों की सहायता से मुगल बादशाह औरंगजेब ने छत्रपति संभाजी महाराज की धोखे से हत्या कर दी थी उनकी हत्या का बदला लेने के लिये मात्र 500 महार सैनिकों के द्वारा पेशाओं के 28000 से अधिक पेशवा सैनिकों को मौत के घाट उतार दिया था उनको श्रद्धा सुमन अर्पित करने हेतु 1 जनवरी को भीमा कोरेगांव पहुंचकर वीर सैनिकों को श्रद्धा सुमन अर्पित करते है। जहाँ एक ओर सम्पूर्ण विश्व के नागरिक 1 जनवरी को नववर्ष के रूप में मनाते है, परंतु डॉ.आम्बेडकर वादी जनता इस ऐतिहासिक दिन को शौर्य दिवस के रूप में मनाती है,यह दिन संपूर्ण बहुजनों को प्रेरणा देने वाला दिन है। 1 जनवरी 1818 को पूने के पास भीमा नदी के तट पर भीमा कोरेगांव में महार रेजीमेंट के 500 सैनिकों द्वारा पेशाओं की 28000 से अधिक सैनिकों की सेना का पराभव किया था इसलिये इस युद्ध के अतुलीयन शौर्य ने विजय पराक्रम का ध्वज फहराया था

सरकारी अधिकारियों की सैलरी की जानकारी आरटीआई में देना अनिवार्य

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाई कोर्ट ने अपने एक महत्वपूर्ण निर्णय में कहा है कि सूचना का अधिकार अधिनियम (आरटीआई) में लोकसेवकों के वेतन की जानकारी देना अनिवार्य है। गोपनीयता के तर्क पर इसकी

सूचना देने से इन्कार नहीं किया जा सकता।

न्यायमूर्ति विवेक अग्रवाल की एकलपीठ ने लोकसेवकों के वेतन की सूचना देने से इन्कार करने के खिलाफ दायर एक याचिका पर सुनवाई में यह निर्णय दिया। हाई कोर्ट ने लोकसेवकों के वेतन की जानकारी सार्वजनिक महत्व की है, जिसे गोपनीय नहीं माना जा सकता।

सूचना आयोग और लोक सूचना अधिकारी ने भी इस सूचना को गोपनीय माना था। ऐसे में, एकल पीठ ने इन दोनों के पूर्व में जारी आदेश को भी निरस्त कर दिया। इसके साथ ही याचिकाकर्ता को एक माह में सूचना उपलब्ध कराने के निर्देश दिए।

पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत

याचिकाकर्ता छिंदवाड़ा निवासी एमएम शर्मा की ओर से दलील दी गई थी कि लोक सेवकों के वेतन की जानकारी को सार्वजनिक करना सूचना का अधिकार अधिनियम, 2005 की धारा-चार के तहत अनिवार्य है।

ऐसे में, लोक सेवकों के वेतन की जानकारी को धारा 8 (1)(जे) का हवाला देकर व्यक्तिगत या तृतीय पक्ष की सूचना बताकर छिपाना अधिनियम के उद्देश्यों और पारदर्शिता के सिद्धांतों के विपरीत है।

जानकारी उपलब्ध कराने से इन्कार किया

दरअसल, याचिकाकर्ता ने छिंदवाड़ा वन परिक्षेत्र में कार्यरत दो कर्मचारियों के वेतन भुगतान के संबंध में जानकारी मांगी थी। लोक सूचना अधिकारी ने जानकारी को निजी और तृतीय पक्ष की जानकारी बताते हुए इसे उपलब्ध कराने से इन्कार कर दिया था।

स्टे का जवाब दाखिल करने के लिए मांगी रिश्वत, सहायक संचालक को 5 हजार रुपए की घूस लेते पकड़ा

बड़वानी। हाईकोर्ट में स्टे का जवाब दाखिल करने के लिए रिश्वत मांगने पर मत्स्य उद्योग विभाग के सहायक संचालक नारायण प्रसाद रायकवार को लोकायुक्त ने बुधवार को रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। सहायक संचालक ने फरियादी महेश दिलवारे से 5 हजार रुपए रिश्वत मांगी थी और उन्हें कार्यालय में बुलाया था। लोकायुक्त टीम ने रिश्वत लेते हुए रायकवार को पकड़ा। शाम तक चली कार्रवाई के बाद आरोपी को नोटिस देकर छोड़ा दिया गया।

लोकायुक्त डीएसपी दिनेशचंद्र पटेल ने बताया कि फरियादी महेश, निवासी राजपुर, मछली पालन का व्यवसाय करते हैं। उन्होंने 2013 में ग्राम जलगोन के 85.780 हेक्टेयर सिंचाई जलाशय का 10 साल के लिए पट्टा लिया था। नवीनीकरण के लिए आवेदन किया, जिसे कलेक्टर ने निरस्त कर दिया। इसके बाद जनपद पंचायत ने नई विज्ञप्ति जारी की। इस पर आदिवासी डूब प्रभावित मछ्या समूह जलगोन के अध्यक्ष की ओर से उच्च न्यायालय खंडपीठ इंदौर से स्थगन आदेश लिया गया।

एमपी ऑनलाईन से जमा कर सकेंगे बिजली बिल, जनवरी में ही शुरू हो जाएगी सुविधा

भोपाल। अब आपको बिल जमा करने के लिए बिजली कार्यालय के चक्कर नहीं लगाना होंगे। बिल जमा करने की प्रक्रिया को अत्यधिक आसान बनाने की दिशा में मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी जल्द ही महत्वपूर्ण कदम उठाने जा रही है।

दरअसल अब जनवरी 2025 के अंतिम सप्ताह यानि इसी महीने से

एमपी ऑनलाइन पर भी बिल जमा करने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

इसके साथ ही नये कनेक्शन के लिए भी उपभोक्ता आवेदन कर सकेंगे। बिजली कंपनी नये साल में उपभोक्ताओं को सौगात दे रही है।

बता दें कि बिजली कंपनी द्वारा भोपाल सहित अपने कार्यक्षेत्र के 16 जिलों में स्मार्ट मीटर लगाने का काम शुरू कर दिया है। इसी के चलते यह नई सुविधा भी शुरू की जा रही है।

हुआ कंपनी का अनुबंध

- मध्यक्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी ने आनलाइन बिजली बिल जमा करने की सुविधा शुरू करने के लिए एमपी आनलाइन से अनुबंध हस्ताक्षरित किया है।
- इस दौरान कंपनी के प्रबंध संचालक क्षितिज सिंघल, निदेशक वाणिज्य सुधीर कुमार श्रीवास्तव और एमपी ऑनलाइन के चीफ ऑपरेटिंग अधिकारी प्रशांत राठी मौजूद थे।
- कंपनी के वरिष्ठ प्रकाशन अधिकारी मनोज द्विवेदी ने बताया कि कंपनी अपने कार्यक्षेत्र के भोपाल, नर्मदापुरम, ग्वालियर और चंबल संभाग के अंतर्गत आने वाले 16 जिलों के बिजली उपभोक्ताओं को सौगात दी है।
- बिजली उपभोक्ता अब एमपी आनलाइन के माध्यम से भी आवेदन कर नया बिजली कनेक्शन ले सकेंगे।

यूनियन कार्बाइड का कचरा: कैलाश ने मांगी सुरक्षा की गारंटी, शाह बोले- कोर्ट का आदेश

भोपाल। मध्य प्रदेश के दो मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विजय शाह के बीच यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे के निस्तारण को लेकर मतभेद सामने आए हैं। एक तरफ जहां विजयवर्गीय ने कचरे को पीथमपुर न लाने का आग्रह किया है, वहीं मंत्री विजय शाह का कहना है कि यह प्रक्रिया उच्च न्यायालय के आदेश के बाद की जा रही है। दोनों पक्षों के बीच चल रही इस विवाद में न्यायालय के आदेश का पालन करने की बात कही जा रही है।

यूनियन कार्बाइड के 337 टन जहरीले कचरे के निस्तारण की प्रक्रिया को लेकर मध्य प्रदेश के मंत्री कैलाश विजयवर्गीय और विजय शाह के बीच गहरी असहमतियां सामने आई हैं। विजयवर्गीय का कहना है कि कचरे का निस्तारण तभी किया जाए जब उसे पूरी तरह से सुरक्षित माना जाए। वहीं विजय शाह का कहना है कि कचरा शिफ्टिंग न्यायालय के आदेश के तहत ही की जा रही है।

विजयवर्गीय की स्वास्थ्य संबंधी चिंता- कैलाश विजयवर्गीय ने यह स्पष्ट किया कि वे इंदौर और पीथमपुर के नागरिकों के स्वास्थ्य से खिलवाड़ नहीं होने देंगे। उनका कहना था कि जब तक वे पूरी तरह से संतुष्ट नहीं हो जाते कि कचरे से कोई खतरा नहीं है, तब तक इस कचरे को इन क्षेत्रों में नहीं लाया जाएगा।

मंत्री विजय शाह का पक्ष- वहीं, मंत्री विजय शाह ने इस प्रक्रिया के बारे में कहा कि यह उच्च न्यायालय के आदेश के तहत हो रही है। वे इसे पूरी तरह से न्यायिक प्रक्रिया मानते हैं और उनका कहना था कि जो भी पक्ष इस पर आपत्ति उठाना चाहता है, वह न्यायालय में जा सकता है।

उच्च न्यायालय का आदेश और कचरा शिफ्टिंग- मंत्री विजय शाह ने यह स्पष्ट किया कि उच्च न्यायालय द्वारा दिए गए आदेश के पालन में कचरा पीथमपुर भेजा जा रहा है। अगर किसी को इस पर आपत्ति है, तो वे उच्च न्यायालय में अपनी बात रख सकते हैं। यह पूरी प्रक्रिया पूरी तरह से न्यायालय के आदेश का पालन करते हुए की जा रही है।

स्वतंत्र कुमार सिंह का कहना है...

यूनियन कार्बाइड कारखाना परिसर में 40 वर्षों से दफन जहरीले कचरे का अंतिम निपटान शुरू हुआ है। गैस राहत एवं पुनर्वास विभाग के संचालक स्वतंत्र कुमार सिंह के अनुसार, यह कचरा मिथाइल आइसोसाइनेट गैस रिसाव के बाद का रासायनिक कचरा है, जिसे पीथमपुर में जलाया जाना है। उनका कहना था कि यूका का 40 वर्ष पुराना जहरीला कचरा समाप्त किया जाना मतलब एक काला अध्याय का खत्म होना है। उन्होंने कहा कि कोर्ट के आदेश तीन दिसंबर 2024 के परिपालन में यह रासायनिक कचरा पीथमपुर में जलाया जाना है। हम मान सकते हैं कि रासायनिक कचरे से कारखाना पूरी तरह मुक्त हो जाएगा। दरअसल 40 वर्ष पुरानी त्रासदी का मामला 20 साल से न्यायालय में चल रहा है। यहां कुल 347 टन कचरा था, जिसमें से 10 टन पहले जलाया जा चुका है और अब बाकी का भी जल्द से जल्द जला दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि 2015 में जो कचरा जलाया गया था, उसकी रिपोर्ट उपलब्ध है। किसी भी तरह का कोई पर्यावरण नुकसान इससे नहीं हुआ है। स्थानीय नागरिक, किसानों से बातचीत की गई है। हम भरोसा दिला रहे हैं कि कोई नकारात्मक प्रभाव नहीं होगा।

महेंद्र गोयनका से देर रात तक आईटी ने की पूछताछ, राजेश शर्मा की प्रॉपर्टी अटैच

भोपाल। राजधानी भोपाल में जमीन की खरीद-फरोख्त के मामले में इनकम टैक्स के छापों की जद में आए खनन कारोबारी महेंद्र गोयनका से आयकर विभाग ने देर रात कर पूछताछ की है। इसके साथ ही मामले में आयकर विभाग के लपेटे में आए त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के सर्वेसर्वा राजेश शर्मा की प्रॉपर्टी भी अटैच कर ली गई है। आपको बता दें कि इससे पहले आयकर विभाग ने 24 दिसंबर को भोपाल, इंदौर और ग्वालियर के कुल 52 स्थानों पर छापेमारी की थी। इसमें करोड़ों रुपए नकद और कई लॉकर्स की जानकारी मिली थी। साथ ही, बड़ी संख्या में जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेज भी जब्त किए गए थे। इन दस्तावेजों में कई अफसरों, नेताओं, व्यापारियों और फिल्मी सितारों के नाम शामिल हैं।

महेंद्र गोयनका रायपुर बेस्ड खनन कारोबारी हैं। वह विभिन्न व्यवसाय क्षेत्रों में सक्रिय हैं, विशेषकर औद्योगिक और व्यापारिक क्षेत्रों में। भोपाल में आयकर की छापेमार कार्रवाई में कारोबारी का नाम भी सामने आया था। जिसके बाद आरोप लगे थे कि छापे के बाद महेंद्र गोयंका अपनी पत्नी के साथ विदेश चले गए हैं। गोयनका पर राजधानी भोपाल में करोड़ों रुपये के निवेश के आरोप हैं। आपको बता दें कि आयकर विभाग की जांच में पता चला था कि गोयनका ने भोपाल के बिल्डर राजेश शर्मा के जरिए राजधानी में करीब 300 करोड़ रुपए से ज्यादा का निवेश किया है। यह इन्वेस्टमेंट भोपाल में बेनामी जमीनों की खरीदारी में किया गया है, जिसमें आयकर विभाग को शैल कंपनियों के जरिए टैक्स चोरी के भी संकेत मिले हैं। रायपुर, कटनी और जबलपुर में ये शैल कंपनियां बनाई गई हैं, जिनके जरिए करोड़ों रुपए का रोटेशन किया गया है।

मीडिया के सामने आये थे गोयनका- कुछ दिन पहले खनन कारोबारी महेंद्र गोयनका ने मीडिया से बातचीत में अपना पक्ष रखा था। गोयनका ने बिल्डर राजेश शर्मा से अपनी दोस्ती और यूरोप में इन्वेस्टमेंट से लेकर तमाम सवालों के जवाब दिए। उन्होंने ने कहा, राजेश शर्मा से मेरी 365 दिन बात होती है। आज भी हुई, कल भी हुई थी। वे अच्छे हैं और घर में एन्जॉय कर रहे हैं। महेंद्र ने आरटीओ के पूर्व आरक्षक सौरभ शर्मा के नाम पर अनभिज्ञता जताई। उन्होंने कहा कि वे सौरभ को नहीं जानते हैं। ये महज इत्तेफाक रहा कि जब इनकम टैक्स के छापे पड़े, तभी सौरभ पर भी कार्रवाई हुई।

राजेश मेरे मित्र हैं- विदेश जाने के सवाल पर महेंद्र गोयनका ने कहा, इनकम टैक्स की सर्च एक रूटीन प्रक्रिया है। मैं 16 दिसंबर को पत्नी के साथ विदेश गया था और 20 दिसंबर को वापस आ गया। मेरे विदेश दौरे से छापों का कोई लेना-देना नहीं है। राजेश शर्मा से रिश्तों पर गोयनका बोले, राजेश मेरे मित्र हैं, वे पारिवारिक सदस्य हैं। हम बिजनेस पाटर्नर नहीं हैं, मैंने उनके साथ इससे पहले कभी कोई कारोबार नहीं किया। मैं एक व्यापारिक घराने से हूं। मुझे किसी के साथ मिलकर ब्लैक मनी को व्हाइट करने की जरूरत नहीं है। मुझे किसी अधिकारी अथवा किसी व्यक्ति के पैसे भी बिलकुल जरूरत नहीं है। वहीं, बात सौरभ शर्मा की रही तो मेरी कभी उनसे मुलाकात नहीं हुई। मैं सौरभ को जानता भी नहीं हूं।

बढ़ सकती हैं राजेश शर्मा की मुश्किलें

आयकर विभाग के लपेटे में आए त्रिशूल कंस्ट्रक्शन के सर्वेसर्वा राजेश शर्मा की मुश्किलें बढ़ सकती हैं। ताजा जानकारी के मुताबिक, आयकर विभाग ने राजेश शर्मा की प्रॉपर्टी भी अटैच कर ली गई है। इसके साथ ही आयकर विभाग अब राजेश शर्मा और किसानों के बीच हुए लेन- देन की सच्चाई की जांच कर रहा है। इसी सिलसिले में आयकर विभाग इंदौर में किसानों से पूछताछ कर रहा है। जहां पूछताछ में कुछ किसानों ने खुलासा किया है कि उनका राजेश शर्मा से लेन-देन किया है। जल्द ही यह साफ हो जाएगा कि राजेश शर्मा ने यह लेन- देन किसके लिए किया था।

किसानों ने किया खुलासा

मिली जानकारी के अनुसार आयकर विभाग की पूछताछ में कुछ किसानों ने कबूल किया है कि उन्होंने राजेश शर्मा से लेन-देन किया है। उसने कुछ पैसे नकद और कुछ ऑनलाइन दिए हैं। जाहिर है आईटी को हाथ सिरा आ चुका है, जल्द ही सारे धागे भी खुल सकते हैं।

52 स्थानों पर की थी छापेमारी

आयकर विभाग ने 24 दिसंबर को भोपाल, इंदौर और ग्वालियर के कुल 52 स्थानों पर छापेमारी की थी। इसमें करोड़ों रुपए नकद बरामद किए गए थे। साथ ही, बड़ी संख्या में जमीन की खरीद-फरोख्त से जुड़े दस्तावेज भी जब्त किए गए। इन दस्तावेजों में कई अफसरों, नेताओं, व्यापारियों और फिल्मी सितारों के नाम शामिल हैं।

रिपीट होने वाले जिलाध्यक्षों की प्रदेश नेतृत्व से शिकायत, सागर में सबसे ज्यादा खींचतान

भोपाल। मप्र में भाजपा जिलाध्यक्षों की नियुक्ति को लेकर घमासान छिड़ा हुआ है। जिन जिलों के अध्यक्ष रिपिट होने की संभावना है, वहां सबसे ज्यादा गहमागहमी है। ऐसे जिलों के स्थानीय नेता और कार्यकर्ता प्रदेश नेतृत्व के पास जिलाध्यक्षों की शिकायतें लेकर पहुंच रहे हैं। घोषित होने के बाद बदले गए मंडल अध्यक्षों ने भी स्थानीय नेताओं की शिकायत की हैं।

प्रदेश भर में हुई रायशुमारी के बाद बनाए गए पैनल पर आज प्रदेश भाजपा कार्यालय में जिलेवार वन-टू-वन चर्चा होगी। बीजेपी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश, क्षेत्रीय संगठन मंत्री अजय जामवाल, प्रदेश संगठन महामंत्री हितानंद शर्मा जिला निर्वाचन अधिकारियों से पैनल पर चर्चा करेंगे। सागर जिले में दिग्गजों के बीच जिलाध्यक्ष को लेकर खींचतान मची है। सूत्रों की माने तो वर्तमान जिलाध्यक्ष गौरव सिरोठिया रिपिट होने के लिए जोर लगा रहे हैं।

सिरोठिया प्रदेश संगठन के करीबी माने जाते हैं। मंत्री गोविंद सिंह राजपूत से भी सिरोठिया की पटरी बैठती है। पूर्व मंत्री भूपेन्द्र सिंह की ओर से पूर्व सांसद राजबहादुर सिंह का नाम आगे किया गया है। शैलेन्द्र जैन की तरफ से श्याम तिवारी ताकत लगा रहे हैं। पूर्व विधायक हरवंश राठौर भी जिलाध्यक्ष बनने के लिए नेताओं को साधने में लगे हैं। बीजेपी बुद्धिजीवी प्रकोष्ठ के पूर्व प्रदेश सह संयोजक अनिल तिवारी जिलाध्यक्ष बनने के लिए प्रयासरत हैं। तिवारी को गोपाल भार्गव का करीबी माना जाता है। बुधवार को गोपाल भार्गव ने प्रदेश कार्यालय पहुंच कर प्रदेश अध्यक्ष वीडी शर्मा से करीब आधे घंटे बंद कमरे में चर्चा की।

आज से पेट्रोल पंप पर 'शक्ति दीदी', वाहनों में भरेंगी पेट्रोल-डीजल, एमपी के इस शहर में शुरू हुई योजना

ग्वालियर। अब शहर के पेट्रोल पर महिलाएं डीजल व पेट्रोल भरने की जिम्मेदारी निभाएंगी। इसके लिए जिला प्रशासन ने शक्ति दीदी योजना शुरू की है। 2 जनवरी को दोपहर 12 बजे ग्वालियर शहर के 5 पेट्रोलपंप पर अलग-अलग महिलाएं एक साथ यह काम शुरू करेंगी। इसी के साथ जिले में शक्ति दीदी योजना की शुरुआत होगी। कलेक्टर रुचिका चौहान ईदगाह कंपू के समीप स्थित सुविधा पेट्रोल पंप पर शक्ति दीदी पहल के शुभारंभ के दौरान मौजूद रहेंगीं।

कांग्रेस ने फिर मांगा विधानसभा उपाध्यक्ष का पद, स्पीकर को उप नेता प्रतिपक्ष ने लिखा लेटर

भोपाल। मध्यप्रदेश विधानसभा में 2020 से उपाध्यक्ष का पद खाली है। यह पद विपक्ष को देने की परंपरा रही है, लेकिन 2020 में हुए दलबदल के बाद से यह पद खाली है। कांग्रेस ने विधानसभा अध्यक्ष से उपाध्यक्ष के पद को जल्द भरने की मांग की है। उप नेता प्रतिपक्ष हेमंत कटारे ने स्पीकर नरेंद्र सिंह तोमर को पत्र लिखकर उपाध्यक्ष का पद विपक्ष को देने की मांग की है। कटारे ने लेटर की कॉपी सीएम डॉ. मोहन यादव, संसदीय कार्यमंत्री कैलाश विजयवर्गीय और नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार को भी भेजी है।

विधानसभा अध्यक्ष के नाम लिखे लेटर में कटारे ने लिखा है कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 178 में प्रदेश विधान सभाओं में स्पीकर सहित डिप्टी स्पीकर के पद का उल्लेख है। नियमानुसार विधान सभा के द्वितीय सत्र तक उपाध्यक्ष पद की पूर्ति होना चाहिए, किंतु मध्यप्रदेश विधान सभा में विगत चार वर्ष से उपाध्यक्ष की नियुक्ति नहीं होने से यह पद रिक्त है।

लोकसभा में 10 बार विपक्ष को उपाध्यक्ष का पद देने का हवाला दिया

कटारे ने लिखा, मध्यप्रदेश में विधायी कार्य को लोकतांत्रिक व स्वच्छ विधायी परंपरा के अनुरूप संपादित करने के लिए उपाध्यक्ष पद विपक्ष को देने की परंपरा रही है। लोकसभा में भी 18 में से 10 बार विपक्षी दल को उपाध्यक्ष का पद दिया गया। इसके अनुरूप प्रदेश में उपाध्यक्ष का पद भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस दल को मिलना चाहिए। इसलिए प्रदेश में विधायी कार्य प्रणाली को गति और मजबूती प्रदान करने की दृष्टि से अनुरोध है कि जनहित में शीघ्र विधान सभा उपाध्यक्ष के रिक्त पद की पूर्ति करने की कृपा करें।

प्रदेश के 14 जिलों में शीतलहर का अलर्ट, भोपाल, इंदौर-उज्जैन में घना कोहरा रहा

भोपाल। मध्यप्रदेश के आज 14 जिलों में आज शीतलहर का अलर्ट है। कई शहरों में रात का टेम्परेचर 7 डिग्री से नीचे पहुंच गया है। भोपाल, इंदौर, ग्वालियर, जबलपुर-उज्जैन समेत पूरे प्रदेश में कड़ाके की ठंड पड़ रही है। दिन में भी कंपकंपी छूट रही है। मौसम विभाग का कहना है कि अगले 3 दिन ऐसी ही ठंड पड़ेगी। उधर, खंडवा में कोहरे के कारण यात्री बस की जननी एक्सप्रेस से भिड़ंत हो गई।

जिन जिलों में शीतलहर का अलर्ट है, उनमें भोपाल, ग्वालियर-जबलपुर के अलावा मुरैना, भिंड, दतिया, राजगढ़, सागर, निवाड़ी, टीकमगढ़, छतरपुर, दमोह, उमरिया और कटनी भी शामिल हैं। इससे पहले बुधवार को प्रदेश के 37 जिलों में सुबह मध्यम से घना कोहरा छाया रहा। भोपाल, उज्जैन और शाजापुर में इतना घना कोहरा था कि विजिबिलिटी 50 मीटर ही रह गई थी।

वर्तमान में जम्मू, हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, लद्दाख में बर्फबारी हो रही है, जिससे प्रदेश में सर्द हवाएं आ रही हैं। आने वाले दिनों में बर्फ पिघलेगी। हवा की रफ्तार तेज होगी और प्रदेश में ठंड का असर बढ़ जाएगा। इस कारण जनवरी में प्रदेश का मौसम ठंडा ही रहेगा। 20 से 22 दिन तक शीतलहर चलने का अनुमान है।

खंडवा में कोहरे के कारण हादसा- खंडवा में गुरुवार सुबह कोहरे के कारण एक यात्री बस की जननी एक्सप्रेस से भिड़ंत हो गई। एम्बुलेंस का आगे का हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया। जननी एक्सप्रेस के कर्मचारी का कहना है कि, घटना के दौरान हल्का कोहरा था। हमारी गाड़ी साइड से चल रही थी। आगे से केवलराम बस ने ओवरटेक किया और रॉन्ग साइड पर आ गई। हमने बचने का प्रयास किया, गाड़ी को सड़क के किनारे उतार दिया। बावजूद बस वाले ने टक्कर मार दी।

तेज सर्द हवाओं से इंदौर में कंपकंपी

इंदौर में नए साल की पहला दिन और रात कंपकपाने वाली रही। रात को सर्द हवाओं के कारण तापमान में 3 डिग्री की गिरावट आई। तापमान 9.4 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। शहर में गुरुवार सुबह से हल्का कोहरा था। इसके साथ ही धूप निकलने के बाद तेज सर्द हवाओं के कारण कंपकंपी बनी हुई है।

जबलपुर में सुबह से छाया घना कोहरा

जबलपुर में सुबह से घना कोहरा छाया रहा। जिसके वजह से विजिबिलिटी कम रही। न्यूनतम तापमान सामान्य से 3 डिग्री कम होकर 7 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया।

भोपाल में आज भी घना कोहरा रहा

भोपाल में गुरुवार सुबह भी घने कोहरे में लिपटी रही। सुबह 7.30 बजे तक श्यामला हिल्स स्थित स्मार्ट सिटी हॉस्पिटल रोड पर घने कोहरे के कारण वाहन 10 से 20 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से चले।